28 मई 2025

बुधवार

# केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

राजपुर ट्रीपल मर्डर केस में ईओयू के एसपी के नेतृत्व में टीम ने लिया घटनास्थल का जायजा

2



# खौफनाक कदम... कर्ज से परेशान एक ही परिवार के सात लोगों ने जहर खाकर दे दी जान

- हरियाणा के पंचकूला में खड़ी एक कार में सातों ने खाया जहर
- तीन साल पहले देहरादून से चंडीगढ़ शिफ्ट हुआ था परिवार
- मृतकों में पति-पत्नी, तीन बच्चे और दो बुजुर्ग शामिल

**एजेंसी/पंचकूला**

हरियाणा के पंचकूला जिले में देहरादून के एक परिवार के 7 लोगों ने सोमवार की रात आत्महत्या कर ली। सातों के शव कार के अंदर मिले हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि ये सभी सोमवार को बाबा धीरेंद्र शास्त्री की पंचकूला सेक्टर-28 में चल रही कथा में शामिल हुए थे। कथा से लौटते समय सेक्टर-27 में खड़ी एक कार में परिवार के सातों सदस्यों ने जहर खाकर जान दे दी। पुलिस को रात करीब 11 बजे सूचना मिली कि एक कार में कई लोग बेहोश पड़े हैं। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। छह को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया, जबकि एक की हालत गंभीर थी, जिसकी बाद में मौत हो गई।

मृतकों में प्रवीण मित्तल, उनकी पत्नी रीना, मां विमला, पिता देशराज, बेटा हार्दिक, बेटी डेलसी, ध्रुविता शामिल हैं। बच्चों की उम्र 12 से 15 साल के करीब है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की वजह कर्ज का बोझ और आर्थिक तंगी बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, प्रवीण मित्तल पर कुछ सालों से काफी कर्ज हो गया था। मित्तल ने कुछ समय पहले देहरादून में टूर एंड ट्रैवल्स का व्यवसाय शुरू किया था, लेकिन उन्हें भारी नुकसान हुआ। व्यवसाय में घाटे और बढ़ते कर्ज से मानसिक तनाव में आकर उन्होंने कथित रूप से यह कदम उठाया। जानकारी के अनुसार पैसे की इतनी तंगी हो गई थी कि घर खर्च चलाना मुश्किल हो गया था। तीन साल पहले ही यह परिवार देहरादून से चंड़ीगढ़ में शिफ्ट हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही डीसीपी हिमाद्री कौशिक और डीसीपी लॉ एंड ऑर्डर अमित दहिया मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कहा कि फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं, और जांच जारी है कि परिवार ने यह कदम क्यों उठाया, और पंचकूला में उन्होंने आत्महत्या का स्थान क्यों चुना।

## तीन साल तक देहरादून में किराए पर रहा था परिवार

देहरादून के पड़ोसियों के अनुसार प्रवीण मित्तल का परिवार साल 2020 से 2023 तक देहरादून के कौलागढ़ क्षेत्र के राघव विहार में नौटियाल निवास में किराए पर रह रहा था। प्रवीण मित्तल के पिता देहरादून में टपकेश्वर मंदिर के पास पर पूजा सामग्री की दुकान चलाते थे। जब मकान मालिक ने घर बेचा तो परिवार वहां से चंडीगढ़ चला गया। आसपास के लोगों ने बताया कि मित्तल परिवार बेहद सरल और सौम्य था। उनके तीन बच्चे थे, जो ब्लूमिंग बड्स स्कूल में पढ़ते थे। कभी भी ऐसा नहीं लगा कि वे ऐसा खतरनाक कदम उठा सकते हैं। घटनास्थल से बरामद कार देहरादून के मालदेवता निवासी गंभीर सिंह नेगी के नाम पर रजिस्टर्ड है। मृतक प्रवीण पहले चाइल्ड लाइफ केयर मिशन नाम की संस्था चला रहे थे।

## सुसाइड नोट में कर्ज से परेशान हो खुदकुशी की लिखी बात

कार से पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में कारोबारी ने कर्ज से परेशान होकर खुदकुशी की बात लिखी है। सूत्रों के मुताबिक सुसाइड नोट में यह भी लिखा है कि... मैं नहीं चाहता कि मेरे बाद मेरे बच्चों को परेशान किया जाए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रवीन मित्तल ने कुछ समय पहले देहरादून में टूर एंड ट्रैवल का कारोबार शुरू किया था, जो चल नहीं पाया। उसमें उनको भारी घाटा हुआ। इसी कारण परिवार कर्ज में डूब गया था। हालत इतनी खराब थी कि परिवार का गुजारा भी नहीं हो पा रहा था।

**टीचर बोले... लगा ही नहीं कि वे पैसे की वजह से परेशान हैं:** सेक्टर 28 सरकारी मॉडल स्कूल के टीचर मुकेश ने बताया कि 28 अप्रैल को प्रवीण मित्तल के बेटे हार्दिक मित्तल का उनके स्कूल में एडमिशन हुआ था। इस दौरान बच्चों के माता-पिता से भी एडमिशन को लेकर बात हुई थी। वह किसी तरीके से तनाव में नहीं लगे हर बात का उन्होंने शांति से जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी बहुत सरल लगे थे। स्कूल में सीट न होने के बावजूद बच्चों की शराफत देखकर उसे एडमिशन दिया गया था। एक महीने वह स्कूल में रहा उसने टेस्ट दिए। बच्चा पढ़ाई में भी अच्छा था वह पंजाबी विषय का स्टूडेंट था। टीचर ने बताया कि बच्चों के माता-पिता पीटीएम के लिए भी स्कूल में आए थे। दो बार उनकी बच्चों के पिता से बात हुई लेकिन हर बार उन्होंने बहुत ही अच्छा व्यवहार किया। पुलिस मृतकों के सोशल मीडिया अकाउंट भी खंगाल रही है।

## खबरें फटाफट

### कर्नाटक में बीजेपी ने अपने दो विधायकों को पार्टी से निकाला

**बेंगलुरु।** कर्नाटक में बीजेपी केंद्रीय अनुशासन समिति ने दो विधायकों पर बड़ी कार्रवाई की है। समिति ने विधायक एसटी सोमशेखर और ए शिवराम हेब्बार को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने यह फैसला पार्टी अनुशासन के बार-बार उल्लंघन के मद्देनजर लिया है। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने कहा कि यह निर्णय पार्टी हाईकमान द्वारा लंबी चर्चा के बाद लिया गया। केंद्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ओम पाठक ने 25 मार्च 2025 को जारी शो-कॉज नोटिस के जवाब को असंतोषजनक पाया, जिसके बाद निष्कासन का फैसला लिया गया। निष्कासन पर विधायक शिवराम हेब्बार ने कहा कि उन्होंने हमेशा राजनीति से ऊपर अपने निर्वाचन क्षेत्र और अपने लोगों को प्राथमिकता दी है। मेरे समर्थकों को कोई संदेह नहीं है। उन्हें लगता है हमारे नेता ने अच्छे समय और चुनौतियों दोनों में हमारा साथ दिया है। जब विकास की बात आती है तो वे कभी पीछे नहीं हटे हैं और न ही कभी पीछे हटेंगे। बता दें कि सोमशेखर ने फरवरी 2024 के राज्यसभा चुनाव में पार्टी व्हिप के खिलाफ जाकर कांग्रेस उम्मीदवार अजय माकन के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की थी। हेब्बार ने इस चुनाव में वोटिंग से दूरी बनाई थी।

## गांधीनगर में रोड शो करने के बाद पीएम मोदी ने समारोह में देशवासियों से की अपील

# भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो हमें विदेशी वस्तुओं का उपयोग रोकना होगा

- पीएम मोदी ने दिया संदेश- हर भारतीय को अपने घर में यह देखना चाहिए कि कितनी विदेशी चीजें उपयोग में हैं
- आग्रह किया कि गांव-गांव जाकर लोगों से विदेशी वस्तुओं के उपयोग पर रोक की शपथ दिलाई जाए

**एजेंसी/अहमदाबाद**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात दौरे का मंगलवार को दूसरा दिन रहा। गांधीनगर में रोड शो करने के बाद पीएम मोदी ने गुजरात शहरी विकास की 20वीं वर्षगांठ के समारोह में लोगों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि छह मई की रात जो ऑपरेशन सिंदूर सैनिक शक्ति से शुरू हुआ, अब उसे जनशक्ति से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और पूरी तरह विकसित राष्ट्र बनाना है, तो हमें विदेशी उत्पादों पर निर्भरता खत्म करनी होगी। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ सेना का काम नहीं है। यह हर उस व्यक्ति की जिम्मेदारी है जो भारत से प्रेम करता है। प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन की याद दिलाते हुए कहा कि हर भारतीय को अपने घर में यह देखना चाहिए कि कितनी विदेशी चीजें उपयोग में हैं। उन्होंने आग्रह किया कि गांव-गांव जाकर लोगों से विदेशी वस्तुओं के उपयोग पर रोक की शपथ दिलाई जाए। गणेश जी की मूर्तियां हों, होली की पिचकारी हो या कोई सजावटी सामान सबकुछ विदेशी बन चुका है, अब आंख खोलने का समय आ गया है।

पीएम मोदी ने यह भी स्पष्ट किया कि वह लोगों से उनके पास मौजूद विदेशी सामान फेंकने के लिए नहीं कह रहे हैं, बल्कि जब अगली बार कुछ खरीदने का मौका आए तो 'वोकल फॉर लोकल' को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा, हमारी दुकानों, घरों और बाजारों में जो विदेशी चीजें हैं, उन्हें पहचानिए, लिस्ट बनाइए और फिर निर्णय लीजिए कि अब से नया सामान केवल स्वदेशी लेंगे।

### बोले पीएम... कटनी चाहिए थी जंजीरें, लेकिन काट दी गई भुजाएं

पीएम मोदी ने कहा कि शरीर चाहे कितना भी मजबूत या स्वस्थ क्यों न हो, एक भी कांटा लगातार दर्द दे सकता है और हमने तय किया है कि कांटा निकालना ही होगा। विभाजन के दौरान, मां भारती दो भागों में विभाजित हो गई, और उसी रात, मुजाहिदीन द्वारा कश्मीर पर पहला आतंकी हमला किया गया। अगर उन्हें तब खत्म कर दिया गया होता, तो 75 साल की ये पीड़ा टाली जा सकती थी। 1947 में मां भारती के टुकड़े हुए। कटनी चाहिए थी जंजीरें, लेकिन काट दी गईं भुजाएं। देश के तीन टुकड़े कर दिए गए और उसी रात पहला आतंकी हमला कश्मीर की धरती पर हुआ। मां भारती का एक हिस्सा आतंकवादियों के बलबूते पर, मुजाहिदीनों के नाम पर पाकिस्तान ने हड़प लिया। अगर उसी दिन इन मुजाहिदीनों को मौत के घाट उतार दिया गया होता और सरदार पटेल की बात मान ली गई होती तो 75 साल से चला आ रहा ये सिलसिला (आतंकी घटनाओं का) देखने को नहीं मिलता।कहा कि जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ, हमारे भारतीय सशस्त्र बलों-हमारे बहादुरों-ने उन्हें इस तरह से हराया कि वे कभी नहीं भूल पाएंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि आम आदमी को यह बात अपने मन में बिठा लेनी चाहिए कि वह अपने देश में बने हुए सामानों का ही उपयोग करेगा। अभी तो गणेश जी भी छोटी आंखों वाले आ रहे हैं। होली पर रंग और पिचकारी भी विदेशों से आ रही है। इससे भारतीय कामगारों का हक मारा जाता है। लेकिन यदि भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनना है तो उसे अपने लोगों के बने उत्पादों को बढ़ावा देना होगा। निर्माण को अपनी ताकत बनाकर चीन और जापान दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बन चुके हैं। इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अपने देश की कंपनियों को स्वदेश में ही निर्माण करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। ऐसा न करने वाली कंपनियों को टैरिफ दंड से हांकने की कोशिश भी कर रहे हैं। भारत को बिना कोई दंडात्मक नीति अपनाए घरेलू निर्माण, घरेलू उपभोग और घरेलू बचत को प्रोत्साहित करना चाहिए। यह देश की ताकत बन सकता है। भारत में रोजगार का संकट दूर करने के बाद ही घरेलू उपभोग की मांग को बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए कृषि क्षेत्र को अपनी ताकत बनाना चाहिए जहां ज्यादा से ज्यादा युवाओं को नौकरी दी जा सकती है, साथ ही प्रसंस्कृत उत्पादों का उत्पादन बढ़ाकर घरेलू और निर्यात की आवश्यकताएं पूरी की जा सकती हैं। लेकिन इसके साथ ही भारत को नई तकनीकी का उपयोग करते हुए स्पेस, सेमीकंडक्टर चिप निर्माण और उन्नत तकनीकी की मशीनों के निर्माण पर जोर देना चाहिए।

# पटना में अंधाधुंध फायरिंग कर युवक की हत्या, लोगों में दहशत

## सुशासन की सरकार को खुली चुनौती दे रहे अपराधी

**केटी न्यूज/पटना**

राजधानी पटना में अपराधी आए दिन बड़ी घटनाओं को अंजाम देकर सुशासन की सरकार को खुली चुनौती दे रहे हैं। इसी कड़ी में अपराधियों ने मंगलवार को राम कृष्ण नगर थाना क्षेत्र में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी।

जानकारी के अनुसार अपराधियों ने युवक को चारों तरफ से घेर कर गोली मार दी। इस दौरान अपराधियों ने कई राउंड फायरिंग की। गोली मारने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। वहीं जख्मी युवक को आनन-फानन में निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। घटना के पीछे का कारण क्या है, फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है।

वहीं मौके पर पहुंची रामकृष्ण नगर थाने की पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखा बरामद किया है। इस घटना को थाने से महज 500 मीटर की दूरी पर अंजाम दिया गया है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से लोगों में दहशत का माहौल है।

**दो दिन में दो हत्या:** बता दें कि रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र में सोमवार (26 मई) को भी अपराधियों ने एक युवक को ताबड़तोड़ गोली मारी थी, जिसमें युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वहीं मंगलवार को फिर एक बार अपराधियों ने राम कृष्ण नगर थाना क्षेत्र में एक युवक को गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक नवादा जिले का रहने वाला था, जिसका नाम कुंदन कुमार है। वह पटना में किराए के मकान में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। घटना को उस समय अपराधियों ने अंजाम दिया जब युवक रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के चांगर मोड़ की तरफ जा रहा था। इस दौरान अपराधियों ने उसका बाइक से पीछा किया और मोड़ के पास जैसे ही गाड़ी धीरे हुई उसे पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। वहीं अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं सभी परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। अभी हाल में कुंदन की शादी हुई थी।

# कभी प्रेम चोपड़ा तो कभी परेश रावल जैसे डायलॉग मार रहे हैं मोदी: कांग्रेस

**एजेंसी/नई दिल्ली**

कांग्रेस ने हाल के कुछ सालों में हुए बड़े आतंकी हमलों में शामिल आतंकियों को पकड़ पाने में नाकामी के लिए सरकार को घेरते हुए कहा है कि देश को अब तक कुछ महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं मिले हैं, जिनमें से एक यह है कि पाकिस्तान के साथ किन शर्तों पर सीजफायर के लिए समझौता हुआ। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मंगलवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए उक्त सवाल किये। उन्होंने यह कहा कि मोदी फिल्मी डायलॉगबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से मोदी कभी प्रेम चोपड़ा की तरह, कभी परेश रावल की तरह डायलॉग मार रहे हैं। कभी सिंदूर को लेकर, कभी रगों में बहने वाले खून को लेकर, गोली खाओ, रोटी खाओ जैस डायलॉग की प्रधानमंत्री से अपेक्षा नहीं की जाती।

# बीएसएफ ने दो पोस्टों का नाम अपने शहीद सैनिकों के नाम पर रखने का दिया प्रस्ताव

**एजेंसी/नई दिल्ली**

बीएसएफ ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ऑपरेशन में हिस्सा लेने वालीं बीएसएफ की महिला अधिकारियों के बारे में जानकारी दी। सीमा सुरक्षा बल ने साथ ही यह भी बताया कि उन्होंने अपने दो पोस्टों का नाम अपने शहीद सैनिकों के नाम पर रखने और एक पोस्ट का नाम सिंदूर रखने का प्रस्ताव पेश किया है।

बीएसएफ के आईजी जम्मू शशांक आनंद ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ की महिला कर्मियों ने अग्रिम ड्यूटी चौकियों पर लड़ाई लड़ी। हमारी बहादुर महिला कर्मियों, सहायक कमांडेंट नेहा भंडारी ने एक अग्रिम चौकी की कमान संभाली। कांस्टेबल मंजीत कौर, कांस्टेबल मलकीत कौर, कांस्टेबल ज्योति, कांस्टेबल संपा और कांस्टेबल स्वप्ना और अन्य ने ऑपरेशन के दौरान अग्रिम चौकियों पर लड़ाई लड़ी। आईजी ने आगे कहा, बीएसएफ चौकियों पर पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन हमले और गोलाबारी में, हमने बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज, कांस्टेबल दीपक कुमार और भारतीय सेना के नायक सुनील कुमार को खो दिया। हम अपने खोए हुए कर्मियों के नाम पर अपनी दो चौकियों का नाम रखने का प्रस्ताव रखते हैं और एक चौकी का नाम सिंदूर रखने का प्रस्ताव रखते हैं।

## राष्ट्रपति भवन में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 71 विभूतियों को किया सम्मानित

# लोक गायिका डॉ. शारदा सिन्हा मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित

**एजेंसी/नई दिल्ली**

राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कला, साहित्य, शिक्षा, सार्वजनिक मामलों, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान, खेल और उद्योग जैसे विविध क्षेत्रों में असाधारण योगदान देने वाले 71 व्यक्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए। इस समारोह का विशेष महत्व था क्योंकि इसमें 13 को मरणोपरांत यह सम्मान दिए गए, जिसमें उन दिग्गजों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने क्षेत्र में एक स्थायी विरासत छोड़ी है। इस कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण दिवंगत भोजपुरी और लोक गायिका डॉ. शारदा सिन्हा को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाना था, जिनके संगीत ने भारतीय जनमानस के हृदय में गहरी छाप छोड़ी। पद्म विभूषण पाने वालों में दुव्वुर नागेश्वर रेड्डी, पूर्व मुख्य न्यायाधीश जगदीश सिंह खेहर, शास्त्रीय नृत्यांगना कुमुदिनी लाखिया और वायलिन वादक डॉ. एल. सुब्रमण्यम शामिल थे। इस श्रेणी में मरणोपरांत पुरस्कार प्रसिद्ध मलयालम लेखक एम.टी. वासुदेवन नायर और जापानी उद्योगपति ओसामु सुजुकी को भी दिया गया, जिन्हें भारत के साथ सुजुकी की साझेदारी में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जाना जाता है।

पद्म भूषण पुरस्कार पाने वालों में सामाजिक कार्यकर्ता साध्वी ऋतंभरा, जिन्हें राम जन्मभूमि आंदोलन में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है, अभिनेता-राजनेता नंदमुरी बालकृष्ण और प्रसिद्ध पत्रकार और लेखक ए. सूर्य प्रकाश शामिल हैं। मरणोपरांत पद्म भूषण पाने वालों में प्रसिद्ध गायक पंकज उधास, वरिष्ठ राजनेता मनोहर जोशी और अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय शामिल हैं।

### तेज हुआ अनुसंधानः अहियापुर हत्याकांड मामले में हुई आर्थिक अपराध शाखा की एंट्री

# राजपुर ट्रीपल मर्डर केस में ईओयू के एसपी के नेतृत्व में टीम ने लिया घटनास्थल का जायजा

- टीम ने मामले में कई बिंदुओं पर की जांच, पुलिसिया कार्रवाई पर जताया संतोष
- ईओयू के एडीजे नैयर हसनैन खां के निर्देश पर आई थी टीम

**केटी न्यूज/बक्सर**

राजपुर में हुए तिहरे हत्याकांड मामले में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की एंट्री हो गई है। मामले में तेज अनुसंधान के लिए मंगलवार को ईओयू के एडीजे नैयर हसनैन खां के निर्देश पर एसपी पंकज कुमार के नेतृत्व में आर्थिक अपराध इकाई की एक टीम राजपुर के अहियापुर पहुंच घटना स्थल का जायजा लिया। वहीं, टीम ने स्थानीय पुलिस से बात कर घटना की विस्तृत जानकारी भी ली।

इस दौरान ईओयूटीम ने पुलिस की अबतक की कार्रवाई को संतोषजनक बताया। एसपी शुभम आर्य ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि तिहरा हत्याकांड पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। यही कारण है कि मामले को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है। आर्थिक अपराध इकाई द्वारा भी इसी के तहत जांच की गई है।

**शनिवार को अहियापुर में दबंगो ने खेली थी खून की होली :** बता दें कि अहियापुर गांव में चुनावी रंजिश व वर्चस्व की जंग में दबंगों ने खून की होली खेली थी। इस दौरान मनोज यादव व संतोष यादव ने अपने गुर्गो के साथ सुबह में नहर पुल पर बैठे पीड़ित परिवार के लोगों को गोलियों से छलनी कर दिया था। इस घटना में अहियापुर निवासी बिरेन्द्र सिंह, सुनील सिंह व विनोद सिंह की मौत हो गई थी, जबकि गोलीबारी के शिकार अमित उर्फ मंटू यादव व पूजन सिंह उर्फ पूंज अभी भी वाराणसी में इलाजरत है तथा जीवन व मौत से जूझ रहे है। घटना के बाद से इस गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

**पीड़ितों के घर वीडियो बनाते पकड़े गए है दो युवक, पूछताछ जारी :** वहीं, अहियापुर में हुई वारदात के बाद पीड़ितों के घर से दो संदिग्ध युवक पकड़े गए है। दोनों युवक घर तथा सदस्यों का वीडियो बना रहे थे। इस दौरान घर की महिलाओं की उनपर नजर पड़ी तथा महिलाओं ने दोनों को पकड़ पुलिस के हवाले किया। जानकारों का कहना है कि उनके मोबाईल से पीड़ितों के घर बनाए गए कुछ वीडियो भेजने के भी साक्ष्य मिले है।

**हत्यारों तक पहुंचने में मिल सकता है सुरागः** सदर डीएसपी धीरज कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि हो सकता है कि युवकों से पूछताछ के बाद हत्यारों तक पहुंचने का कोई सुराग मिल सकता है। बहरहाल अभी तक युवकों ने पुलिस को कुछ नहीं बताया है कि वीडियो बनाने का उनका मकसद क्या था, लेकिन इस घटना के बाद पीड़ित परिवार डरा सहमा हुआ है।

**अभी भी सामान्य नहीं हो पाया है पीड़ित परिवार :** वहीं, इस घटना के बाद चौथे दिन भी पीड़ित परिवार सामान्य नहीं हो पाया है। मंगलवार को भी पूरे दिन घर की महिलाओं के सिसकने की आवाजे आती रही। हालांकि, पिछले तीन दिन से जो क्रंदन चित्कार मची थी, उसमें कुछ कमी जरूर आई थी। मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से अभी भी पीड़ित असहज महसूस कर रहे है।

### अभियुक्तों को शीघ्र किया जाएगा गिरफ्तार

एसपी ने बताया कि तिहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपियों मनोज यादव व संतोष यादव के साथ ही इस हत्याकांड में शामिल अन्य अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा। एसपी ने कहा कि पुलिस इस हत्याकांड को काफी गंभीरता से ले रही है तथा इस जघन्य कृत्य को अंजाम देने वाले बख्शे नहीं जाएंगे।

उन्होंने कहा कि न्यायालय से आरोपियों के खिलाफ वारंट निर्गत हो चुका है। उनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। एसपी ने कहा कि जल्दी ही सभी आरोपी सलाखों के पीछे होंगे।

**वैज्ञानिक पद्धति का लिया जा रहा है सहारा**

"तिहरे हत्याकांड को पुलिस ने काफी गंभीरता से लिया है। हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए वैज्ञानिक पद्धति का सहारा लिया जा रहा है। पीड़ित परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई गई है। जल्दी ही इस घटना में शामिल हत्यारे पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

– शुभम आर्य, एसपी, बक्सर

## अर्जुन यादव हत्याकांड में दूसरे दिन भी परिजनों ने नहीं दर्ज कराया एफआईआर

**केटी न्यूज/चौसा**

राजद मजदूर प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अर्जुन यादव की दिनदहाड़े गोली मार हत्या मामले में दूसरे दिन भी परिजनों ने एफआईआर दर्ज नहीं कराया है। वहीं, इस घटना के अगले दिन तक भी पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है कि इस घटना क्यों क्यो अंजाम दी गई है तथा हत्यारे कौन है।

मंगलवार को मुफस्सिल थाना के नये थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने योगदान कर लिया है। जिसके बाद यह कयाश लगाया जा रहा है कि इस मामले का उद्भेदन शीघ्र होगा। पुलिस सूत्रों का कहना है कि शंभू तकनीकी रूप से काफी दक्ष पुलिस पदाधिकारी है। घटना की जटिलता तथा मृतक के राजनीतिक जुड़ाव को देखते हुए ही पुलिस काफी सतर्कता बरत रही है, यही कारण है कि घटना के बाद तत्काल वहां के थानाध्यक्ष को हटा शंभू को मुफस्सिल थाने की कमान दी गई है।

**दूसरे दिन भी चौसा पहुंचे सदर डीएसपी :** मंगलवार को सदर डीएसपी धीरज कुमार ने पीड़ित परिजनों से बात कर घटना की जानकारी व अर्जुन के विरोधियों के संबंध में पड़ताल की। उन्होंने नये थानाध्यक्ष के साथ बैठक कर इस मामले के उद्भेदन व अपराधियों की गिरफ्तारी की रणनीति बनाई। गौरतलब है कि अर्जुन यादव मजदूर वर्ग के नेता माने जाते थे, साथ ही वह बिजली परियोजना में ठेकेदारी भी करते थे। उनकी हत्या से न केवल राजनीतिक हलकों में बल्कि आम जनता के बीच भी चिंता की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी घटना दिनदहाड़े होना पुलिस की नाकामी को दशार्ता है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही इस हत्याकांड का खुलासा कर दिया जाएगा।

फिलहाल, पुलिस विभिन्न एंगल से जांच कर रही है, लेकिन हत्या के कारणों से पर्दा अभी तक नहीं उठ पाया है। इस मामले को लेकर पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही व हत्या के पीछे सुराग की तलाश कर रही है।

## एसपी की अनुंशसा पर डीआईजी ने राजपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार को किया निलंबित

**बक्सर।** राजपुर थाने के निवर्तमान थानाध्यक्ष संतोष कुमार को एसपी शुभम आर्य की अनुशंसा पर शाहाबाद रेंज के डीआईजी डॉ सत्य प्रकाश ने निलंबित कर दिया है।

राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में शनिवार की तड़के हुए नरसंहार में थानाध्यक्ष की भूमिका संदिग्ध पाई गई थी। वहीं, पीड़ित पक्ष बार-बार थानाध्यक्ष व अभियुक्तो के सांटगाठ का आरोप लगा रहा था। पीड़ित पक्ष का कहना था कि थानाध्यक्ष मुख्य अभियुक्त संतोष व मनोज यादव से मिले है तथा पुलिस के सह पर ही उनलोगों ने इतनी बड़ी घटना को अंजाम दिया है।

यही नहीं पुलिस सूत्रों का कहना है कि तीहरे हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी में भी उनकी उदासीनता सामने आई थी, जिसके बाद एसपी ने उन्हें निलंबित करने की अनुशंसा डीआईजी से की थी। जिसके बाद मंगलवार को डीआईजी ने उनपर निलंबन की गाज गिराई है।

गौरतलब हो कि अहियापुर में पूर्व जिप अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज यादव व पूर्व जिप उपाध्यक्ष संतोष यादव ने अपने गुर्गो के साथ मिलकर गांव में मौत का खुला खेल खेला था। गोलीबारी में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो अभी भी जीवन व मौत से जूझ रहे है। घटना के बाद से ही तत्कालीन थानाध्यक्ष संतोष कुमार की भूमिका पर सवाल उठ रहा था। अब विभाग द्वारा उनपर गाज गिराए जाने से पीड़ितों के आरोपों की पुष्टि हो गई है।

### अमीरपुर हत्याकांड में पुलिस के हाथ खाली

**नावानगर।** बासुदेवा थाना क्षेत्र के अमीरपुर कुशवाहा टोला गांव में हुए दिल दहला देने वाले हत्याकांड को 48 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ अभी भी खाली हैं। यहां तक की अपराधी की गिरफ्तारी तो दूर उसकी पहचान तक नहीं कर पाई है। इधर इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं परिजन न्याय की गुहार लगा रहे हैं। बता दें कि बीते 25 मई की अहले सुबह उक्त गांव के बधार में अपराधियों ने शौच के दौरान संतोष महतो को गोली मारकर हत्या कर दी था। मृतक के कनपटी पर गहरे जख्म के निशान थे, जिससे यह स्पष्ट था कि हत्या बेहद निर्ममता से की गई थी। घटना के बाद से ही पुलिस अपराधियों की पहचान करने में जुट गई थी, पर अभी तक पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लग पाया है।

## पिकअप के धक्के से बाइक सवार अधेड़ की मौत, गांव में पसरा मातम

**मृतक के भाई की बेटी की आज होने वाली है शादी**

**केटी न्यूज/बक्सर**

बक्सर-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग 922 पर प्रतापसागर मुख्य चट्टी पर एक पिकअप के धक्के से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना मंगलवार की शाम करीब 3.30 बजे की है।

ग्रामीणों ने दुर्घटना को अंजाम देने वाले पिकअप को पकड़ क्षतिग्रस्त कर दिया। हालांकि, पिकअप चालक मौके का फायदा उठा भागने में सफल रहा। इसकी जानकारी मिलते ही नया भोजपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में ले मेथोडिस्ट अस्पताल ले गई, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुटी है। वहीं, इस दुर्घटना को अंजाम देने वाले पिकअप वैन को पुलिस ने अपने अभिरक्षा में ले लिया है। पिकअप के रजिस्टेज्शन नंबर के आधार पर चालक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। मृतक की पहचान चिलहरी निवासी छोटन सिंह के 45 वर्षीय पुत्र जगमोहन सिंह के रूप में हुई है। वह वर्षों से झारखंड के धनबाद में रहता था तथा पिछले छह-सात महीने से गांव आया था।

मिली जानकारी के अनुसार वह शाम में अपनी बाइक से गांव से डुमरांव जाने के लिए निकला था। जैसे ही गांव से निकल एनएच 922 पर पहुंचा कि बक्सर की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने उसकी बाइक में धक्का मार दिया। इस घटना में उसे गंभीर चोटें आई तथा मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई थी। वहीं, ग्रामीणों ने बताया कि मृतक के चचेरे भाई की बेटी 28 मई को होनी है। इसके लिए यूपी के गहमर जिले के करहियां से बारात आने वाली है। इस कारण परिजनों ने सर्वसम्मति से उसका शव नदी में प्रवाहित कर दिया गया। ताकि, बेटी की शादी संपन्न कराई जा सके।

नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि प्रताप सागर में एक व्यक्ति के दुर्घटना का शिकार होने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंच उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि दुर्घटना को अंजाम देने वाले पिकअप को अभिरक्षा में ले चालक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

### राजपुर में शराब लदी बाइक बरामद, तस्कर फरार

**केटी न्यूज/राजपुर**

थाना क्षेत्र के जलहरा गांव के पास से देशी एवं विदेशी ब्रांड के 239 बोतल शराब बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार शराब तस्करों के खिलाफ विशेष छापेमारी अभियान के दौरान राजपुर पुलिस ने विभिन्न जगहों पर गहन जांच पड़ताल कर रही थी।

इसी दौरान उत्तर प्रदेश से शराब की खेप लेकर आए तस्कर रात के अंधेरे में खपाने की फिराक में थे। जैसे ही पुलिस की गाड़ी गांव के नजदीक पहुंची तो तस्कर शराब एवं अपनी बाइक छोड़ अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकले। लवारिश अवस्था में पड़े बैग की जब जांच पड़ताल की गई तो उसमें रखे गए विभिन्न ब्रांडों के देशी एवं विदेशी शराब मिले। वहीं, शराब तस्करी के लिए उपयोग में लाई गई बगैर नंबर की बजाज प्लैटिना मोटरसाइकिल भी जप्त किया गया। पुलिस ने बताया कि विधि सम्मत कानूनी कार्रवाई करते हुए इसे जप्त किया गया। जब्त गाड़ी के आधार पर तस्करों की जांच पड़ताल की जाएगी।

## जिलाधिकारी के निर्देश पर अहियापुर में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की जांच के लिए पहुंची टीम

**केटी न्यूज/बक्सर**

राजपुर थाना के अहियापुर में बीते शनिवार को हुए तीहरे हत्याकांड के बाद जिला प्रशासन की भी तंद्रा टूट गई है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने हत्याकांड के अभियुक्तों पर पंचायत में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का आरोप लगाया था। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों की सांठगांठ की आशंका जताई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने बीते शनिवार को ही पूरे आरोपों की सत्यता की जांच के लिए टीम का गठन किया था। टीम का नेतृत्व राजस्व एडीएम कुमारी अनुपम सिंह कर रही हैं।

मामले में एडीएम कुमारी अनुपमा सिंह ने बताया कि ग्रामीणों के आरोपों के अनुसार हत्याकांड के अभियुक्तों द्वारा पंचायत सरकार भवन को कब्जे में रखा गया है। साथ ही, उनके द्वारा सिंचाई विभाग के साथ साथ सरकारी जमीन पर भी कब्जा कर रखा है। मामले की जांच के लिए सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया है। सिंचाई विभाग की टीम प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर जांच कर रही है। इसके लिए राजपुर बीडीओ व सीओ सरकारी जमीन और सिंचाई विभाग की जमीन के कागजातों की जांच करने के लिए मंगलवार को गई थी। इसके बाद जांच रिपोर्ट बनाकर जिलाधिकारी को सौंपी जाएगी, जिस पर कार्यवाही की जाएगी। वहीं, आधिकारिक सूत्रों के अनुसार पूरे मामले से राजपुर अंचल कार्यालय को अलग रखा गया है। वहीं, सीओ को रिपोर्ट बनाने में सहयोग करने का निर्देश दिया गया है।

### फरार शराब तस्कर कोआथ से गिरफ्तार

**नावानगर।** स्थानीय थाना के पुलिस ने कोआथ गांव से एक फरार शराब तस्कर को धर दबोचा है। गिरफ्तार शराब तस्कर सोनवर्षा थाना क्षेत्र के सारा गांव निवासी सुमित कुमार पटेल उर्फ अंकित कुमार बताया जाता है। बताया जाता है कि सुमित कुमार शराब कांड में वांछित था और पिछले कई दिनों से फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वह अपनी मौसी के घर कोआथ गांव में छिपकर रह रहा है। इसके बाद पुलिस ने दावथ थाना की टीम के सहयोग से संयुक्त छापेमारी की और आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया कि आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

## चोरी की बाइक बरामद मामले में नाबालिग गिरफ्तार

- अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज, पूरे गिरोह को खंगालने में जुटी पुलिस

**केटी न्यूज/डुमरांव**

सोमवार को बंझू डेरा में जिस फूदेना यादव के घर से बिक्रमगंज से चुराई गई बाइक जीपीएस सिस्टम के आधार पर पकड़ी गई है, उस परिवार को चोरी से पुराना नाता रहा है।

गिरोह के मास्टर माइंड फूदेना यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजने के बाद मंगलवार को उसके एक नाबालिग पुत्र को पकड़ न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। वहीं, फरार चल रहे उसके बड़े पुत्र रवि उर्फ बड़े तथा वासुदेवा थाना क्षेत्र के एक अन्य युवक की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान तेज हो गया है। डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष संजीत कुमार शर्मा ने बताया कि चोरी की बाइक बरामद होने के बाद पुलिस पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है। उन्होंने कहा कि इस परिवार का चोरी से पुराना नाता रहा है तथा पूर्व में फूदेना के दो पुत्र बड़े व छोटे चोरी के आरोप में जेल जा चुके है, उनके घर से कई जगहों पर चोरी किए गए सामान भी बरामद हुआ था। बता दें कि पिछले साल डुमरांव के बसवनी मां मंदिर से चोरों एम्प्लीफायर समेत कई अन्य सामानों की चोरी कर ली थी। इस घटना के बाद पुलिस की जांच में फूदेना के लड़कों की संलिप्तता सामने आई थी तथा छापेमारी में उसके घर से मंदिर से चोरी हुआ एम्प्लीफायर समेत कई अन्य जगहों से चोरी किया गया सामान बरामद हुआ था।

प्रभारी थानाध्यक्ष की माने तो फूदेना तथा गिरोह में शामिल अन्य चोर काफी शातिर है तथा पूछताछ के दौरान फूदेना ने पुलिस का सहयोग नहीं किया, हालांकि उसके खिलाफ पुख्ता साक्ष्य मिले है।

गौरतलब हो कि फूदेना का पुत्र रवि उर्फ बड़े आर्केस्ट्रा पार्टी का संचालन करता है, इसी के आड़ में वह चोरी का धंधा भी कर रहा था तथा रविवार को अपने आर्केस्ट्रा के साथ वह बिक्रम्रगंज गया था। वहां से उसने एक बाइक चुरा ली तथा उसे घर लाकर कटर की सहायता से उसके हर पार्ट को काट घर के अलग-अलग हिस्सों में छिपाया था, लेकिन बाइक में लगे जीपीएस सिस्टम के सहारे बाइक मालिक बंझू डेरा स्थित उसके घर तक पहुंचा और उसके घर से बाइक के पार्ट्स को बरामद कर पुलिस को इसकी सूचना दी थी।

**स्थानीय पुलिस पर उठ रहे है सवालः** इस घटना के बाद से स्थानीय पुलिस की भूमिका पर सवाल उठने लगे है। बंझू डेरा गांव की दूरी डुमरांव थाना से महज तीन से चार किलोमीटर है। थाना से इतने नजदीक चोरों व शराब निमार्ताओं का संगठित गिरोह चल रहा था और स्थानीय पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी थी, जबकि पूर्व में भी आरोपी के घर से चोरी का सामान बरामद हो चुका था। बावजूद पुलिस उनकी गतिविधियों पर नजर नहीं रख रही थी।

**सोनवर्षा में जन सुराज पार्टी की नुक्कड़ सभा, बड़ी संख्या में जुटे लोग**

## एक स्वच्छ और पारदर्शी राजनीति की दिशा में काम कर रही है जन सुराज पार्टीः सरोज चौबे

- नेताओं ने पार्टी की विचारधारा से जुड़ने का किया आह्वान

**केटी न्यूज/नावानगर**

स्थानीय प्रखंड के सोनवर्षा बाजार में जन सुराज पार्टी द्वारा आयोजित नुक्कड़ सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। सभा का उद्देश्य जनता को पार्टी की नीतियों और आगामी चुनावी रणनीतियों से अवगत कराना था।

सभा को संबोधित करते हुए जन सुराज पार्टी के स्थानीय नेताओं ने भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी एक स्वच्छ और पारदर्शी राजनीति की दिशा में काम कर रही है, जिसमें जनता की भागीदारी सबसे अहम है। साथ ही नेताओं ने पार्टी की विचारधारा से जुड़ने का आह्वान लोगों से किया।

जनसुराज नेताओं ने कहा कि बिहार में पिछले चार दशक से राजद व राजग गठबंधनों की सरकारे रही है। बिहार की जनता ने दोनों गठबंधनों को भरपूर मौका दिया है, बावजूद बिहार विकास के पथ पर आगे नहीं बढ़ पाया। जनता के वोट के सहारे सत्ता तक पहुंचने वाले राजनेता बिहार को आगे बढ़ाने के बजाय खुद तथा अपने परिवार के विकास पर ध्यान दिया। यही कारण है कि बिहार में न तो उद्योग धंधे बढ़ पाए और न ही रोजगार का सृजन हुआ, जिससे जनता पलायन को मजबूर हुई। जनसुराज नेताओं ने इस स्थिति से बिहार को निकालने व बिहार को विकसित बिहार बनाने के लिए जनसुराज को एक मौका देने की अपील की और कहा कि जनुसराज मुद्दो की राजनीति करती है।

सभा के अंत में स्थानीय कार्यकताओं ने पार्टी की सदस्यता अभियान की जानकारी दी और लोगों से इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। नुक्कड़ सभा की अध्यक्षता सरोज कुमार चौबे व संचालन ददन पटेल ने की। सभा में मुख्य अतिथि के रुप में पार्टी के प्रदेश कोर कमिटी के सदस्य पुनम पासवान, तरारी के किरण सिंह, पार्टी के उपाध्यक्ष रेखा कुशवाहा भोजपुर जिला के युवा अध्यक्ष सोनू पासवान, प्रवक्ता लड्डू खान, अभिषेक सांकृत, अरुण कुमार मिश्रा, वेनुगोपाल तिवारी, सुरेंद्र चौबे, देवमुनी तुरहा, ज्योति प्रकाश समेत अन्य थे।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

# कृषि विशेषज्ञों की सलाह लेकर नई तकनीक अपनाएं किसान: बीडीओ

♦ राजपुर में खरीफ महा अभियान में किसानों को दी गई योजनाओं की जानकारी

**केटी न्यूज/राजपुर**

प्रखंड के ई-किसान सभा कक्ष में खरीफ महा अभियान के तहत एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कृषि पदाधिकारी शशिरंजन प्रसाद सिंह यादव ने की, जबकि संचालन कृषि समन्वयक संजय कुमार ने किया।

कार्यशाला का उद्घाटन बीडीओ सिद्धार्थ कुमार, बीस सूत्री अध्यक्ष फुटूचंद सिंह, बीएओ शशिरंजन प्रसाद सिंह यादव, प्रशिक्षु बीएओ अंकित कुमार, असीम कुमार चौधरी, मुखिया अनिल सिंह एवं ठाकुर प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

बीडीओ सिद्धार्थ कुमार ने कहा कि कम क्षेत्रफल में अधिक उत्पादन के लिए वैज्ञानिक पद्धति से खेती करना जरूरी है। बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन का खेती पर असर पड़ रहा है, इसलिए किसानों को कृषि विशेषज्ञों की सलाह लेकर नई तकनीक अपनानी चाहिए। उन्होंने किसानों को फसल उत्पादन में किसी भी समस्या के समाधान के लिए कृषि विशेषज्ञों से संपर्क करने की अपील की। वहीं, बीएओ शशिरंजन प्रसाद सिंह यादव ने कहा कि जलवायु अनुकूल खेती से किसानों को अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने मिट्टी जांच और कृषि तकनीकों का लाभ लेने पर जोर दिया।

**बकरी पालन में मिलेगा 80 % अनुदान:** पशु चिकित्सा पदाधिकारी ओंकारनाथ भास्कर ने कहा कि मुर्गी पालन और बकरी पालन के लिए किसानों को 80 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। इसके लिए इच्छुक किसान पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। लाभ के लिए जिला स्तर पर आयोजित पांच दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण में भाग लेना अनिवार्य है।

प्रखंड उद्यान पदाधिकारी मुन्ना कुमार सिंह ने बताया कि केला विकास योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन जारी है। आम की खेती के लिए राजपुर में एक हेक्टेयर का लक्ष्य तय किया गया है, जिसके तहत किसानों को 25-30 आम के पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। अनुदान की राशि सीधे किसानों के डीबीटी खाते में भेजी जाएगी। इस बार पहली बार जिले में अंजीर की खेती की शुरूआत भी की जा रही है, जिसमें राजपुर के लिए एक हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित है। इसकी खेती करने वाले किसानों को 60 प्रतिशत और 40 प्रतिशत की दो किस्तों में अनुदान दिया जाएगा। साथ ही, खरीफ प्याज योजना में 75 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। फूल विकास योजना के तहत एक हेक्टेयर का लक्ष्य तय किया गया है। प्याज भंडारण योजना के तहत गोदाम निर्माण के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित हैं। ओल हल्दी विकास योजना, नारियल विकास योजना (75% अनुदान), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (80 से 90% अनुदान), मिनी स्प्रिंकलर व ड्रिप परियोजना, और नलकूप योजना (50% अनुदान) जैसी योजनाओं की भी जानकारी दी गई।

कृषि समन्वयक धनंजय राय ने खरीफ धान की खेती पर चर्चा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री तीव्र बीज विस्तार योजना के तहत किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर धान बीज उपलब्ध कराया जाएगा।

# शराब मामले में आरोपितों को पांच वर्षों की हुई सजा, एक-एक लाख का जुर्माना

**केटी न्यूज/बक्सर**

अवैध शराब के मामले में मालदह गांव से पश्चिम बंगाल के रहने वाले रितेश कुमार जायसवाल एवं पिंटू दास को पांच वर्षों के कारावास की सजा सुनाई गई है।

न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों पर एक-एक लाख रुपए का अर्थ दंड भी लगाया है। जिससे नहीं देने पर अतिरिक्त समय जेल में बिताने होंगे। उक्त फैसला उत्पाद के विशेष न्यायाधीश ने मंगलवार को सुनाया। बताते चलें कि 31 जुलाई 2021 को वीर कुंवर सिंह सेतु पर एक लक्जरी वाहन में जांच के क्रम में पुलिस ने रॉयल स्टैग इंग्लिश शराब का एक बोतल 750 एमएल एवं एक बियर का बोतल बरामद किया था। दोनों अभियुक्त ने बताया था कि उक्त शराब को पीने के लिए ले जा रहे हैं। मामले की जब्ती सूची बनाकर न्यायालय में समर्पित की गई। जहां मंगलवार को उक्त फैसला सुनाया गया। सुनवाई में सरकार की ओर से विशेष लोक अभियोजक अवधेश कुमार राय, रविंद्र कुमार रवि एवं श्याम श्री चंद्रा ने बहस में हिस्सा लिया।

## डुमरांव वार्ड 18 स्थित जतकुटवा बस्ती के पास मुख्य पथ पर पांच दिन से जमा है पानी

# नगर परिषद बहा रही विकास की गंगा मेन रोड पर जलजमाव दिखा रहा आइना

♦ चाटों के अतिक्रमण व जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने की बताई जा रही वजह

**केटी न्यूज/डुमरांव**

नगर परिषद अकर्मण्यता का नमूना पेश कर रहा है, स्टेशन रोड की सड़क। विष्णु मंदिर से महराजा पेट्रोल पंप तक रोड की स्थिति इतनी खराब है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। इस मुश्किल को और बढ़ा दिया है, अतक्रमणकारियों ने। इनके द्वारा रोड के दोनों तरफ जो कटिंग हैं, उसका अतिक्रमण कर लिया गया है। नाली हो या बरसात का पानी बहकर रोड कटिंग में चला जाता था, उसका अतिक्रमण कर लिये जाने से सड़क पर ही जलजमाव की स्थिति बन गई है। कुछ ऐसा ही नजारा शील कुटवा बस्ती के पास देखने को मिल रहा है।

चार-पांच दिन पहले जो बारिश हुई थी, बहाव अवरूद्ध होने के कारण रोड पर ही पानी जमा हो गया है। रोड पर पानी जमा होने के कारण बस्ती वालों को परेशानी तो हो ही रही है, स्टेशन जाने वाले यात्रियों से लेकर वाहनों को भी उठाना पड़ रहा है।

मालूम हो कि विष्णु मंदिर से होते हुए रेलवे स्टेशन जाने वाले रास्ते में शील कुटवा बस्ती पड़ता है। इस बस्ती के स्त्री व पुरूष पत्थर से विभिन्न प्रकार के घरेलू सामान रोड के किनारे ही बनाते हैं। रोड के किनारे जो कटिंग है, उसको इनके द्वारा पूरी तरह से भर दिया गया है। वहीं कुछ नये घर और शिक्षण संस्थान हैं, उनके द्वारा भी रोउ कटिंग को भर कर उसे अतिक्रमण कर लिया गया है। ऐसे में जब भी बारिश होती है, रोड पानी से भर जाता है। रोड किनारे नाला, नाली नहीं होने और रोड कटिंग को भर कर अतिक्रमण कर लिये जाने से पानी का बहाव अवरूद्ध होने के कारण रोड पर जलजमाव की स्थिति बन जाती है। रोड कटिंग का अतिक्रमण का सिलसिला राज हाईस्कूल के सुमित्रा कॉलेज मोड़ से ही शुरू हो जाता है। एक दशक पहले बरसात के दिनों में बारिश होने पर रोड कटिंग में पानी जमा हो जाता था, जिससे पानी का लेयर भी नहीं भागता था। जानवर भी अपनी प्यास उस जमा पानी से बुझाते थे। वर्तमान समय में सारे रोड कटिंग को अपने निजी लाभ के लिये अतिक्रमण कर पूरी तरह से भर दिया गया है।

इस संबंध में जब नप चेयरमैन सुनीता गुप्ता से बात किया गया तो उनका कहना है कि स्टेशन रोड एनएच-120 का रोड है, जिस पर नगर परिषद काम नहीं लगा सकता है। एनएच से इस रोड को हैंडओवर करने की मांग की गई है, मिलते ही नगरवासियों को सारी परेशानियों से छूटकारा मिल जाएगा।

## हाइमास्ट लाइट लगाने में टूटा वाटर सप्लाई पाइप

**डुमरांव।** डुमरांव में नगर परिषद विकास कार्यों की अजब-गजब तस्वीर सामने आई है। शहर के चाणक्यपुरी कॉलोनी मोड़ पर हाइमास्ट लाइट लगाने के दौरान खोदे गए गड्ढे से वाटर सप्लाई पाइप लाइन फूट गई। इस कारण पिछले तीन दिनों से सड़क पर पानी का तेज बहाव शुरू है, जो सीधे आसपास की दुकानों व सड़को पर फैलने लगा। स्थानीय राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दुकानों में पानी भर जाने से कारोबार प्रभावित हो रहा है। स्थानीय निवासी ट्विंकल वर्मा, सुमित कुमार, दिवाकर सिंह आदि का कहना है कि डुमरांव नप द्वारा विकास कुछ ऐसा है जहां विकास का काम उल्टा होता है। उन्होंने बताया कि इसकी शिकायत नप प्रशासन से की गई है। बावजूद अभी तक कोई कर्मी इसे देखने नहीं आया। लोगों ने बताया कि पाइप लाइन टूटने से जहां लगातार पीने योग्य पानी व्यर्थ बह रहा है तो वहीं पानी सडक से बहते हुए खाली प्लॉटों में भर रहा है। जिससे वहां मच्छर पनप रहे हैं। कई बार बच्चे पानी में फिसलकर चोटिल भी हो चुके हैं। लोगों का कहना है कि गर्मी के दिनों में जहां कई जगह पानी नहीं है तो वहीं विभाग की कारगुजारी के चलते हजारों लीटर पानी प्रतिदिन बर्बाद हो रहा है।

वहीं, नगर परिषद की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। खास यह कि गड्ढा खोदने के दौरान वॉटर पाइप लाइन के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद नप द्वारा उसके मरम्मत नहीं कराया जा रहा है, जिससे स्थिति गंभीर हो जा रही है।

# ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री की लोकप्रियता बढ़ी

**केटी न्यूज/सिमरी**

भारतीय जनता पार्टी सिमरी मंडल कार्य समिति की बैठक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिक्रमगंज आगमन को लेकर सिमरी के सिमरी के एक निजी लॉज में की गई।

बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष श्रीभगवान सिंह त्यागी ने किया। उपस्थित अतिथियों के साथ कार्यकताओं के स्वागत अभिवादन के बाद बैठक शुरू की गई। बैठक में मुख्य वक्ताओं ने 30 मई को बिक्रमगंज में आयोजित प्रधानमंत्री की सभा में अधिक से अधिक लोगों को चलने की अपील की तथा कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री की लोकप्रियता और बढ़ गई है। बैठक को मुख्य रूप से बिहार सरकार के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री जनक चमार, जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन, पूर्व विधायक दिलमणी देवी, विधानसभा प्रभारी सीडी शर्मा, मंडल प्रभारी भूटेली तिवारी, दिनेश राय, अनु तिवारी, राजाराम पांडेय व शेषनाथ पाठक आदि ने संबोधित किया।

30 मई को शाहाबाद की धरती बिक्रमगंज में प्रधानमंत्री के आगमन पर भारी संख्या में लोगों को ले जाने के लिए बैठक में उपस्थित दर्जनों कार्यकताओं ने हुंकार भरी। बैठक में रास बिहारी दुबे, जितेंद्र दुबे, अशोक लाल, सुनील पांडेय, राहुल राय, विजय बिन, अनिल पांडे, गणेश सिंह, भोला राय, राजू सिंह, बसंत राय, पीडी सुमन, दिनेश तिवारी, कृष्णा देवी, बलिराज पांडेय, रघुवर सिंह, नागेंद्र यादव, दिलीप दुबे, विष्णु सेठ व अन्य मौजूद रहे।

## पांच वर्षों में जिले के सीडी दर में हुई 5.9 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

**बक्सर।** जिले में साख-जमा अनुपात के कम रहने पर गठित विशेष अध्ययन समिति की बैठक पंजाब नेशनल बैंक के राज्य उप अंचल प्रबंधक बलीकरण यादव की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान सीडी दर बढ़ाने को लेकर एलडीएम सतीश कुमार ने पीपीटी के माध्यम से साख-जमा अनुपात के कम रहने के कारणों तथा इससे बढ़ाने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की। राज्य उप अंचल प्रबंधक ने इंडियन बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया तथा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कम सीडी दर रहने पर चिंता जाहिर की और इस तथ्य को एसएलबीसी के समक्ष रखने के बारे में बताया गया। प्रभारी पदाधिकारी बैंकिंग शाखा द्वारा जिला स्तर पर बैंको द्वारा ऋण नहीं देने वाली शाखाओं को चिन्हित कर कार्रवाई करने को कहा। बक्सर एलडीएम ने बताया गया कि पिछले पांच वर्षों में जिले के सीडी दर में 5.9 प्रतिशत हुई है। मार्च 2025 में यह 45.85 प्रतिशत हो गई है। 50 प्रतिशत के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए बैंकों को करीब 800 करोड़ रुपए ऋण और वितरित करने होंगे। इसके लिए अध्यक्ष महोदय ने आपस में समन्वय स्थापित कर कार्य करने को कहा।

# केसठ गांव के मनशा टोला में चोरी की वारदात, नकदी के साथ आभूषण गायब

**केटी न्यूज/केसठ**

प्रखंड के स्थानीय केसठ गांव के वार्ड संख्या 7 स्थित मनशा टोला में चोरी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। रविवार की रात अज्ञात चोरों ने एक घर से नकद राशि और आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित महिला रानी देवी ने बताया कि रविवार की रात परिवार के सभी सदस्य भोजन करने के बाद करीब 11 बजे सोने चले गए।

सोमवार की सुबह जब वह घर की सफाई कर रही थीं, तो देखा कि पूजा घर में रखा बक्सा खुला हुआ है। जांच करने पर पता चला कि बक्से से करीब 20 हजार रुपये नकद और हजारों रुपये मूल्य के आभूषण गायब हैं। घटना की सूचना मिलते ही मोहल्ले की महिलाएं रोती हुई रानी देवी को देखने पहुंचीं। जहां पाया गया कि घर का कोई ताला टूटा नहीं था, और ना ही बक्से में कोई ताला लगा हुआ था। चोरी किस तरह से हुई, यह रहस्य बना हुआ है।

नावानगर थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना मिली है, और आवेदन मिलने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। गांव में इस घटना को लेकर दहशत का माहौल है और लोग अपने घरों की सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है।

# दो दिनों में बना 386 लाभुकों का आयुष्मान कार्ड

**केटी न्यूज/डुमरांव**

गरीबों के लिये आयुष्मान कार्ड वरदान साबित हो रहा है। इसकी आवश्यकताओं को देखते हुए सरकार ने तीन दिवसीय शिविर लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य शुरू किया है। मिली जानकारी के अनुसार दो दिनों के भीतर कुल 386 लोगों को आयुष्मान कार्ड बनाया गया है।

सिटी प्रबंधक एस सिन्हा ने बताया की हमलोग कम से कम एक हजार आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें हमलोग सफल भी हो रहे हैं। शिविर में कार्ड बना रहे कर्मियों को हिदायत दी गई है कि जो सारे नियम को पूर्ण करता है, उसका कार्ड अवश्य बनना चाहिए। इसकी मॉनीटरिंग भी मेरे द्वारा हर शिविर में जाकर की जा रही है। विदित हो की नप क्षेत्र में दस शिविर कार्ड बनाने के लिये लगाए गए हैं। इसकी जानकारी सभी वार्ड पार्षदों को दे दी गई है, साथ ही उन्हें बताया भी गया है कि वार्ड के लोगों को शिविर की जानकारी देकर वहां पहुंचने के लिये मदद कर सकते हैं।

**@केसठ- शिविर का प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया जायजा:** प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में जिलाधिकारी के निर्देश के आलोक में जन वितरण प्रणाली केंद्रों पर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन अरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन अरोग्य योजना के तहत राशन कार्ड धारियों के लाभुकों का आयुष्मान कार्ड बनाने को शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जो बुधवार तक आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। इस दौरान कतिकनार, रामपुर एवं केसठ पंचायत में 162 राशन कार्डधारी लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इस योजना के तहत आयुष्मान कार्ड धारियों को पांच लाख रुपए तक निःशुल्क चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा।

## अमावस्या पर कोपवा मां काली मंदिर में उमड़ा भक्तों का जन सैलाब

# ग्रामीणों ने धूमधाम से की मंदिर में पूजा-अर्चना

**केटी न्यूज/केसठ**

डुमरांव प्रखंड के कोंपवा धाम मां काली मंदिर का अपना एक अलग पहचान है। प्रतिदिन दूर दराज से भक्त पहुंचकर माता का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। प्रत्येक मांह अमावस्या तिथि को इस धाम पर हजारों हजार की संख्या में भक्तों का जमावड़ा लगता है।

मंदिर की बनावट, साज सजावट लोगों का मन मोह लेता है। इस तरह मंदिर की विधि व्यवस्था कमिटी के लोगों पर सवाल खड़ा कर देता है। व्यवस्था के प्रति कमिटी के लोग काफी तत्परता से जुटे रहते हैं। जो यह सराहनीय कदम है। दिन-ब-दिन श्रद्धालु भक्तों की भीड़ बढ़ती जा रही है। सोमवार को 38वीं अमावस्या तिथि के अवसर पर महा सप्तशती पाठ का आयोजन किया गया। पाठ प्रारंभ से पहले मंदिर को फूल, माला, रोलेक्स, झालर आदि से सजाया गया। तत्पश्चात मंदिर में विराजमान माता को विभिन्न आभूषण वस्त्र इत्यादि से सजाकर सुसज्जित किया गया। बनारस आदि जगहों से आए अचार्य सुशील शास्त्री के टीम के द्वारा 38वीं अमावस्या पर धूमधाम से पूजा अर्चना किया गया। भव्य आरती काफी आकर्षण रहा। यह सभी कार्यक्रम रात भर चला। साथ ही, भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें गांव क्या क्षेत्र के विभिन्न गांव से पहुंचे हजारों हजारों की संख्या में लोग खीर, पुड़ी इत्यादि व्यंजनों के साथ प्रसाद ग्रहण किये। सारी प्रक्रिया प्रतिमाह अमावस्या तिथि को चलता है।

ज्ञात हो कि शक्तिपीठ बनाने के उद्देश्य से आचार्य एवं कमिटी द्वारा 108 अमावस्या को भव्य विधिवत पूजा अर्चना करने का निर्णय लिया गया है। सोमवार की रात्रि 38वीं अमावस्या पर पूजा अर्चना संपन्न हुआ। जैसे-जैसे समय नजदीक होते जा रहा है वैसे वैसे कार्यक्रम परिवर्तित होते जा रहा है। इस मौके पर उपस्थित कमिटी के अमिताभ कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, अरुण सिंह पहलवान, विनोद सिंह नवानगर, दिव्यांश कुमार, रामेश्वर सिंह, करिया सिंह, बिहारी सिंह, लल्लू सिंह, मुटूर सिंह, मिथिलेश सिंह, प्रिंस सिंह आदि ने बताया कि इस बार ग्रामीण के लोगों को भंडारे में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करना अनिवार्य है। लोगों ने बताया कि प्रयास है कि अगले अमावस्या से प्रतिमाह पाठ प्रारंभ से पहले शाम 6 बजे से 9 बजे रात्रि तक सुश्री किशोरी प्रज्ञा पांडेय द्वारा श्रद्धालु श्रोताओं के बीच श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा।

## गीता थाना क्षेत्र के खेसरहिया गांव में मंगलवार की सुबह घटी घटना

# आरा में आम तोड़ने के विवाद में युवक की पीट-पीटकर हत्या

♦ इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में तोड़ा दम

केटी न्यूज/आरा

जिले के गीधा थाना क्षेत्र के खेसरहिया गांव में आम तोड़ने के विवाद को लेकर बिजली मिस्त्री की की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। परिजन द्वारा लाठी डंडे एवं लात-घुसो से पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। घटना को लेकर गांव एवं आसपास की इलाके में सनसनी फैल गई है। उधर घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटना स्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार मृतक गीधा थाना क्षेत्र के खेसरहिया गांव निवासी स्व.शहीद का 42 वर्षीय पुत्र मो.कैंसर अली है एवं पेशे से बिजली मिस्त्री था। इधर मृतक के चचेरे भाई मो.शाकिर अली ने बताया कि 50 वर्ष से 10 कट्ठा का बगीचा उन लोगों द्वारा खरीदा गया था लेकिन एक वर्ष से जबरन उनके पड़ोसी अनवर अली द्वारा कहा जाता है कि बगीचा उन्होंने खरीदा है। जिसे लेकर एक साल से उन लोगों के बीच विवाद चला आ रहा है। मंगलवार की सुबह जब उसके चचेरे भाई मो.कैसर अली एवं उसी बगीचे में जाकर आम के पेड़ से आम तोड़ रहे थे। तभी अनवर अली अपने बेटों एवं भाई के साथ लाठी-डंडे के साथ वहां आ गए और आम तोड़ने से मना करने लगे।

इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच नोकझोक हुई। इसके बाद पड़ोसी अनवर अली द्वारा अपने बेटे व भाइयों के साथ मिलकर लाठी-डंडे एवं लात-घुसो से पीट-पीटकर उसे अधमरा कर दिया। जिसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजन द्वारा इसकी सूचना गीधा थाना पुलिस को दी गई।

सूचना पाकर गीधा थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। वहीं दूसरी तरफ मृतक के चचेरे भाई मो. शाकिर अली ने गांव के पड़ोसी अनवर अली, उसके बेटे इरफान,जैनुल, एजाज एवं शाहनवाज पर बगीचे से आम तोड़ने के विवाद को लेकर लाठी-डंडे एवं लात-घुसो से पीट-पीटकर अपने चचेरे भाई मो.कैसर अली की हत्या करने का आरोप लगाया है। वहीं पीड़ित पक्ष ने नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है। इधर गीधा थानाध्यक्ष उमूस सलमा ने बताया कि आम तोड़ने के विवाद को लेकर मारपीट हुई थी। जिसमें मो.कैंसर अली की मौत हो गई है। सभी आरोपी घर से फरार हैं एवं उनकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। इसके लिए एक टीम गठित की गई है। ताकि मामले का त्वरित निष्पादन हो सके। वही उन्होंने बताया कि आरोपी पक्ष की एक महिला को हिरासत लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व दो बहन में छोटा था।

उसके परिवार में पत्नी सबीहा परवीन व दो पुत्री सादिया अली एवं सामिया अली है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी सबीहा परवीन एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## पूर्व सैनिक कल्याण संघ ने जिला सैनिक अधिकारी का किया स्वागत

**तिलौथू।** पूर्व सैनिक कल्याण संघ डेहरी रोहतास ने मंगलवार को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में कर्नल एके सिन्हा नए प्रभारी के रूप में कार्यभार संभालने पर उनका भव्य स्वागत किया। संघ के अध्यक्ष आर.के. सिंह और कार्यकारिणी के पदाधिकारियों तथा सदस्यों ने बुके और माला पहनाकर कर्नल सिन्हा का अभिनंदन किया। इस अवसर पर संघ ने कर्नल सिन्हा के साथ कार्यालय के स्थायीकरण, सैनिक आराम घर और सीएसडी कैंटीन की व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। कर्नल सिन्हा ने संघ को आश्वस्त किया कि इन सभी प्रस्तावों को तैयार कर, उनकी मंजूरी लेकर, कम से कम समय में व्यवस्थित किया जाएगा। अवसर पर पूर्व सूबेदार आरएस सिंह, पूर्व नायब सूबेदार संतोष सिंह, पेटी ऑफिसर एसपी सिंह, एयर फोर्स ऑफिसर दीपक मिश्रा, केके सिंह, जीडी सिंह तथा अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित थे।

# पीएम जनसभा रैली स्थल का उपमुख्यमंत्री ने फिर किया निरीक्षण, दिए कई दिशा निर्देश

♦ बैठक में सुरक्षा, यातायात, भीड़,नियंत्रण, पेयजल,स्वास्थ्य सुविधा और वीआईपी मूवमेंट जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 मई को दुगार्डीह बिक्रमगंज में प्रस्तावित जनसभा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं । मंगलवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हवाई मार्ग से कार्यक्रम स्थल पहुंचे और पूरी व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया । हैलीपैड पर उतरते ही उनका स्वागत प्रदेश, शाहाबाद, जिला एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा भव्य तरीके से किया गया । इसके बाद उनका काफिला सीधे मंच स्थल की ओर रवाना हुआ,जहां उन्होंने मंच और आसपास की व्यवस्थाओं का मुआयना किया। निरीक्षण के बाद उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की। जिसमें उन्होंने कार्यक्रम की सफलता हेतु प्रशासनिक और संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में सुरक्षा, यातायात, भीड़, नियंत्रण, पेयजल,स्वास्थ्य सुविधा और वीआईपी मूवमेंट जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री संजय सरावगी,पूर्व विधायक राजेश्वर राज, भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष पटेल,कुश पांडेय,रविकांत मिश्रा समेत पार्टी व प्रशासन के कई प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को ऐतिहासिक और पूरी तरह सफल बनाने में कोई कोर-कसर न छोड़ी जाय। उन्होंने कहा कि जनता की सहभागिता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। ताकि कार्यक्रम बेहतर तरीके से संपन्न हो सके।

# पीएम मोदी ने उजड़े सुहागों का बदला पाकिस्तानी आतंकियों के खून से लिया: पूर्व मंत्री राधामोहन

♦ 75 वर्षो में पहली बार बिक्रमगंज को पीएम देंगे बड़ी सौगात

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार 30 मई को पीएम काराकाट विधानसभा क्षेत्र के बिक्रमगंज के दुगार्डीह में महा जनसभा रैली को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर मंगलवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सह सांसद भाजपा के राधा मोहन सिंह ने स्थानीय बिक्रमगंज शहर के वीर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर के सभागार में एक विशेष बैठक कार्यकताओं के साथ की। अवसर पर भाजपा के सैकड़ों कार्यकताओं ने काराकाट भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन के नेतृत्व में भारत माता की जयघोष और पीएम नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारों के साथ मुख्य अतिथि राधा मोहन सिंह का फूला माला,बुके के साथ भव्य स्वागत किया। अवसर पर डॉ. मनीष ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री राधा मोहन का सभागार में अंगवस्त्र भेंट कर जोरदार अभिनंदन किया। सांसद ने सभागार को संबोधित करते हुए उपस्थित भाजपा कार्यकर्ता से बारी-बारी से पीएम के आगमन तैयारी के प्रारूप पर चर्चा किया। साथ ही उन्होंने बिक्रमगंज के दुगार्डीह में कार्यक्रम के भव्य तैयारी को लेकर कार्यकताओं को मुख्य तैयारी तहत विशेष टिप्स दिया। वही 75 वर्षों में पहली बार पीएम का काराकाट बिक्रमगंज दौरा है। अवसर पर वह 48 हजार करोड़ की योजनाओं शिलान्यास-उद्घाटन करते हुए रोहतास ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे जो पटना समेत तीन जिलों से गुजरेगा। जिसका पीएम द्वारा 30 मई को करीब 7 लाख प्रशासकों से भरी जनसभा रैली अंतर्गत शिलान्यास कर रोहतास में सौगात की घोषणा करेंगे।

## माई-बहिन मान योजना कल्याणकारी पहल : श्वेता सिंह

**आरा।** भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से पार्टी कार्यालय शहीद भवन आरा में मनाई गई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अशोक राम ने की। कांग्रेसियों ने पंडित नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर पहुंचीं बोकारो (झारखंड) की विधायक श्वेता सिंह ने बताया कि बिहार में महागठबंधन सरकार की ओर से शुरू की गई "माई बहन मान योजना" एक ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी पहल है, जिसका उद्देश्य प्रदेश की हर जरूरतमंद बहनों और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत राज्य की पात्र महिलाओं को प्रत्येक माह 2500 की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

## खबरें फटाफट

### 15 केंद्रों पर बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा आज, तैयारी पूरी

**सासाराम।** बीएड कॉलेजों में नामांकन के लिए बुधवार को संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा को लेकर सभी तरह की प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई है। केंद्रों पर मंगलवार को सीट प्लानिंग को अंतिम रूप दिया गया। बता दें कि दो वर्षीय बीएड कोर्स सत्र 2025-27 में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा भोजपुर में 15 केंद्रों पर होगी। इन केंद्रों पर 6870 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें 4241 छात्राएं और 2629 छात्र परीक्षार्थी हैं। सभी केंद्रों पर विवि आब्जर्वर के अलावा मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। छात्र-छात्राओं के लिए अलग अलग केंद्र बनाए गये हैं।

### वाद-विवाद प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

**आरा।** डीएम तनय सुलतानिया के निर्देशानुसार विद्या भवन सभागार, आरा में उर्दू विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, नोडल पदाधिकारी, निदेशक डीआरडीए, निदेशक मनरेगा तथा सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उर्दू भाषा का प्रचार-प्रसार करना, युवाओं में उर्दू के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

# प्रबंधक कमेटी के जत्थेदार सर्वजीत सिंघ खालसा एडवोकेट पर शरारतियों का हमला

केटी न्यूज/सासाराम

ऐतिहासिक गुरुद्वारा चाचा फगुमल साहिब जी सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के जत्थेदार सर्वजीत सिंघ खालसा एडवोकेट पर शरारतियों द्वारा हमला ऐतिहासिक गुरुद्वारा चाचा फगुमल साहिब का शहर के विभिन्न स्थानों पर से जो जमीन वर्तमान प्रबंधक कमेटी ने छोड़ा कर अतिक्रमण मुक्त कराया एवं साध संगत तथा प्रशासन के द्वारा करोड़ों रुपए के विकास कार्य को किया गया जो आज तक के इतिहास में कभी नहीं हुआ था तब से कुछ असामाजिक तत्वों की निगाहें इन जमीनों पर लगा हुआ है लेकिन सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने संगत हित में एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए गुरुद्वारा चाचा फगुमल साहिब जी को सिक्ख धर्म की सर्वोच्च संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर साहिब जी देने का लिया वैशाखी वाले दिन सर्व साध संगत (हजारों नानक नाम लेवा)की मौजूदगी महान कार्य संपन्न हुआ शिरोमणि के द्वारा प्रबंधक कमेटी ने भी एक कदम बढ़ाते हुए बिहार राज्य के सिख धर्म प्रचार यूनिट (सिक्ख मिशन)को यहां खोलने की घोषणा कि तब से कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर गन्दे -गन्दे झूठे झूठे आरोप प्रत्यारोप लगाकर गुरुद्वारा साहिब के महान इतिहास को धूमिल करने एवं कमेटी के सदस्य सेवादारो के साथ मार पिट गाली गलौज कर रहे हैं। इसके लिखित शिकायत नगर थाना को किया गया तथा स्थिति के नाजुक्ता को देखते हुए डीएसपी महोदय अपने पूरे टीम के साथ गुरुद्वारा साहिब आए और आस्वत किया कि किसी प्रकार की कोई घटना नहीं होने दी जाएगी लेकिन दूर्भाग्य रहा की जत्थेदार सर्वजीत सिंघ खालसा एडवोकेट को मोनू सिंह अपने साथियों के साथ सरेआम रोड पर घेरने का काम किया था जो सफल नहीं रहा।

## हल्की बारिश होते ही सासाराम नगर निगम की खुली पोल, सड़कों पर पानी

केटी न्यूज/सासाराम

सासाराम मानसून की अभी झलक शुरू होते ही सासाराम नगर निगम की पोल खुल गई। नगर निगम सासाराम के इलाके में महज कुछ देर बारिश होते ही कोई ऐसा मोहल्ला नहीं रहा जहां पानी न भरा हो। जिसके आम लोगों को मुश्किल भरी परेशानी का सामना करना पड़ गया। लोगों के घर में गंदे नाली का पानी तक घरों चला गया।

ऐसे में सासाराम नगर निगम का सफाई कैसे मान जाए अगर सफाई होती है तो धरातल पर दिखती जरूर। लोगों द्वारा बार बार नगर निगम से शिकायत करने के बाद भी काम में लापरवाही है। कुछ वार्ड पार्षदों का कहना है की कॉपी कलम पर विकास के नाम पर भ्रष्टाचार हो रही हैं। जो कहीं न कहीं जनता के साथ विकास काम के नाम पर धोखा है। अगर काम होता तो शहर में पानी जाम की समस्या नहीं रहती। यदि वक्त रहते अगर सासाराम नगर आयुक्त संज्ञान ले लेते हैं। शहर के लोग आंदोलन के मूड में सड़क पर उतरने को विवश हो जायेंगे। वहीं दूसरी ओर करोड़ों रुपये खर्च के बाद भी अधिकारी चुप्पी साधे हुए है।

## कटाव निरोधक कार्य व दामोदरपुर बांध का किया निरीक्षण

**आरा।** बाढ़ पूर्व तैयारी के तहत अनुमंडल पदाधिकारी जगदीशपुर ने शाहपुर प्रखंड के जवाइनिया में चल रहे कटाव निरोधक कार्य तथा दामोदरपुर बांध की मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। इसके साथ ही क्षेत्र के सभी संवेदनशील स्थलों का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया तथा बाढ़ से पूर्व सभी एहतियाती उपायों को समय पर पूरा करने पर बल दिया। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा स्थानीय स्तर पर समन्वय बनाये रखने को कहा। इस अवसर पर बाढ़ प्रमंडल बक्सर के कार्यपालक अभियंता सहित अन्य उपस्थित थे।

## पोते को गोद में लेकर लालू बोले- गर्व का क्षण

# तेजस्वी फिर पिता बने, तेजप्रताप ने दी बधाई

केटी न्यूज/पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव फिर पापा बन गए हैं। उन्होंने मंगलवार सुबह बेटे के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की है। तेजस्वी ने बेटे की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'आखिरकार इंतजार खत्म हुआ। घर में छोटे बच्चे के आने से बहुत खुश हूं। जय हनुमान। वहीं, पोते को गोद में लेकर लालू यादव ने इसे गर्व का झण बताया। उन्होंने लिखा- पोते का हमारी फैमिली में स्वागत है। बुआ रोहिणी ने लिखा है कि जूनियर टुट्टू को ढेर सारा प्यार। हॉस्पिटल का एक 24 सेकेंड का वीडियो सामने आया है, जिसमें वीडियो कॉल पर तेजस्वी यादव अपने पिता लालू यादव से कह रहे हैं कि पापा, बेटा हुआ है, आपका पोता हुआ है। लालू ने पोते गोद में लेकर फोटो शेयर करते हुए लिखा है- गर्व का क्षण। राबड़ी भी पोते को आशीर्वाद देते दिखाई दे रही हैं। वहीं, बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने भी तेजस्वी यादव को बेटे के जन्म पर बधाई दी है। लालू परिवार की छोटी बहू राजश्री कोलकाता के अस्पताल में भर्ती हैं। 26 मई को लालू-राबड़ी बहू से मिलने कोलकाता के लिए निकले थे।

**तेजप्रताप ने लिखा- भाई और राजश्री को बधाई :** तेजप्रताप ने पर लिखा कि श्रीबांके बिहारीजी के असीम कृपा और आशीर्वाद से पुत्र रत्न की प्राप्ति पर मुझे बड़े पापा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। छोटे भाई तेजस्वी प्रसाद यादव और राजश्री यादव को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। भतीजे को मेरा स्नेहिल आशीर्वाद और प्यार। बता दें तेजप्रताप की अनुष्का यादव के साथ फोटो वीडियो सामने आने के बाद लालू ने उन्हें परिवार और पार्टी से 6 साल के लिए निकाल दिया है।ममता बनर्जी ने लालू परिवार से मिलकर बधाई दी। तेजस्वी यादव ने कहा कि आज परिवार में एक नए सदस्य आए हैं। पूरे बिहार और देश का प्यार मिल रहा है। जिन्होंने बधाई दी हैं, उनका धन्यवाद देना चाहता हूं। विशेष रूप से दीदी (ममता बनर्जी) को धन्यवाद देते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लालू परिवार से मुलाकात कर बधाई दी। ममता बनर्जी ने कहा- 'तेजस्वी के बाद लालू परिवार में पहला बेटा हुआ है। शुभकामना देने आई थी। तेजस्वी ने मुझे मैसेज किया था, जिसके बाद मैंने उन्हें कहा मैं सुबह 6 बजे आऊंगी। लालू-राबड़ी दोनों से मुलाकात हुई है। बच्चा सुंदर है।

# भ्रष्टाचार संलिप्त अधिकारियों पर सरकार सख्त, डीसीएलआर को किया निलंबित, दो सीओ पर गिरी गाज

**केटी न्यूज/पटना**

सूबे की सरकार ने भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों पर पर नकेल कसा है। मुजफ्फरपुर पश्चिमी अनुमंडल के भूमि सुधार उपसमाहर्ता धीरेंद्र कुमार को निलंबित कर दिया गया है। वहीं दो सीओ पर गाज गिरी है। साथ ही शिक्षा विभाग के एक सहायक को निगरानी विभाग ने घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा है। मिली जानकारी के मधुबनी के जयनगर अंचल के अंचल निरीक्षक को 3 लाख रुपये रिश्वत लेते एवं सासाराम सदर अंचल के डाटा इंट्री ऑपरेटर की 1.10 लाख रुपये घूस लेते हुई गिरफ्तारी को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने गंभीरता से लिया है। जमीन के दाखिल-खारिज के मामलों को लेकर मधुबनी-सासाराम में कर्मियों द्वारा की गई सौदेबाजी के बाद हुई गिरफ्तारी के उपरांत दोनों जगह के अंचलाधिकारी पर गाज गिरी है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सासाराम सदर के अंचल अधिकारी सुधीर कुमार ओंकारा और जयनगर की

अंचल अधिकारी कुमारी सुजाता को पटना मुख्यालय में प्रतिनियुक्त कर दिया गया है। दोनों जिलों के जिला समाहर्त्ता को दोनों अधिकारियों की जगह दूसरे अधिकारी की प्रतिनियुक्ति का आदेश दिया गया है।

शनिवार 24 मई को सासाराम सदर अंचल के डाटा इंट्री ऑपरेटर को पटना की निगरानी विभाग की टीम ने 1.10 लाख रुपये रिश्वत लेते पकड़ा था। वहीं, मधुबनी के जयनगर में अंचल निरीक्षक अजय मंडल को पटना निगरानी की टीम ने 3 लाख रुपये घूस लेते गिरफ्तार किया था। जयनगर के सर्किल इंस्पेक्टर अजय मंडल ने दो कट्ठा जमीन की दाखिल-खारिज के लिए भूमि मालिक से बीस लाख रुपये घूस की मांग की थी। निगरानी डीएसपी सुजीत सागर ने बताया था कि इसमें अकेले सीआई नहीं है। राजस्व कर्मचारी और अधिकारी भी शामिल हैं, जिसकी जांच की जा रही है। वहीं सासाराम सदर अंचल कार्यालय में कार्यरत डाटा ऑपरेटर आकाश कुमार दास को निगरानी की टीम ने एक लाख 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। सासाराम के प्रतापगढ़ के युवक पंकज कुमार ने निगरानी को सूचना दी थी कि एक दाखिल-खारिज के मामले में डीसीएलआर के आदेश के बावजूद सासाराम के अंचल अधिकारी दाखिल-खारिज नहीं कर रहे थे। उसके बदले एक लाख 10 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही थी।

## मुजफ्फरपुर पश्चिमी अनुमंडल के डीसीएलआर निलंबित

बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। डीसीएलआर पर कार्यों में शिथिलता बरतने के आरोप लगा है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने 15 मई 2025 को सामान्य प्रशासन विभाग को रिपोर्ट किया था। जिसमें आरोप था कि मुजफ्फरपुर पश्चिमी अनुमंडल के भूमि सुधार उपसमाहर्ता धीरेंद्र कुमार राजस्व कार्यो के निष्पादन में अत्यंत शिथिलता बरत रहे है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग एवं मुख्य सचिव के स्तर से निर्देश देने के बाद भी उनके क्रियाकलाप में सुधार नहीं हुआ है। सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि धीरेंद्र कुमार भूमि सुधार उप समाहर्ता का यह आचरण वरीय पदाधिकारी के कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही है। ऐसे महीने तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय आयुक्त कार्यालय पटना निर्धारित किया जाता है।

## जहानाबाद में जिला शिक्षा पदाधिकारी का सहायक 50 हजार घूस लेते गिरफ्तार

शिक्षा विभाग के अधिकारी बच्चों की पढ़ाई से अधिक रिश्वत कमाने के लिए मेहनत कर रहे। आज विशेष निगरानी इकाई ने एक रिश्वतखोर सरकारी सेवक को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जहानाबाद जिला शिक्षा पदाधिकारी के सहायक को पचास हजार रू रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। विशेष निगरानी इकाई ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सहायक, जिला शिक्षा पदाधिकारी जहानाबाद, लक्ष्मण यादव को अपनी गिरफ्त में लिया है। सहायक, जिला शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव शिक्षा विभाग के कर्मचारी कौशल किशोर से पचास हजार की रिश्वत मांग रहे थे। परिवादी कौशल किशोर ने विशेष निगरानी इकाई में यह शिकायत दर्ज कराई थी। विशेष निगरानी इकाई की तरफ से बताया गया है कि आरोपी ने रिश्वत की राशि वेतन जीपीएफ और पेंशन स्वीकृत करने के लिए ले रहा था।

### युवकों के ससुराल से अपने घर डेहरी ऑन सोन लौटने के दौरान हुई घटना

# रोहतास में बेलगाम स्कॉर्पियो ने बाइक को मारी टक्कर, दो की मौत

♦ आमने-सामने की जोरदार टक्कर में बाइक सवार दोनों युवक घटनास्थल पर ही दम तोड़ बैठे

**केटी न्यूज/रोहतास**

रोहतास जिले के इंद्रपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत जेम्स हॉस्पिटल के समीप सोमवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान औरंगाबाद जिले के रेरिया गांव निवासी मनीष यादव (30 वर्ष) और रोहतास के राजपुर थाना क्षेत्र के दयालगंज गांव निवासी सुमित यादव (32 वर्ष) के रूप में की गई है। तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों वाहनों की रफ्तार काफी तेज थी। आमने-सामने की जोरदार टक्कर में बाइक सवार दोनों युवक घटनास्थल पर ही दम तोड़ बैठे। बताया जा रहा है कि दोनों मृतक आपस में साढू थे और अपने ससुराल से डेहरी ऑन सोन लौट रहे थे।

**हादसे के बाद स्कॉर्पियो लेकर फरार हुआ चालक :** घटना के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों युवक रात में अपने ससुराल से खाना खाकर निकले थे। इसी दौरान जेम्स हॉस्पिटल के पास अज्ञात स्कॉर्पियो वाहन से उनकी टक्कर हो गई। घटनास्थल पर स्कॉर्पियो के कई टूटे हुए पार्ट्स भी बरामद किए गए हैं।

**पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा:** सूचना मिलते ही इंद्रपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। एक ही हादसे में दो साढूओं की मौत से उनके परिवारों में कोहराम मच गया है। वहीं, इस दर्दनाक दुर्घटना से क्षेत्र में भी शोक की लहर दौड़ गई है।

## अररिया में नहर में डूबने से 2 चचेरे भाइयों की मौत

**अररिया।** अररिया में दो चचेरे भाइयों की नहर में डूबने से मौत हो गई। घटना बौसी थाना क्षेत्र के नंदनपुर पंचायत के वार्ड संख्या-12 स्थित कुम्हरा गांव की है। मृतक बच्चों की पहचान अनुरुद्ध मंडल के बेटे सावन कुमार(7) और मुकेश मंडल के बेटे आकाश कुमार(8) के रूप में हुई है। मंगलवार दोपहर दोनों बच्चे मकई के खेत की ओर गए थे। शाम करीब 5 बजे मंगल धार से लौट रहे ग्रामीणों ने नहर में एक बच्चे का शव को उपलाते देखा। उसे तुरंत बाहर निकाला गया। इसकी सूचना गांव में दी गई। परिजन और ग्रामीण दूसरे बच्चे की तलाश में जुट गए। काफी प्रयास के बाद दूसरे बच्चे का शव भी नहर से निकाला गया। परिजन ने बताया कि दोनों बच्चे चचेरे भाई थे बौसी थानाध्यक्ष विकास पासवान ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

## जनता सोच-समझकर देगी वोट : पीके

**सीवान।** जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बिहार बदलाव यात्रा के तहत सिवान के ज़िरादेई प्रखंड में जनसभा को संबोधित किया। जनसभा के बाद प्रशांत किशोर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बड़ा दावा करते हुए कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में वर्तमान विधायकों में से दो- तिहाई विधायक अपनी सीट गंवाने वाले हैं, चाहे वो किसी भी पार्टी के हों। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता भ्रष्टाचार से परेशान है, उन्हें पता है कि उनके विधायकों ने उनके लिए कुछ नहीं किया है। बिहार की जनता अब बदलाव के मूड में है।

# बिहार को 50 हजार करोड़ के विकास योजनाओं की सौगात देंगे पीएम : सम्राट

**केटी न्यूज/पटना**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 और 30 मई को बिहार दौरे पर आने वाले हैं। इस दौरान वे राज्य को करीब 50 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी विक्रमगंज और पटना में कई अहम योजनाओं की शुरुआत करेंगे और कुछ का उद्घाटन भी करेंगे। इन योजनाओं में हवाई अड्डे, सड़कें, रेलवे और बिजली परियोजनाएं शामिल हैं, जिनसे राज्य का विकास तेजी से आगे बढ़ेगा। इस दौरे को लेकर सम्राट चौधरी ने खुद पटना एयरपोर्ट और विक्रमगंज जाकर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा, साफ-सफाई, पीने के पानी, एम्बुलेंस और दमकल की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि कोई कमी न रहे। पीएम मोदी इस दौरान बिक्रमगंज में बिहटा

एयरपोर्ट के विस्तार कार्य की आधारशिला रखेंगे। इसके साथ ही पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन भी करेंगे। यह टर्मिनल 65 हजार वर्ग मीटर में फैला होगा और इसके चालू हो जाने के बाद यहां से उड़ानों की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा हो सकती है। अभी जहां से हर दिन 34 उड़ानें होती हैं, वहां आगे चलकर यह संख्या 75 तक पहुंच सकती है। यात्री क्षमता भी 25 लाख से बढ़कर 1 करोड़ सालाना हो जाएगी।इनके अलावा प्रधानमंत्री मोदी कई और बड़ी परियोजनाओं की शुरूआत और उद्घाटन करेंगे। इनमें पटना-गया-डोभी फोरलेन सड़क, एनएच-319बी पर छह लेन का हाइवे, सोननगर से मुहम्मदगंज तक तीसरी रेल लाइन, गोपालगंज में सड़क सुधार, जहानाबाद में नवोदय विद्यालय के लिए छात्रावास और स्टाफ क्वार्टर का निर्माण जैसी योजनाएं शामिल हैं। पटना के हार्डिंग पार्क में पांच नए रेलवे प्लेटफॉर्म भी बनेंगे, जिससे स्टेशन की क्षमता और सुविधाएं बेहतर होंगी। इसके अलावा गंगा नदी पर बक्सर से भरौली के बीच पुल का निर्माण भी कराया जाएगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की ये योजनाएं बिहार के विकास में एक नया अध्याय जोड़ेंगी।

## मुजफ्फरपुर में जेडीयू नेता के घर में भीषण चोरी

**मुजफ्फरपुर।** जिले में एक बार फिर से चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। इस बार चोरों ने जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश सचिव कुमारेश्वर के घर को निशाना बनाया है। घटना ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत संजय सिनेमा बटलर रोड स्थित एक फ्लैट में घटी, जहां बीती रात अज्ञात चोरों ने करीब 10 लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर ली। जेडीयू नेता कुमारेश्वर के अनुसार, रात लगभग 12 बजे वे और उनकी पत्नी भोजन के बाद अपने शयनकक्ष में सोने चले गए थे। सुबह जब उठे तो देखा कि घर का एक कमरा बाहर से बंद है और दरवाजे के नीचे कपड़ा ठूंसा हुआ है। शक होने पर वे पीछे गली में गए तो देखा कि उस कमरे की खिड़की की ग्रिल काटकर बाहर फेंक दी गई है। कमरे का दरवाजा खोला गया तो पाया गया कि अंदर रखी एक अलमारी और ट्रंक को तोड़कर उसमें रखे लगभग 75 ग्राम सोने की ज्वेलरी, कई बनारसी साड़ियां, नए कपड़े और महत्वपूर्ण दस्तावेज लेकर चोर फरार हो चुके हैं।

### मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा की अध्यक्षता में गजेटियर-कम-एटलस ऑफ वाटर पर हुई चर्चा

# जल संरक्षण व बाढ़ प्रबंधन के लिए उपयोगी है वाटर एटलस

**केटी न्यूज/पटना**

मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा की अध्यक्षता में मंगलवार, 27 मई 2025 को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजस्व विभाग द्वारा प्रकाशित गजेटियर-कम-एटलस ऑफ वाटर बॉडीज की उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, पूर्णिया और कोसी प्रमंडल के अंतर्गत आने वाले जिलों पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज, सहरसा, सुपौल और मधेपुरा के जिला गजेटियरों की पांडुलिपियों के निर्माण की योजना पर भी विचार किया गया। बैठक में राजस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने जानकारी दी कि विभाग ने हाल ही में पटना और दरभंगा जिलों के गजेटियर का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर

लिया है। अब शेष सात जिलों के गजेटियरों के निर्माण के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट, नई दिल्ली का सहयोग लिया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि जिला गजेटियर किसी भी जिले की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्थिति को जानने का एक महत्वपूर्ण स्रोत होता है। इसी उद्देश्य से राज्य स्तर पर एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है, जिसमें इतिहास, पर्यावरण, पुरातत्व, भूगोल सहित विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों को शामिल किया गया है।न्होंने सभी जिलों के डीएम से अनुरोध किया कि वे जिला स्तर पर भी ऐसी ही सलाहकार समितियों का गठन करें। जिससे जिलों के गजेटियरों के निर्माण में स्थानीय जानकारी जुटाने में सहायता मिले। इसके लिए विभाग द्वारा विशेषज्ञों की टीमें इन जिलों में भेजी जाएंगी जो संबंधित अधिकारियों, शिक्षाविदों, पत्रकारों तथा स्थानीय जानकार लोगों से जानकारी एकत्र करेंगी। इस जानकारी की सत्यता और प्रमाणिकता सुनिश्चित करने के लिए सरकारी अभिलेखों से तथ्यों का संकलन किया जाएगा। विभाग का लक्ष्य है कि एक वर्ष के भीतर इन सातों जिलों के गजेटियरों का प्रकाशन कर लिया जाए। बैठक में यह भी बताया गया कि विभाग ने हाल ही में गजेटियर-कम-एटलस ऑफ वाटर बॉडीज नामक पुस्तक प्रकाशित की है। जिस पर वर्ष 2020 से कार्य चल रहा था। इस वाटर एटलस के माध्यम से राज्य में जल संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सकेगा। साथ ही यह आर्द्रभूमि संरक्षण विशेष रूप से बिहार की तीन रामसर साइट्सः कांवर झील (बेगूसराय), नागी झील (जमुई), और नकटी झील (जमुई) के संरक्षण तथा बाढ़ प्रबंधन में भी उपयोगी सिद्ध होगा।

## संक्षिप्त समाचार

### जामताड़ा में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस का छापा:50 बोतल बियर और 31 विदेशी शराब जब्त

**जामताड़ा, एजेंसी।** जामताड़ा जिले के दुलाडीह गांव में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की है। जामताड़ा थाना प्रभारी राजेश मंडल के नेतृत्व में की गई छापेमारी में विभिन्न ब्रांड की शराब और बियर जब्त की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव में अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने राजेश महतो के घर पर छापा मारा। कारोबारी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से 50 बोतल बियर और 31 पीस विभिन्न ब्रांड की विदेशी शराब बरामद की। थाना प्रभारी राजेश मंडल ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस जब्त शराब को कब्जे में ले लिया है। अब जांच की जा रही है कि शराब कहां से लाई गई। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन शामिल हैं। थाना प्रभारी मंडल ने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। इस छापेमारी से क्षेत्र में अवैध शराब बेचने वालों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ऐसी कार्रवाई जारी रखेगी ताकि अवैध शराब के कारोबार को समाप्त किया जा सके।

### धनबाद में अज्ञात वाहन ने मजदूर को कुचला:सड़क पर ही हो गई मौत, परिजनों ने की मुआवजे की मांग

**धनबाद, एजेंसी।** धनबाद के निरसा थाना क्षेत्र के आमडंगाल में एनएच-19 पर सोमवार देर रात एक मजदूर की मौत हो गई। रिलायंस पेट्रोल पंप के पास कोलकाता लेन पर अज्ञात वाहन ने 35 वर्षीय मनोज हांसदा को टक्कर मार दी। मनोज तेतुलिया स्थित कोयला भट्ठा में काम करता था। वह रात में स्नान के बाद अंडा खरीदने निकला था। सड़क पार करते समय तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मारी। वाहन उसे करीब 10 फीट तक घसीटता हुआ ले गया और फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण एनएच-19 की कोलकाता लेन पर पहुंच गए। उन्होंने शव को सड़क पर रखकर मुआवजे की मांग की। निरसा थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा ने पुलिस बल के साथ स्थिति को संभाला। मुआवजे के लिए समिति गठन के आश्वासन पर जाम हटा। ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइट नहीं होने से अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरों की जांच कर वाहन की पहचान करने की मांग की है। मनोज अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। वह अपनी वृद्ध मां सूरज मुनि हांसदा के साथ मामा रूपलाल सोरेन के घर में रहता था। उसका पैतृक गांव तालबेड़िया है। उसकी शादी की बातचीत चल रही थी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द मुआवजे और सड़क सुरक्षा के उपाय की मांग की है।

### रांची का शेखावत परिवार लेकर आया राज्य की पहली पुंगनूर गाय

**रांची, एजेंसी।** रांची का शेखावत परिवार कर्नाटक से पुंगनूर गाय लेकर आया है। परिवार उसे लक्ष्मी की तरह पूज रहा है। शेखावत परिवार कांके रोड के ब्रह्मचारी नगर में रहता है और घोड़े का व्यापार करता है। घोड़े बेचने के अलावा प्रचार-प्रसार में भी उनके घोड़े अहम भूमिका निभाते हैं। करीब 2 महीने पहले हैदराबाद से एक व्यापारी बिलाल शाह उनके यहां घोड़ा खरीदने आया था। बातचीत के दौरान उसने इन्हें बताया कि उन्हें घोड़े के बच्चे के बदले गाय का पुंगनूर बच्चा दिलवा सकता है। उनके परिवार में पिछले कुछ महीनों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास की पुंगनूर गाय और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पुंगनूर गाय देखकर गाय पालने का मन कर रहा था। बिलाल शाह के ऑफर पर वह तुरंत तैयार हो गए और एक सात महीने का मारवाड़ी प्रजाति नुकरा का 7 महीने का बच्चा स्कॉर्पियो से लेकर हैदराबाद पहुंच गए। बिलाल शाह उन्हें कर्नाटक के कन्नूर स्थित एक गोशाला ले गया ।उसे गोशाला से उन्होंने घोड़े के बच्चे के बदले पुंगनूर गाय मिल गई। उन्होंने बताया कि यह गए उनके लिए लक्ष्मी का वरदान साबित हुई है। अभी गाय को ले हुए सिर्फ दो महीने हुए हैं और उनके अस्तबल में घोड़े की संख्या 5 से बढ़कर 22 हो गई है। मूल रूप से राजपूत शेखावत अली उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के रहने वाले हैं और पिछले 20 वर्षों से रांची में रह रहे हैं। घोड़े बेचना और लोगों को घोड़े के बारे में जानकारी देना उनका मुख्य पेशा है। शेखावत अली जिस पुंगनूर प्रजाति की गाय लाए हैं, उसकी ऊंचाई मात्र 24 इंच और लंबाई 36 इंच है।

# रेवड़ी की तरह बांट दिए गए अल्ट्रासाउंड सेंटर के लाइसेंस

## नियमों की उड़ा रहे धज्जियां

रंका (गढ़वा), एजेंसी। झारखंड-छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित रंका प्रखंड के गोदरमाना बाजार में स्वास्थ्य सेवा के नाम पर स्वास्थ्य माफिया लोगों द्वारा निजी अस्पताल एवं नर्सिंग होम का संचालन मुख्य रूप से सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के विपरीत मनमर्जी तरीके से संचालित हो रही है।

गौरतलब है कि रंका प्रखंड के चुटिया पंचायत की आबादी तकरीबन छह हजार है। जिसके अंतर्गत कनहर नदी के किनारे पर बसा गोदरमाना गांव भी है। अंतर्राज्यीय सीमा पर अवस्थित होने से यहां सप्ताह से एक दिन रविवार को हाट बाजार लगता है। इसलिए थोड़ी चहल-पहल होती है मुख्य रूप से गोदरमाना बाजार की आबादी 2500 है। वहीं, कनहर नदी के दूसरे किनारे पर छत्तीसगढ़ राज्य का रामानुजगंज शहर है। जिसकी आबादी तकरीबन 22000 है।

तुलनात्मक दृष्टि कोण से देखें तो रामानुजगंज शहर में एक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और एक निजी अस्पताल संजीवनी हॉस्पिटल है। जहां दोनों संस्थानों को मिला कर तकरीबन साढ़े तीन सौ रोगियों का प्रतिदिन जांच एवं इलाज किया जाता है। जहां छत्तीसगढ़ सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा मात्र एक अल्ट्रासाउंड सेंटर चलाने की अनुमति दी गई है। वहीं, झारखंड के गोदरमाना बाजार में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक मात्र आयुष्मान आरोग्य केंद्र संचालित है। जिसमें दो नर्स और एक सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी कार्यरत हैं। साथ ही निजी स्तर पर चार अल्ट्रासाउंड सेंटर चलाने की अनुमति विभागीय स्तर पर दी

गई है। जहां 70 फीसदी से अधिक छत्तीसगढ़ के इलाकों से आए लोगों का इलाज के नाम पर जांच व अन्य कार्रवाई की जाती है।

पिछले बुधवार को लाडली सेवा सदन में गैर कानूनी तरीके से लिंग परीक्षण और भ्रूणहत्या की शिकायत की सूचना पर उपायुक्त, गढ़वा के निर्देश पर हुए छापामारी में अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड मशीन व अन्य उपकरण तथा आपत्तिजनक दवा बरामद किया गया था। साथ ही मौके से एक अज्ञात नवजात शिशु की बरामदगी के अलावा नर्सिंग होम संचालक पति-पत्नी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

जानकारों के अनुसार गोदरमाना बाजार में संचालित सभी अल्ट्रासाउंड सेंटर में समाज में गलत प्रवृत्ति के लोगों के दोष को छिपाने के लिए भ्रूणहत्या जैसा कुकृत्य धड़ल्ले से जारी है। जिसमें रंका, रमकंडा, भंडरिया एवं बड़गड़ प्रखंड के ग्रामीण इलाकों तथा छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज, चिनियां, रामचन्द्रपुर तथा बलरामपुर के इलाकों से लोगों को लाया जाता। जिसके लिए छत्तीसगढ़ के सभी इलाकों में दलाल किस्म एवं गोदरमाना इलाके में कुछ स्वास्थ्य सहिया एवं उनके परिवार के लोग पीड़ित परिवारों के लोगों को काफी सतर्कता पूर्वक लाते हैं।

जहां लिंग परीक्षण के लिए 10-15 हजार एवं भ्रूणहत्या हत्या के लिए 30-40 हजार रुपए तक की राशि वसूली जाती है। जानकारों के अनुसार यह खेल अक्सर काफी सतर्कता पूर्वक आधी रात के बाद अंजाम दिया जाता है। संबंधित अस्पताल में एमबीबीएस डाक्टर रेडियोलॉजी से पीजी किया हुआ होना चाहिए। मगर यहां बोर्ड पर सिर्फ संबंधित डॉक्टर का नाम लिखा होता है और अप्रशिक्षित लोगों द्वारा अल्ट्रासाउंड मशीन का संचालन किया जाता है। हालांकि, संबंधित क्षेत्र के अस्पतालों एवं नर्सिंग होम में सिविल सर्जन एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को औचक निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग किए जाने का निर्देश विभागीय स्तर पर है। मगर विभाग इसकी खानापूर्ति कर अपने कर्तव्य का इतिश्री कर लेता है। नतीजा है कि जांच कागजों तक सीमित होकर रह जाया करते हैं।

अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालन का लाइसेंस सिविल सर्जन के अनुशंसा पर उपायुक्त द्वारा जारी किया जाता है। मगर यह समझ से परे है कि गोदरमाना बाजार जैसे एक छोटे-से जगह में लाडली सेवा सदन, भारती अल्ट्रासाउंड सेंटर, रवि अल्ट्रासाउंड सेंटर तथा अयांश अल्ट्रासाउंड सेंटर एवं पलामू अल्ट्रासाउंड समेत पांच अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालन की अनुमति किस सोच के तहत जारी की गई है। हालांकि, पलामू अल्ट्रासाउंड सेंटर का संचालन तकरीबन छह माह पूर्व बंद कर दिया गया बताया जाता है। वहीं, हाल में ही लाडली सेवा सदन को प्रशासन ने सील कर दिया है।

## नक्सली सरेंडर करें या गोली खाकर गंवाएं जान, आईजी ने दे दी फाइनल वार्निंग

**महुआडांड़ (लातेहार), एजेंसी।** पलामू प्रक्षेत्र के आईजी सुनील भास्कर ने कहा कि नक्सली और समाज की मुख्यधारा से अलग हुए अन्य उग्रवादी सरकार की आत्मसमर्पण व पुर्नवास नीति का लाभ लेकर सरेंडर नहीं करेंगे तो वे गोली खाने के लिए तैयार रहें। आईजी सोमवार को महुआडांड़ अनुमंडल क्षेत्र के बांसकरचा पुलिस पिकेट में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के नेतृत्व में एक सुनियोजित तरीके से ऑपरेशन चलाया गया और पुलिस को यह सफलता हासिल हुई है। लातेहार एसपी की प्रशंसा करते हुए कहा कि लातेहार पुलिस ने हाल के दिनों में कई बड़ी सफलताएं हासिल की हैं।

डीआईजी वाईएस रमेश ने कहा कि गिरफ्तार किया गया नक्सली कुंदन पिछले 10-12 वर्षों से संगठन में था। उस पर कुल 27 मामले दर्ज हैं, जबकि मनीष यादव पर लातेहार, पलामू, गढ़वा व छत्तीसगढ़ के विभिन्न थाना में 40 मामले दर्ज हैं।

उन्होंने बताया कि दोनों साल 2013 में हुए कटिया मुठभेड़ में शामिल थे। इसमें पुलिस के दस जवान शहीद हो गए थे। इसके अलावा 2019 के चुनाव के समय चंदवा के लुकइया में पुलिस दल पर माओवादियों ने हमला किया था, इसमें चार पुलिस कर्मी शहीद हुए थे।

भंडरिया में 2018 में पुलिस कैंप में माओवादियों के द्वारा हमला किया गया था, उसमें छह जवान शहीद हो गए थे उस घटना में भी ये दोनों शामिल थे।

पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बताया कि लातेहार पुलिस लगातार नक्सल विरोधी अभियान चला रही है और एक योजना एवं रणनीति के तहत कार्य किया जा रहा है।

## आयुक्त उत्पाद बहाल नहीं हुए तो नीति लागू करने में होंगी मुश्किलें, शराब कारोबारी भी परेशान

**रांची, एजेंसी।** आयुक्त उत्पाद बहाल नहीं हुए तो राज्य की नई उत्पाद नीति एक जुलाई से प्रभावी तरीके से धरातल पर उतारने में मुश्किलें आएंगी। नीति को मूर्त रूप प्रदान करने से लेकर वित्तीय देखरेख से लेकर अभियान संचालन करवाने तक की जिम्मेदारी आयुक्त उत्पाद के अधीन है। वर्तमान में आयुक्त उत्पाद विजय कुमार सिन्हा पांच मई से ही अवकाश पर हैं, वे 15 जून से विभाग में मौजूद रहेंगे। महज 15 दिनों के भीतर लाटरी और दुकान आवंटन संभव नहीं है।

आयुक्त उत्पाद की अनुपस्थिति में उनका कार्य संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह उनका कार्य देख रहे थे, लेकिन 20 मई को भ्रष्टाचार के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने उन्हें जेल भेज दिया। महाप्रबंधक वित्त व अभियान का कार्य देख रहे सुधीर कुमार दास व पूर्व महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार भी जेल भेजे जा चुके हैं। ऐसी स्थिति में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग वरिष्ठ अधिकारियों की कमी झेल रहा है।

वर्तमान में विभाग के सचिव मनोज कुमार के अलावा तीन उप आयुक्त उत्पाद बचे हैं, जिनके अधीन न नई नीति संचालन है और न हीं किसी

तरह का वित्तीय लेन-देन आता है। इन तीन उप आयुक्तों में डॉ. राकेश कुमार, संजय मेहता व सुनील चौधरी शामिल हैं। आयुक्त उत्पाद के नहीं होने से झारखंड राज्य विबरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) में भुगतान के लिए 70 से अधिक शराब आपूर्ति कंपनियों के आवेदन लंबित पड़े हैं। विभाग में सभी तरह के भुगतान बंद हैं। ये कंपनियां भी बिना एनओसी के राज्य में शराब की आपूर्ति कर रही है।

एनओसी आयुक्त उत्पाद के स्तर से मिलता है। उन्हें 31 मार्च 2025 तक ही शराब आपूर्ति के लिए एनओसी था, उसके बाद के एनओसी को लेकर दिए हुए आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई और विभाग अधिकारी विहीन हो गया।

नई उत्पाद नीति को लागू कराने को लेकर विभागीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद भी प्रयासरत हैं। मंत्री जल्द ही वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कराने को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर अपनी बात रखेंगे, ताकि विभाग के लंबित कार्यों का निपटारा व नई नीति को लागू करवाकर विभाग को सुचारू करवाया जा सके।

## 1 महीने का बिल देख चकराया उपभोक्ता का माथा, भागे-भागे पहुंचा बिजली विभाग तो क्या बोले अधिकारी?

**रांची, एजेंसी।** शहर में बिजली विभाग की लापरवाही के कारण आम आदमी परेशान है। इस परेशानी को निपटाने के लिए विभाग की ओर से किए जा रहे सारे प्रयास विफल साबित हो रहे है। उपभोक्ता अपनी परेशानी लेकर इधर-उधर दौड़ लगा रहा है। यह हाल शहर के सैकड़ों उपभोक्ताओं के साथ है।

वहीं मोरहाबादी के हरिहर सिंह रोड में दो कमरे के घर में रहने वाले राजीव रंजन सिंह के घर में अचानक एक महीने में ही 81 हजार रुपये का बिजली बिल पहुंच गया। जिससे पूरा परिवार सदमा में है। इसे लेकर राजीव रंजन बिजली विभाग के कार्यालय के चक्कर काट चुके है। इसके बाद भी उनकी सुनने वाला कोई नहीं है। उन्हें बताया गया है कि उनका बकाया बैलेंस 81 हजार रुपये बता रहा है, जबकि राजीव रंजन ने बताया कि वे पुराने बिजली बिल का भुगतान नियमित रूप से करते आए है।

इसका उनके पास प्रमाण है। अब अधिक बिजली बिल आने से पूरा परिवार इस भारी-भरकम बिजली बिल को लेकर चिंतित है, आखिर वे कैसे इस बिजली बिल का भुगतान करेंगे यह सोच रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अगर बिजली जलाई होती तो इसका भुगतान किया जा सकता था, लेकिन बिना बिजली जलाए हुए, बिजली बिल का कैसे भुगतान करें। वहीं सिल्ली निवासी बिरसिंह महतो के बेटे राहुल महतो ने बताया कि उनके घर में पिछले दो वर्षों से बिजली बिल नहीं पहुंचा था, उन्हें लगा कि वे 200 यूनिट बिजली का लाभ मिल रहा है। लेकिन अब अचानक दो वर्षों के बाद 26,774 रुपये का बिजली बिल आने से पूरा परिवार सदमा में है।

वे आर्थिक रूप से काफी कमजोर है, इस बिजली बिल का वे कैसे भुगतान करेंगे, इसे लेकर वे काफी परेशान है।

उन्होंने कहा कि मीटर पिताजी के नाम से है। उपभोक्ता राजीव रंजन सिंह ने कहा कि अधिक बिजली बिल आने के बाद घर में हर कोई परेशान है। इसके सुधार के लिए दो सप्ताह से बिजली विभाग के कार्यालय के चक्कर काट रहा हूं। कोई सुनने वाला नहीं है।

वहीं, एक अन्य उपभोक्ता सिल्ली निवासी राहुल महतो ने कहा कि दो कमरे का घर है। दो पंखा, दो बल्ब और मोबाइल चार्ज होता है। हमें लगा कि सरकार की ओर से 200 यूनिट का लाभ मिल रहा है, लेकिन अचानक दो वर्षों बाद 26 हजार रुपये का बिल पहुंच गया है।

इस संबंध में पूछे जाने पर जेबीवीएनएल रांची जोन के महाप्रबंधक मनमोहन कुमार ने कहा कि अधिक बिजली बिल आने पर नजदीकी कार्यपालक अभियंता से सीधा संपर्क करें। अगर समाधान नहीं होता है तो वे सर्किल ऑफिस में आकर मिलें। साथ ही बिजली विभाग की ओर से जारी हेल्पलाइन नंबर पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है।

## 10 रुपए पहुंचा प्याज का थोक भाव, बारिश से आई नमी के कारण किसान सस्ते में बेच रहे

**रांची, एजेंसी।** प्याज के भाव में पिछले एक माह में 5 रुपए की और गिरावट आई है। इस समय पंडरा थोक मंडी में प्याज 10 रुपए से 14 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है। खुदरा बाजार में प्याज 16 से 20 रुपए किलो बेचा जा रहा है। थोक कारोबारी मदन साहू ने बताया कि नासिक, एमपी आदि उत्पादक राज्यों में इस वर्ष प्याज की फसल काफी अच्छी हुई है। वहीं, चतरा और पलामू से लोकल प्याज भी बाजार में आ रहा है। पंडरा थोक मंडी में प्रति दिन 15 गाड़ी प्याज की आवक हो रही है।

वहीं आलू के भाव स्थिर बने हुए हैं। सफेद आलू थोक मंडी में 13-14 रुपए और लाल आलू 17 से 18 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। बाजार में आलू की भी 15-16 बड़ी गाड़ी आलू की आवक हो रही है। डेली मार्केट के थोक विक्रेता सरफराज ने बताया कि पलामू, चतरा के लोकल प्याज की आवक इस समय बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि बेमौसम बारिश के कारण प्याज में नमी आ गई है। इस कारण वे इसे जल्द से जल्द बाजार में निकालना चाह रहे हैं और कम दाम में बेच रहे हैं। हालांकि बड़े उत्पादक मंडियों में प्याज के भंडारण की समुचित व्यवस्था रहती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र जैसे उत्पादक मंडियों में भी बारिश का असर दिख रहा है।

शहर के बाजारों में सभी हरी सब्जियां 15 से 20 रुपए किलो तक बिक रही है। ?भिंडी 15 से 20 रुपए, मिर्च 30 से 40 रुपए, बैंगन 15 से 20 रुपए, बोदी 10 से 20 रुपए किलो, हरी मिर्च 30 से 40 रुपए किलो बिक रही है। बेड़ो के किसान पवन कुमार ने बताया कि सभी सब्जियों को बारिश में फायदा हुआ है। उत्पादन अच्छा हो रहा है। खेत लहलहा रहे हैं।

# कोरोना को देखते हुए झारखंड में डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने दिए कई और निर्देश

**रांची, एजेंसी।** देशभर में एक बार फिर कोविड-19 के मामलों में तेजी देखी जा रही है। देशभर में अब तक कोरोना संक्रमण के 270 से ज्यादा नए मामले सामने आ चुके हैं। कोरोना के नए और बढ़ते मामलों में चिंता की बात ह्न्न1।8।1 और स्न्न।7 जैसे नए वैरिएंट का सामने आना है। जिसने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

पिछले दिनों बेंगलुरु में कोविड से पहली मौत की पुष्टि और रांची में एक कोरोना संक्रमित की पहचान के बाद झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने आज सदर अस्पताल में आपात बैठक की और कोरोना से निपटने की तैयारियों का

जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने राज्य के सभी सिविल सर्जन को अपने-अपने जिले के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, जहां एयरपोर्ट है वहां और हाट बाजार में कोरोना जांच कराने का निर्देश दिया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि कोरोना के संभावित खतरे को देखते हुए राज्य के सभी डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी की अध्यक्षता में रांची के सदर अस्पताल में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति को लेकर आपात बैठक हुई। इस बैठक के बाद डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि मिली जानकारी के अनुसार देश में कोरोना फिर से पैर पसार रहा है। ऐसे में आपके मंत्री भी डॉक्टर हैं, इसलिए स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था को सुधारने में लगा हुआ हूं। डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि कोरोना के जेएन वैरिएंट से ज्यादा डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन हम अलर्ट मोड में हैं। सभी सिविल सर्जन को अपने-अपने जिले में भीड़भाड़ वाले इलाकों में टेस्टिंग कराने का निर्देश दिया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मास्क पहनें और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचें। कॉल सेंटर का नंबर जारी कर दिया गया है और सभी डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। एयरपोर्ट पर डॉक्टरों की टीम तैनात करने और आने वाले सभी यात्रियों की जांच करवाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि अभी हम केंद्रीय दिशा-निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। डॉक्टरों की बहाली कैसे हो, इस पर भी हम गंभीर हैं। जहां भी ऑक्सीजन प्लांट खराब या निष्क्रिय है, उसे ठीक करवाने के लिए सभी सिविल सर्जन को आदेश दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस बार कोरोना का वैरिएंट उम्रदराज लोगों को ज्यादा प्रभावित कर रहा है। एनएचएम कर्मचारियों को तीन महीने से वेतन नहीं मिलने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि जिन्हें वेतन नहीं मिल पाया है, वे नौकरी छोड़ सकते हैं।

## घर जमाई बनकर रहता था हसबैंड, पति-पत्नी दोनों मूक-बाधिर, तनाव में रहने की आशंका

**कोडरमा, एजेंसी।** कोडरमा जिले के पुरनानगर मोहल्ले में सोमवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। 32 वर्षीय मूकबधिर युवक नवीन कुमार ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के वक्त उसकी पत्नी सविता कुमारी वट सावित्री व्रत के लिए बरगद की पूजा करने गई थी। पूजा कर जब वह घर लौटी तो पति की मौत की खबर से सदमे में चली गई। परिवारवालों ने बताया कि सुबह शौच के बाद नवीन ने घर में ताला लगाया और चाबी अपने ससुर नंदलाल प्रसाद को दे दी। जब काफी देर तक वह वापस नहीं लौटा तो परिवार को शक हुआ। खोजबीन के दौरान बेटी खुशबू कुमारी ने बताया कि घर की दूसरी चाबी भी अपनी जगह से गायब थी। फिर किसी तरह परिवार मुख्य दरवाजे से अंदर गया, तो देखा कि नवीन का कमरा अंदर से बंद था।घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची कोडरमा पुलिस ने कटर मशीन से दरवाजा तोड़ा। अंदर का माहौल देखकर सभी सन्न रह गए। नवीन का शव छत से फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। परिजनों ने बताया कि नवीन और उसकी पत्नी दोनों ही मूकबधिर थे। दोनों की शादी 2011 में सविता के पिता नंदलाल प्रसाद ने कराई थी।

जानकारी के मुताबिक नवीन के माता-पिता का बचपन में ही निधन हो गया था। इसके बाद मौसा-मौसी ने उसकी परवरिश की। शादी के बाद नंदलाल प्रसाद ने नवीन को अपना घर जमाई बना लिया था।

## सुभाषितम्

विजयी व्यक्ति स्वभाव से, बहिर्मुखी होता है। पराजय व्यक्ति को अन्तर्मुखी बनाती है। - प्रेमचंद

## हिन्दुस्तानी छात्रों से अमेरिका को अरबों की कमाई

अमेरिका में 11 लाख से ज्यादा विदेशी छात्र पढ़ाई करने के लिए जाते हैं। इसमें लगभग 60 फीसदी भारतीय छात्र होते हैं। इन छात्रों द्वारा लाखों रुपए की फीस अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को दी जाती है। विदेशी छात्रों की फीस से अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को लाखों करोड़ों रुपए प्रतिवर्ष की कमाई होती है। डोनाल्ड ट्रंप जब से अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने विदेशियों के बारे में जो राय बनाई है। उसके कारण अमेरिका का शैक्षणिक जगत समाप्त होने की कगार पर पहुंच रहा है। अमेरिका के शिक्षण संस्थानों के ऊपर डोनाल्ड ट्रंप की टेढ़ी नजर है। ट्रम्प के कारण अमेरिका को आगे चलकर बहुत बड़ा नुकसान होने वाला है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का सारी दुनिया में नाम है। यहां पर एडमिशन लेने के लिए दुनिया के सभी देशों से बच्चे यहां आकर पढ़ना चाहते हैं। ट्रंप प्रशासन ने विदेशी छात्रों के प्रवेश पर रोक लगा दी। हालांकि अमेरिका के न्यायालय ने ट्रंप के आदेश को रद्द कर दिया है, लेकिन यह खतरा अभी टला नहीं है। ट्रंप सरकार का रवैया विदेशियों के लिए बहुत आक्रामक और अपमानजनक है। ट्रंप के रूख और फैसलों को देखते हुए, अब सारी दुनिया के देशों से अमेरिका में पढ़ने के लिए जो छात्र आते थे। उनकी संख्या में इस साल भारी गिरावट आई है। हाल ही में ट्रंप प्रशासन द्वारा विदेशी छात्रों के साथ जिस तरह की प्रताड़ना की जा रही है। छात्रों को अनाप-शनाप आरोपों में अमेरिका से निष्कासित किया जा रहा है। उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया भारत सहित दुनिया के देशों में हुई है। ट्रंप सरकार का कहना है, अमेरिकी के विश्वविद्यालयों में यहूदी विरोधी नीतियां चलाई जा रही हैं। ट्रंप प्रशासन की इस कार्रवाई को अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी से जोड़कर भी देखा जा रहा है। अमेरिका में यह आजादी अब खत्म होती दिखने लगी है। अमेरिका में सबसे ज्यादा छात्र भारत से पढ़ने के लिए जाते हैं। अमेरिका की जितनी भी यूनिवर्सिटी हैं, वह भारतीय विदेशी छात्रों के बल पर चल रही हैं। कई विश्वविद्यालय में 24 फीसदी से लेकर 51 फीसदी तक विदेशी छात्र महंगी फीस देकर पढ़ रहे है। यह विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों के बल पर चल रहे हैं। अमेरिकी छात्रों की तुलना में विदेशी छात्रों से ज्यादा फीस वसूल की जाती है। पिछले 4 महीने में ट्रंप प्रशासन द्वारा जिस तरह से शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाया गया है। विदेशी छात्रों पर प्रताड़ना की कार्रवाई की जा रही है। उसको लेकर अमेरिका की साख दुनिया भर के देशों में अमेरिका के इतिहास में सबसे ज्यादा खराब हुई है। यदि यही हाल रहा तो अमेरिका के विश्वविद्यालय आर्थिक संकट के कारण स्वयं बंद हो जाएंगे। अमेरिकी सरकार ने विश्वविद्यालयों को मिलने वाले अनुदान में कटौती की है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय का तो पूरा अनुदान ही बंद कर दिया है। अमेरिका के सारे विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों के बल पर चल रहे थे। यदि विदेशी छात्र नहीं आएंगे, तो अमेरिका के शिक्षण संस्थान बंद होंगे। इसके साथ-साथ अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को लगभग 3.65 लाख करोड रुपए जो फीस के रूप में एकत्रित होते थे। इससे दो गुना ज्यादा राशि विदेशी छात्रों द्वारा अमेरिका में खर्च की जाती थी, अमेरिका को बड़ा आर्थिक नुकसान होना तय माना जा रहा है। अमेरिका इस समय सबसे बड़े कर्ज के दबाव से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ही हाथों से अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसे समय पर भारत में शिक्षण संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर बनाने के लिए भारत सरकार को स्वायता देने की जरूरत है। भारत में पढ़ाई और रिसर्च के लिये यदि अच्छे संस्थान विकसित किए जाते हैं। ऐसी दशा में भारतीय छात्रों को अमेरिका और यूरोप के देशों में इतनी बड़ी संख्या में पढ़ने के लिए नहीं जाना पड़ेगा। भारत के लिए एक अवसर है, अमेरिका में अभी जो चल रहा है, उसका लाभ भारत की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिये किया जाये। ताकि भारतीय बच्चों का शिक्षा के लिये विदेश जाना कम हो। इससे भारत को विदेशी मुद्रा की बचत होगी। वहीं भारतीय अर्थ- व्यवस्था बेहतर बनाया जा सकेगा।

## चिंतन-मनन

### मूर्तिकार का सपना

एक मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के नीचे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे तराशने लगा। वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ के नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने रास्ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा है। जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ -फोड़ कर देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने के बारे में सोचने लगा। उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल लेते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है।

# चेतावनी: बदलता मौसम, बिगड़ता संतुलन

-योगेश गोयल

24-25 मई की रात उत्तर भारत के लिए एक बार फिर ऐसी रात बनकर आई, जिसने न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत को झकझोरकर रख दिया। इस प्रचंड मौसमीय तांडव ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि एक बार फिर यह संकेत दे दिया कि अब मौसम चक्रों में स्थायित्व नहीं रहा और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से हमारे सिर पर मंडरा रहा है। एक ओर जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भीषण बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई महीने में जब उत्तर भारत 44-45 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी के लिए जाना जाता है, ऐसे समय में अचानक ऐसे तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि जैसे दृश्य आमतौर पर मानसून के चरम काल में भी दुर्लभ होते हैं।

हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान से पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया था परंतु तूफान की तीव्रता और व्यापक प्रभाव ने पारंपरिक मौसमी पूवार्नुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। रविवार की देर रात तेज हवाओं ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया। पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से तेजी से बढ़ते तूफानी बादल महज कुछ ही घंटों में दिल्ली-एनसीआर की ओर आ गए। आसमान में अचानक तेज बिजली चमकने लगी, फिर गरज के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति एक शक्तिशाली तूफान में बदल गई। हवा की रफ्तार इतनी अधिक थी कि कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए, ट्रैफिक सिग्नल गिर गए, बिजली के खंभे झुक गए और कई वाहनों को क्षति पहुंची। आईएमडी के अनुसार, इस दौरान हवा की गति 60 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी और कुछ स्थानों पर तो यह इससे भी अधिक रिकॉर्ड की गई।

केवल दिल्ली ही नहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे एनसीआर के प्रमुख शहरों में भी हालात कुछ अलग नहीं थे। गुरुग्राम में तेज हवा के कारण कई जगहों पर निमार्णाधीन साइटों की छतें उड़ गई जबकि नोएडा में एक निमार्णाधीन बिल्डिंग की क्रेन गिरने से दो लोग घायल हो गए। उत्तर भारत के अन्य भागों, जम्मू, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान में भी यह तूफान तबाही लेकर आया। जगह-जगह सैंकड़ों पेड़ उखड़ गए, जिससे कई जगहों पर सड़कों का संपर्क टूट गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने की घटना भी सामने आई, जहां सात वाहन बह गए और कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। पंजाब में वर्षाजनित हादसों में कुछ लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई। खेतों में काम कर रहे किसान तेज आंधी की चपेट में आ गए। इससे पहले 21 मई को भी शाम के समय अचानक दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदल गया था और अचानक बदले मौसम के बीच भीषण आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई थी। तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि नोएडा, गाजियाबाद सहित देश के कई राज्यों में लोगों के लिए मुसीबत बन गया था। उस दौरान हुए हादसों में 7 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि देशभर में करीब 26 लोगों की मौत होने की सूचना मिली थी।

इस साल मई महीने की शुरूआत ही इसी प्रकार के अप्रत्याशित मौसमी बदलावों के साथ हुई थी। 2 मई की सुबह दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और तूफान जैसी स्थिति बनी थी। दिल्ली में उस दिन 78 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली थी और बारिश के साथ भारी नुकसान हुआ था। पेड़ उखड़ गए थे, बिजली की आपूर्ति बाधित हुई थी और तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि उस समय भी लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई थी लेकिन इस बार मई के अंत में आया यह तूफान कहीं अधिक गंभीर और व्यापक प्रभाव वाला था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब केवल सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन के गहरे संकेत हैं। दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यावरणीय असंतुलन अब मौसम चक्रों को अस्थिर कर रहा है। ह्यशहरी हीट आइलैंडह्ण प्रभाव के चलते रात के तापमान में गिरावट नहीं होती और वातावरण की ऊष्मा बढ़ती जाती है। कंक्रीट, एस्फाल्ट और अन्य मानव निर्मित सतहें सूरज की ऊष्मा को अवशोषित कर लेती हैं और धीरे-धीरे उसे छोड़ती हैं, जिससे रात में भी वातावरण गर्म बना रहता है। 2 मई की सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सामान्यतः ऐसी बारिश के बाद तापमान 18-20 डिग्री तक गिर जाता है।

मौसम विभाग ने इस बार के तूफान के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं के संगम को कारण बताया है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ नवंबर से अप्रैल के बीच सक्रिय रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह मई-जून में भी सक्रिय रहने लगा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का संकेत है। यह संकेत स्पष्ट करता है कि पारंपरिक मौसम चक्रों में अब स्थायित्व नहीं रहा और मौसम की गतिविधियां अधिक अनियमित और अस्थिर होती जा रही हैं। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं जब पश्चिमी विक्षोभ से टकराती हैं तो वह एक संगठित मौसमी प्रणाली का निर्माण करती हैं, जिससे उत्तर भारत में भारी वर्षा, तेज हवाएं और ओलावृष्टि होती है। यह आमतौर पर मानसून के मध्य चरणों में होता है लेकिन मई की शुरूआत में या मई के अंतिम सप्ताह में इस प्रकार की घटनाएं असामान्य हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि मौसमी प्रवृत्तियों की दिशा अब बदल रही है।

कृषि क्षेत्र पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इस समय अधिकांश क्षेत्रों में मूंग, सब्जियां, तरबूज, खरबूजा और अन्य ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती होती हैं। तेज हवाएं, ओलावृष्टि और बारिश इन फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। बिहार, हरियाणा और राजस्थान के किसानों ने फलों और सब्जियों के खराब होने की शिकायत की है। इससे न केवल किसानों की आमदनी प्रभावित होती है बल्कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और खुदरा बाजारों में कीमतों पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन का असर अब हिमालय क्षेत्र में भी गहराई से महसूस किया जा रहा है। बर्फबारी का स्तर 23 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है, जिससे हिमालय की नदियों पर निर्भर करोड़ों लोगों की जल सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

# भारतीय स्वाधीनता संग्राम के दैदीप्यमान सूर्य वीर विनायक दामोदर सावरकर

- सुरेन्द्र शर्मा

भारत का विभाजन अप्राकृतिक है,किसी देश की सीमा रेखाएँ केवल नदी पहाड़ों या संधि पत्रों से निर्धारित नहीं होती हैं,वह होती हैं उस देश के युवाओं के कर्तत्व और पौरुष से,जिस दिन भारत की आने वाली पीढ़ियां अपना कर्तत्व दिखायेंगी उस दिन भारत की सीमा रेखाएँ काबुल कांधार को लाँघकर दूर तक निकल जायेंगीह्नसावरकर

वीर सावरकर भारत के इतिहास के वह महापुरुष जिन्हें भुलाने की लगातार कोशिश की गई लेकिन उनका व्यक्तित्व ही ऐसा है कि जितना उसे ग्रहण लगाने की कोशिश की गई हर समय सूर्य के तेज की तरह दोगुने रूप में उनका व्यक्तित्व और निखर कर राष्ट्र के सामने आया। पुण्य भूमि भारत की वीर प्रसूता भूमि महाराष्ट्र जिसने क्षत्रपति शिवाजी और लोकमान्य तिलक जैसे तेजोमय नायकों को जन्म दिया उसी महाराष्ट्र में भारतीय स्वाधीनता संग्राम के दैदीप्यमान सूर्य वीर विनायक दामोदर सावरकर का जन्म 28 मई, 1883 को नासिक के पास भगूर नामक गांव में हुआ था और उनकी मृत्यु 26 फरवरी, 1966 को बम्बई (अब मुंबई) में हुई थी। पूरा नाम विनायक दामोदर सावरकर एक स्वतंत्रता ,संग्राम सेनानी, राजनीतिज्ञ, वकील, समाज सुधारक और हिंदुत्व के दर्शन के सूत्रधार थे।सावरकर के पिता का नाम दामोदरपंत सावरकर और माता राधाबाई थीं। उन्होंने कम उम्र में ही अपने माता-पिता को खो दिया था। वह अपने बड़े भाई गणेश (बाबाराव) से काफी प्रभावित थे।

वीर सावरकर जब छोटे थे, तो उन्होंने मित्र मेला नामक एक युवा समूह का आयोजन किया। वह लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल जैसे राष्ट्रवादी राजनीतिक नेताओं से प्रेरित थे और समूह को क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल करते थे। उन्होंने पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में दाखिला लिया और स्नातक की डिग्री पूरी की। सावरकर को उच्च शिक्षा हेतु इंग्लैंड में कानून का अध्ययन करने का प्रस्ताव मिला और छात्रवृत्ति की पेशकश की गई। उन्हें इंग्लैंड भेजने और पढ़ाई जारी रखने में श्यामजी कृष्ण वर्मा ने मदद की थी। उन्होंने वहां ग्रेज इन लॉ कॉलेज में दाखिला लिया और इंडिया हाउस में निवास बनाया यह उत्तरी लंदन में एक छात्र निवास था। लंदन में वीर सावरकर ने अपने साथी भारतीय छात्रों को प्रेरित किया और आजादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए एक संगठन फ्री इंडिया सोसाइटी का गठन किया।

वीर सावरकर ने 1857 के स्वातंत्र्य समरकी तर्ज पर स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए गुरिल्ला युद्ध के बारे में सोचा। उन्होंने द हिस्ट्री ऑफ द वॉर ऑफ इंडियन इंडिपेंडेंस नामक पुस्तक लिखी, जिसने कई भारतीयों को आजादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, इस किताब पर अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन इसने कई देशों में लोकप्रियता हासिल की। इतना ही नहीं, उन्होंने हाथ से बनाए जाने वाले बम और गुरिल्ला युद्ध के प्रपत्र भी बनाए और दोस्तों में बांटे। उन्होंने अपने मित्र मदन लाल ढींगरा को भी कानूनी सुरक्षा प्रदान की, जो सर विलियम हट कर्जन वायली नामक एक ब्रिटिश भारतीय सेना अधिकारी की हत्या के मामले में आरोपी थे। इस बीच, भारत में वीर सावरकर के बड़े भाई ने इंडियन काउंसिल एक्ट 1909 जिसे मिंटो-मॉर्ले रिफॉर्म के नाम से भी जाना जाता है, के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। इसके अलावा विरोध के साथ ब्रिटिश पुलिस ने दावा किया कि वीर सावरकर ने अपराध की साजिश रची थी और उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वीर सावरकर पेरिस चले गए और वहां उन्होंने भीकाजी कामा के आवास पर शरण ली। 13 मार्च, 1910 को उन्हें ब्रिटिश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, लेकिन फ्रांसीसी सरकार तब बुरा मान गयी, जब ब्रिटिश अधिकारियों ने पेरिस में वीर सावरकर को गिरफ्तार करने के लिए उचित कानूनी कार्यवाही शुरू नहीं की। अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता का स्थायी न्यायालय ब्रिटिश अधिकारियों और फ्रांसीसी सरकार के बीच विवाद को संभाल रहा था और 1911 में फैसला सुनाया। आपको बता दें कि वीर सावरकर के खिलाफ फैसला आया और उन्हें 50 साल की कैद की सजा सुनाई गई और वापस बंबई भेज दिया गया। बाद में उन्हें 4 जुलाई 1911 को अंडमान और निकोबार द्वीप ले जाया गया।अंडमान में उन्हें काला पानी के नाम से मशहूर सेल्यूलर जेल में बंद कर दिया गया। जेल में उन्हें बहुत यातनाएं दी गईं। लेकिन, उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्रता की भावना जारी रही और उन्होंने वहां अपने साथी कैदियों को पढ़ाना-लिखाना सिखाना शुरू कर दिया। उन्होंने जेल में एक बुनियादी पुस्तकालय शुरू करने के लिए सरकार से अनुमति भी ली।अपने जेल समय के दौरान उन्होंने एक वैचारिक पुस्तिका लिखी, जिसे हिंदुत्व के नाम से जाना जाता हैः हिंदू कौन है? और इसे सावरकर के समर्थकों ने प्रकाशित किया। पैम्फलेट में उन्होंने हिंदू को भारतवर्ष (भारत) का देशभक्त और गौरवान्वित निवासी बताया और इससे कई हिंदू प्रभावित हुए। उन्होंने जैन धर्म, बौद्ध धर्म, सिख धर्म और हिंदू धर्म जैसे कई धर्मों को एक ही बताया। उनके अनुसार, ये सभी धर्म अखंड भारत (संयुक्त भारत या बृहत भारत) के निर्माण का समर्थन कर सकते हैं।

उन्हें हमेशा हिंदू होने पर गर्व था और उन्होंने इसे एक राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान बताया। 6 जनवरी, 1924 को सावरकर को जेल से रिहा कर दिया गया और उन्होंने रत्नागिरी हिंदू सभा के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस संगठन का उद्देश्य हिंदुओं की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना था। जो लोग काम-धंधे या अन्य किसी कारण से विदेश में बस जाते हैं, वे लम्बा समय बीतने पर प्रायः अपनी भाषा-बोली, रीति-रिवाज खान-पान और धर्म-कर्म आदि भूल जाते हैं। गुलामी के काल में इंग्लैंड निवासी अधिकांश भारतीय और हिन्दुओं की यही हालत थी। ऐसे माहौल में जुलाई 1906 में वीर विनायक दामोदर सावरकर बैरिस्टरी की पढ़ाई करने के लिए लंदन पहुंचे। वे वहां स्वाधीनता सेनानी पंडित श्यामजी कृष्ण वर्मा के ह्यइंडिया हाउसह्ण में रहते थे। वहां रहकर उन्होंने जहां स्वाधीनता संग्राम में कई तरह से योगदान किया, वहां देश और धर्म के लिए बलिदान होने वाले वीरों की जयंती और पुण्य-तिथि आदि मनाकर भारत से गये हिन्दुओं में भी जागृति लाने का प्रयास किया। इसी क्रम में 29 दिसम्बर, 1908 को लंदन के प्रसिद्ध ह्यकैक्स्टन हॉलह्ण में खालसा पंथ के संस्थापक श्री गुरु गोविंद सिंहजी का जन्मोत्सव मनाया गया। खराब मौसम के बावजूद इसमें हिन्दुओं और सिखों के अलावा कई अंग्रेज, मुसलमान और पारसी भी शामिल हुए।

## परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल?

- सोनम लववंशी

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक ह्यअंक-उद्योगह्ण में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक-दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है।

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही ह्यअंकवीरह्ण छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दशार्ता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या, तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं। यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता-पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

## आज का राशिफल

**मेष** दिन विशेष रूप से शुभ साबित हो सकता है। करियर में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के प्रबल योग बन रहे हैं।

**तुला** आज दिन समझौते और समाधान का है। पुरानी प्रफेशनल समस्याएं हल हो सकती हैं।

**वृषभ** आज पेशेवर सफलता और प्रगति से भरा हो सकता है। जो लोग जॉब में बदलाव की सोच रहे हैं।

**वृश्चिक** दिन ऊर्जा और प्रगति से भरा रहेगा। दिनभर में कई ऐसे प्रस्ताव आपको मिल सकते हैं।

**मिथुन** डिजाइनिंग या सॉफ्टवेयर से जुड़े लोग नए कॉन्ट्रैक्ट या फीलांस प्रॉजेक्ट हासिल कर सकते हैं।

**धनु** संभावनाओं और प्रयोगों का है। जोखिम लेने से न डरें, क्योंकि बड़ा लाभ आपके इंतजार में है।

**कर्क** आज दिन मनोरथ सिद्धि और कार्यसिद्धि का है। आज आप जो भी कार्य निष्ठा से करेंगे।

**मकर** आज दिन संतुलन और कड़ी मेहनत का है। बिजनस में पार्टनरशिप से लाभ होगा।

**सिंह** व्यस्तता और उपलब्धियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई ज़िम्मेदारियां मिलने की संभावना है।

**कुंभ** फील्ड में ध्यान और सतर्कता के साथ काम करना होगा। जल्दबाज़ी से नुकसान हो सकता है।

**कन्या** आज दिन स्थिरता और आत्मविश्लेषण का है। हर निर्णय धैर्य और विवेक से लें।

**मीन** व्यावसायिक उत्थान और आत्मविश्वास से भरा हो सकता है। रिस्क लेना लाभकारी रहेगा।

## विशेष

### विधायक भाजपा से नाराज

दिल्ली में भाजपा की सरकार बन गई है। रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री बन गई हैं। अरविंद केजरीवाल के समय विधायकों का फण्ड बढ़ाया गया था। अरविंद केजरीवाल की सरकार ने प्रत्येक विधायक को 10 करोड़ का फंड जारी किया था। जब से रेखा गुप्ता की सरकार आई है। उसके बाद से विधायकों और नागरिकों के पर कतरे जा रहे हैं। रेखा गुप्ता ने विधायकों का फंड घटाकर 5 करोड रुपए कर दिया है। वहीं केजरीवाल के समय जो योजनाएं चल रही थी। नागरिकों को जो सुविधाएं मिल रही थी। एक-एक करके वह बंद होती जा रही हैं। परेशान तो मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी हैं। केंद्र सरकार ने सत्ता का नियंत्रण उपराज्यपाल के हाथ में रखा है। आज भी उपराज्यपाल ही सुपर मुख्यमंत्री हैं। रेखा गुप्ता दिखाने की मुख्यमंत्री हैं। असली निर्णय तो उपराज्यपाल ही लेते हैं।

### भाजपा के मुस्लिम नेता नाराज

केंद्र सरकार ने आतंकवादी गतिविधियों को लेकर भारत का पक्ष रखने के लिए विदेशों में जो 7 डेलिगेशन भेजे हैं। हर डेलिगेशन में एक मुस्लिम प्रतिनिधि है। भाजपा के पास लोकसभा और राज्यसभा में एक भी मुस्लिम सांसद नहीं है। सरकार को डेलिगेशन में मुस्लिम सांसदों को भेजने के लिए विपक्ष का सहारा लेना पड़ा। एमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, एमजे अकबर, सलमान खुर्शीद, मुस्लिम लीग के मोहम्मद बशीर, सरफराज अहमद, मियां अल्ताफ अहमद, पूर्व राजपूत जावेद अशरफ और पूर्व राजदूत सैयद अकबरुद्दीन को विदेश जाने का मौका मिला है। जो सांसद दुनिया के देशों में जाकर मुसलमानों और भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

## कार्टून कोना

## आज का इतिहास

1414 खिजर खान ने दिल्ली पर कब्जा करके सैयद वंश के शासन की शुरूआत की. 1572 महाराजा प्रताप मेवाड़ की गद्दी पर बैठे. 1883 क्रांतिकारी विनायक दामोदर सावरकर का जन्म. 1940 द्वितीय विश्वयुद्ध में बेल्जियम ने जर्मनी के आगे हथियार डाल दिए. 1947 भारतीय मानक संस्थान की स्थापना हुई. 1961 पेरिस-बुखारेस्ट ओरिएंट एक्सप्रेस ने 78 वर्ष बाद अपनी अंतिम यात्रा की. 1970 अखिल भारतीय श्रमिक संघ कांग्रेस दो भागों में बँट गई. 1971 सोवियत संघ ने मंगल ग्रह के लिए अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण किया. 1974 उत्तरी आयरलैंड की मिलीजुली सरकार का पतन. 1976 अमरीका और सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षणों के बारे में समझौता किया.

## दैनिक पंचांग

**27 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | वृष में | मिथुन | 06.33 बजे से |
| चंद्र | वृष में | कर्क | 08.46 बजे से |
| मंगल | कर्क में | सिंह | 11.02 बजे से |
| बुध | वृष में | कन्या | 13.14 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | तुला | 15.25 बजे से |
| शुक्र | मीन में | वृश्चिक | 17.40 ब.से |
| शनि | मीन में | धनु | 19.56 बजे से |
| राहु | मीन में | मकर | 22.01 बजे से |
| केतु | कन्या में | कुंभ | 23.47 बजे से |
| राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक | | मीन | 01.20 बजे से |
| | | मेष | 02.51 बजे से |
| | | वृष | 04.31 बजे से |

**मंगलवार** 2025 वर्ष का 147 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (द. भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 08.32 बजे तदनन्तर प्रतिपदा 05.03 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 05.33 बजे तदनन्तर रोहिणी 02.51 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सुकर्मा 22.54 बजे को समाप्त। **करण** नाग 08.32 बजे, किंस्तुघ्न 18.46 बजे तदनन्तर बव 05.03 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 18' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872357 **जूलियन दिन** 2460822.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 28 **विशेष** शनि जयंती।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रोग | 05.53 से | 07.22 बजे तक | काल | 05.42 से | 07.13 बजे तक |
| उद्वेग | 07.22 से | 08.15 बजे तक | लाभ | 07.13 से | 08.45 बजे तक |
| चर | 08.15 से | 10.19 बजे तक | उद्वेग | 08.45 से | 10.16 बजे तक |
| लाभ | 10.19 से | 11.48 बजे तक | शुभ | 10.16 से | 11.48 बजे तक |
| अमृत | 11.48 से | 01.16 बजे तक | अमृत | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| काल | 01.16 से | 02.45 बजे तक | चर | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| शुभ | 02.45 से | 04.13 बजे तक | रोग | 02.51 से | 04.22 बजे तक |
| रोग | 04.13 से | 05.42 बजे तक | काल | 04.22 से | 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

# क्या आप जानते हैं किसने की थी कॉफी की खोज? इसके पीछे का इतिहास जानकर रह जाएंगे दंग!

**आप भी आज के समय में कॉफी की आउटलेट्स को विभिन्न स्थानों पर देखते हैं, जैसे एयरपोर्ट, मॉल, रेस्तरां और बाजारों में यह कहीं न कहीं उपलब्ध होते ही हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कॉफी की खोज किसने की थी? और इसका व्यापार किस तरीके से पूरी दुनिया में पहुंचा है? जब आप एक कप कॉफी उठाते हैं, तो आपके सामने एक ऐतिहासिक कहानी खड़ी होती है। आइए जानते हैं कि कॉफी की खोज कैसे हुई और आजकल कौन-कौन से देशों में इसका उत्पादन होता है।**

### कैसे हुई कॉफी की खोज

जानकारी के अनुसार, इथियोपिया में 9वीं शताब्दी के दौरान कॉफी की खोज की गई थी। उस समय, गड़रिए नामक एक देहाती ने अपने भेड़ों को जंगल में छोड़ दिया था। वहीं उसने देखा कि उसके भेड़ कुछ लाल बेरीज खा रहे हैं, जिसके बाद वे काफी उत्साहित और कूद-फांद करने लगे थे। जिसके बाद गड़रिए ने भी बेरीज का स्वाद चखा और महसूस किया कि इससे उन्हें ताजगी और ऊर्जा मिल रही है। इस अनुभव के बाद, उन्होंने बेरीज को तोड़कर साथ ले लिया और साधुओं के पास ले गए।

### साधुओं ने चखा कॉफ़ी का स्वाद

दरअसल साधुओं ने इस बेरी के साथ कुछ विशेष नहीं किया। एक साधु ने उसे जलते हुए आग में फेंका, लेकिन जब कॉफी जली, उसकी खुशबू ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। तो साधुओं को भी इसमें विशेष नजर आया। फिर बेरी को कुटकर गर्म पानी में डाला गया और साधुओं ने इसे पीने के बाद भी ऊर्जा और सुख अनुभव किया।

### होता है सबसे ज्यादा कॉफी का उत्पादन?

हालांकि आज के समय में कॉफी का उत्पादन विशेषकर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, बड़े परिवर्तनों का सामना कर रहा है। वर्तमान में, ब्राजील दुनिया में सबसे अधिक कॉफी उत्पादक देश है, जहां वर्षावन के कारण प्रचुर मात्रा में कॉफी पैदा होती है। इसके बाद, वियतनाम, पेरू, और इंडोनेशिया कुछ अन्य महत्वपूर्ण कॉफी उत्पादकों में शामिल हैं। भारत भी कॉफी की उत्पादन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, हालांकि वैज्ञानिकों के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के कारण इसमें कमी हो रही है। यदि यह स्थिति जारी रही, तो कॉफ़ी की उत्पादन घटने की संभावना है, जिससे कॉफी की उपलब्धता पर भी प्रभाव पड़ सकता है।

# क्या है मैजिकल नंबर 6174 बड़े-बड़े गणितज्ञ भी नहीं सुलझा पाए भारत की ये पहेली

**6174. जी हां, ये चार नंबर आपको दिखने में सामान्य लगेंगे. लेकिन सामान्य से बढ़कर हैं और इन्हें मैजिकल नंबर का दर्जा दिया गया है. आप इस नंबर को बोलें तो लगेगा कि इसमें क्या चमत्कारी या मैजिकल हो सकता है. लेकिन गणित की दुनिया में जब भी इसका उपयोग किया जाता है, अच्छे-अच्छे एक्सपर्ट की जुबां बंद हो जाती है. इसे मैजिकल नंबर इसलिए कहा जाता है क्योंकि 1949 से लेकर अब तक यह पहेली बनी हुई है और कई गणितज्ञ इस पहेली को सुलझाने में लगे रहे हैं, लेकिन कामयाबी हाथ नहीं लगी है.**

6174 को अंग्रेजी की भाषा में काप्रेकर कॉन्सटेंट भी कहते हैं जिसका नामकरण भारत के महान गणितज्ञ रामचंद्र काप्रेकर से जुड़ा है. उनका पूरा नाम दत्तात्रेय रामचंद्र काप्रेकर था जिन्हें संख्याओं को लेकर प्रयोग करने का बेहद शौक था. उनके कई प्रयोगों में 6174 भी है जिसे उन्होंने दुनिया के सामने रखा. इसकी कहानी कुछ ऐसी है कि साल 1949 में एक गणित सम्मेलन हुआ जिसमें रामचंद्र काप्रेकर भी शामिल हुए थे. इसी सम्मेलन के जरिये काप्रेकर ने इन चार संख्याओं को दुनिया के सामने रखा. काप्रेकर मुंबई के एक छोटे से कस्बे में गणित पढ़ाते थे और हर दिन गणित की संख्याओं के साथ प्रयोग किया करते थे. इसी प्रयोग का नतीजा है कि दुनिया को यह चमत्कारी संख्या हाथ लगा.

### पूरी दुनिया लगी है खोज में

इस मैजिकल नंबर की खोज को जहां भारतीय गणितज्ञों ने खारिज कर दिया, वही दुनिया के कई गणितज्ञों ने इस पर गहन शोध किया और लोगों के सामने रोचक जानकारी रखी. आज काप्रेकर की खोज पर भारत सहित दुनिया भर के देशों में काम हो रहा है. आखिर साधारण से ये 4 नंबर इतने चमत्कारी क्यों माने जाते हैं? इसके पीछे मूल वजह क्या है, आइए जानते हैं.

### कंप्यूटर भी आजमा चुका प्रयोग

इसके बारे में एक ऑनलाइन मैग्जिन प्लस मिनिशियामा ने लिखा है कि 6174 को पाने के लिए चार अंकों को एक साथ पाने के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया गया लेकिन चार संख्या अलग-अलग रखने पर भी अंत में वही चमत्कारी संख्या 6174 ही मिली. काप्रेकर ने यह काम 7 चरणों में किया था. कंप्यूटर का इस्तेमाल करने के बाद भी 7 चरणों का नतीजा यही संख्या मिली. पत्रिका बताती है कि बढ़ते और घटते क्रम के साथ घटाव करने पर 7 चरणों के बाद 6174 रिजल्ट के रूप में नहीं आता है, इसका मतलब हुआ कि कहीं न कहीं जरूर गड़बड़ी हुई है. यह गड़बड़ी घटाव करने में हो सकती है.

## भारतीय गणितज्ञ की खोज है मैजिक नं. 6174

भारतीय गणितज्ञ दत्तात्रेय रामचंद्र काप्रेकर (1905-1986) को संख्याओं के साथ प्रयोग करना बेहद पसंद था। इसी प्रयोग की प्रक्रिया में उनका परिचय इस रहस्यमयी संख्या 6174 से हुआ। साल 1949 में मद्रास में हुए एक गणित सम्मेलन में काप्रेकर ने दुनिया को इस संख्या से परिचित कराया। वो कहा करते थे, जिस तरह मदहोश बने रहने के लिए एक शराबी शराब पीता है। संख्याओं के मामले में मेरे साथ भी बिल्कुल ऐसा ही है। हालांकि उनकी खोज का मजाक उड़ाया गया और भारतीय गणितज्ञों ने इसे खारिज कर दिया। लेकिन धीरे-धीरे उनकी खोज को लेकर भारत और विदेशों में चर्चा होने लगी। 1970 के दशक तक अमेरिका के बेस्ट सेलिंग लेखक और गणित में रुचि रखने वाले मार्टिन गार्डर ने उनके बारे में एक लोकप्रिय साइंस मैग्ज़ीन साइंटिफिक अमेरिका में लिखा। ओसाका यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर युताका निशियामा का कहना है, संख्या 6174 वाक़ई बहुत रहस्यवादी संख्या है। आज काप्रेकर और उनकी खोज को मान्यता मिल रही है और इस पर दुनिया भर के गणितज्ञ काम कर रहे हैं। इसकी वजह क्या है? ये संख्या क्यों इतनी मैजिकल है? इसे समझने के लिए आगे बताए जा रहे कुछ दिलचस्प तथ्यों को देखिए। कोई भी चार अंकों की संख्या अपने मन से चुनिए, लेकिन कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। उदाहरण के लिए 1234 ले लेते हैं।

इन्हें घटते क्रम में लिखें - 4321
अब इन्हें बढ़ते क्रम में लिखें - 1234
अब बड़ी संख्या से छोटी संख्या को घटा दें - 4321 - 1234
अब नतीजे में मिली संख्या के साथ फिर से घटते और बढ़ते क्रम में लिखें।
आईए इसे करके देखते हैं-
4321 - 1234 = 3087
इन अंकों को घटते क्रम में रखें - 8730
अब इन्हें बढ़ते क्रम में रखें - 0378
अब बड़ी संख्या में से छोटी संख्या को घटा दीजिए - 8730 - 0378 = 8352
नतीजे में मिली संख्या के साथ ऊपर की तीनों प्रक्रियाओं को दोहराईए।
आइए, संख्या 8352 के साथ यही करके देखते हैं-
8532 - 2358 = 6174
6174 के साथ इस प्रक्रिया को दोहराते हैं। यानी बढ़ते और घटते क्रम में रखने के बाद घटाएं।
7641 - 1467 = 6174
जैसा कि आप देख सकते हैं, इसके बाद फिर से ये प्रक्रिया दोहराने का कोई मतलब नहीं। क्योंकि वही नतीजे मिलेंगे - 6174
लेकिन हो सकता है कि आप सोचें कि ये महज संयोग है। तो चलिए किसी दूसरे नंबर के साथ ये प्रक्रिया दोहराते हैं। मान लीजिए 2005 को लेते हैं। इसके साथ ऊपर दी गई प्रक्रियाएं दोहराएंगे।
5200 - 0025 = 5175
7551 - 1557 = 5994
9954 - 4599 = 5355
5553 - 3555 = 1998
9981 - 1899 = 8082
8820 - 0288 = 8532
8532 - 2358 = 6174
7641 - 1467 = 6174
आप खुद देख सकते हैं, चाहे कोई भी चार अंक आप चुनें। अंतिम नतीजा 6174 ही मिलता है और इसके बाद उसी प्रक्रिया के साथ यही नतीजा मिलना जारी रहता है। इस फॉर्मूले को कैप्रेकर्स कॉन्स्टेंट कहते हैं।
एक ऑनलाइन मैग्ज़ीन +प्लस में निशियामा ने लिखा कि कैसे उन्होंने संख्या 6174 को पाने के लिए सभी चार अंकों के साथ प्रयोग करने के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया था। लेकिन हर चार अंकों की संख्या, जिसमें सभी अंक अलग अलग हों, काप्रेकर की प्रक्रिया के तहत सात चरण में संख्या 6174 तक ही पहुंच रही थी। निशियामा के अनुसार, अगर आप काप्रेकर की प्रक्रिया को सात बार दोहराने के बाद भी 6174 तक नहीं पहुंच पाते हैं, तो आपने जरूर कोई गलती की है और आपको फिर से कोशिश करनी चाहिए।

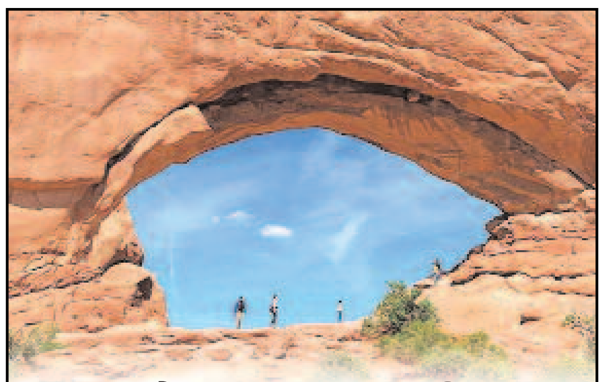

# हजारों साल का इतिहास उजागर करती हैं ये शानदार चट्टानी मूर्तियां

अमेरिका के यूटा राज्य में स्थित ये नेशनल पार्क मेहराबों यानि की आर्चेस के लिए प्रसिद्ध है। 310 वर्ग किलोमीटर में फैले इस पार्क में बलुआ पत्थ से बनीं ऐसी दो हज़ार मेहराबें है। इसी के चलते इस पार्क को आर्चेस पार्क के नाम से जाना जाता है। ये आर्च पार्क की विश्वविख्यात डेलिकेट आर्च है, जो पूर्णिमा के चांद के साथ किसी आंख के समान नज़र आती है। इस मशहूर आर्च के साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए पर्यटक यहां खासतौर से आते हैं।

आर्चेस नेशनल पार्क देश में प्राकृतिक संरचनाओं का सबसे बड़ा संकेन्द्रण है। इस पार्क में 2,000 से ज़्यादा प्राकृतिक मेहराब हैं - जो देश में सबसे ज़्यादा हैं। लेकिन परिदृश्य की भव्यता के आगे संख्याओं का कोई महत्व नहीं है - मेहराब, विशाल संतुलित चट्टानें, शिखर, शिखर और विशाल आकाश के सामने स्लिकरॉक गुंबद।

कोलोराडो नदी के ऊपर स्थित यह पार्क दक्षिणी यूटा के विस्तारित घाटी क्षेत्र का हिस्सा है, जो अपक्षय और कटाव के युगों से बना और आकार ले रहा है। लगभग 300 मिलियन वर्ष पहले, अंतर्देशीय समुद्रों ने इस क्षेत्र को बनाने वाले बड़े बेसिन को कवर किया था। समुद्र फिर से भर गए और वाष्पित हो गए - कुल 29 बार - जिससे हजारों फीट मोटी नमक की परतें पीछे रह गईं। बाद में, ऊपरी इलाकों से नदियों द्वारा बहाए गए रेत और पत्थरों ने अंततः नमक की परतों को पत्थर की मोटी परतों के नीचे दबा दिया। चूँकि नमक की परत चट्टान के ऊपरी आवरण की तुलना में कम घनी होती है, इसलिए यह इसके माध्यम से ऊपर उठती है, जिससे यह गुंबदों और लकीरों में बदल जाती है, जिसके बीच में घाटियाँ होती हैं।

आर्चेस में अधिकांश संरचनाएं 150 मिलियन वर्ष पहले जमा किए गए नरम लाल बलुआ पत्थर से बनी हैं। बहुत बाद में, भूजल ने अंतर्निहित नमक जमा को घोलना शुरू कर दिया। बलुआ पत्थर के गुंबद ढह गए और पंख नामक ऊर्ध्वाधर चट्टान स्लैब के भूलभुलैया में बदल गए। इन पतली दीवारों के खंड अंततः घिस गए, जिससे शानदार चट्टान की मूर्तियाँ बनीं जिन्हें आर्चेस आने वाले लोग आज भी देखते हैं।

इस भूमि का एक कालातीत, अविनाशी रूप है जो भ्रामक है। हर साल 700,000 से अधिक आगंतुक नाजुक उच्च रेगिस्तानी पारिस्थितिकी तंत्र को खतरे में डालते हैं। एक चिंता का विषय जैविक मिट्टी की परत नामक एक काला पैमाना है जो पार्क में रेतीले क्षेत्रों में उगने वाले साइनोबैक्टीरिया, शैवाल, कवक और लाइकेन से बना है। इस जीवित समुदाय में ट्रैक किए गए पैरों के निशान सालों तक दिखाई दे सकते हैं। वास्तव में, शुष्कता सदियों तक पिछली गतिविधि के निशानों को संरक्षित करने में मदद करती है। आगंतुकों से केवल निर्दिष्ट पगडंडियों पर चलने या स्लिकरॉक या वाश बॉटम्स पर रहने के लिए कहा जाता है।

पार्क में 2,000 से ज़्यादा मेहराब हैं; मेहराब के तौर पर वर्गीकृत होने के लिए, उद्घाटन की चौड़ाई कम से कम तीन फ़ीट होनी चाहिए। पार्क में सबसे बड़ा मेहराब, लैंडस्केप आर्क, आधार से आधार तक 306 फ़ीट (एक फ़ुटबॉल मैदान से ज़्यादा लंबा) फैला हुआ है। नए मेहराब लगातार बन रहे हैं, जबकि पुराने कभी-कभी ढह जाते हैं - सबसे हाल ही में वॉल आर्क, जो 2008 में गिर गया था। आर्चेस नेशनल पार्क में कुछ इंच से लेकर कई फीट तक की गहराई वाले अस्थायी तालाब हैं, जो वास्तव में मिनी-इकोसिस्टम हैं, जो टैडपोल, फेयरी श्रिम्प और कीड़ों का घर हैं। तालाब बलुआ पत्थर के बेसिनों के बीच, गड्ढों के भीतर बनते हैं जो दुर्लभ वर्षा जल और तलछट को इकट्ठा करते हैं। लगभग 300 मिलियन वर्ष पहले एक अंतर्देशीय समुद्र ने उस क्षेत्र को कवर किया था जिसे अब आर्चेस नेशनल पार्क कहा जाता है। समुद्र 29 से अधिक बार वाष्पित हुआ और फिर से बना, जिससे हजारों फीट मोटी नमक की परतें पीछे रह गईं। पार्क का एक और अनोखा पहलू इसकी घुमावदार काली ज़मीन है, जो वास्तव में जीवित है। एक जैविक मिट्टी की परत, यह शैवाल, लाइकेन और साइनोबैक्टीरिया से बनी है, और रेगिस्तानी पौधों के लिए एक सुरक्षित आधार प्रदान करती है।

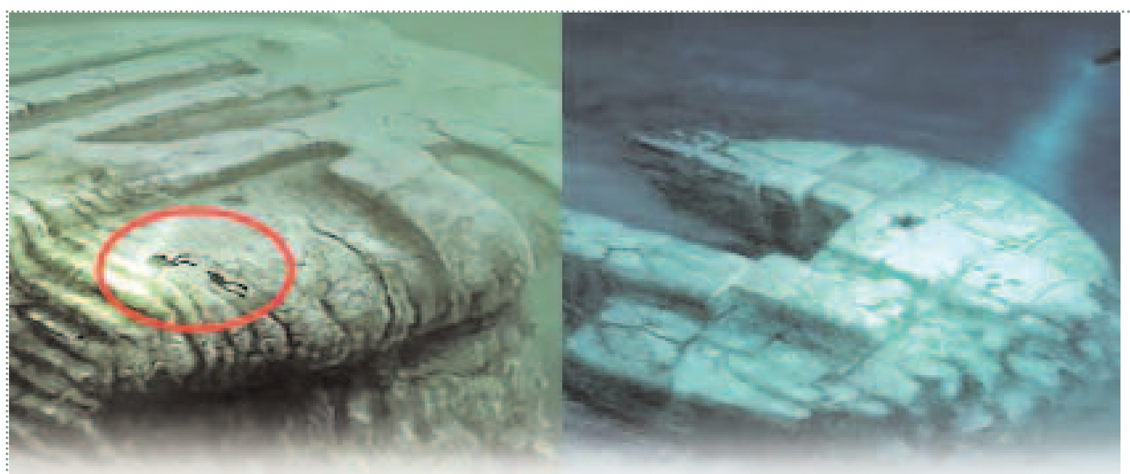

# 140,000 साल पुराने बाल्टिक सागर का सुलझ गया रहस्य!

धरती से लेकर समंदर तक, तरह-तरह के रहस्यों से भरे पड़े हैं. ऐसा माना जाता है कि समंदर की अथाह गहराई में ऐसी कई चीजें छिपी हो सकती हैं, जिनके बारे में इंसानों ने अंदाजा भी नहीं लगाया होगा. बाल्टिक सागर में भी ऐसा ही एक रहस्य छिपा हुआ था, जिसे एक लाख 40 हजार साल पुराना बताया जाता है. दरअसल, बाल्टिक सागर के तल पर एक अजीब सी चीज मौजूद थे, जिसके बारे में पहले कहा जा रहा था कि वो यूएफओ है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने इसकी सच्चाई का पता लगा लिया है कि वो रहस्यमय चीज आखिर क्या है? बाल्टिक सागर में छिपी इस रहस्यमय चीज को गोताखोरों ने ढूंढा था, जो मूल रूप से जहाज के मलबे की खोज कर रहे थे. कुछ लोगों का मानना है कि उस चीज का निर्माण धातु के सीधे और कोणीय टुकड़ों से हुआ है. इसने सालों तक लोगों को हैरान किया, क्योंकि कोई भी निश्चित रूप से ये नहीं जानता था कि ये चीज क्या है या ये वहां कैसे पहुंची. मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, स्वीडिश खोजकर्ता पीटर लिंडबर्ग और डेनिस असबर्ग जून 2011 में 'ओशन एक्स' टीम के हिस्से के रूप में उत्तरी बाल्टिक सागर में खजाने की तलाश में थे जब उनके सोनार रडार ने पानी के नीचे पहाड़ की घाटी में 70 फीट लंबे मिलेनियम फाल्कन जैसे दिखने वाले टुकड़े का पता लगाया.

### खोजकर्ताओं ने इस संरचना को एक लंबी सीढ़ी से जोड़ा

दरअसल स्टॉकहोम विश्वविद्यालय के एक शोध में सामने आया है, कि बाल्टिक सागर में उत्पन्न विसंगति वास्तव में हिम युग की अवधि के दौरान समुद्र में हिमनद गतिविधियों के उत्पन्न होने का परिणाम है। इससे स्पष्ट होता है कि इस अज्ञात वस्तु कैसे इस स्थान तक पहुंची। वहीं खोजकर्ताओं ने इस संरचना को एक लंबी सीढ़ी के रूप में जोड़ा है, जो एक अंधेरे छेद तक जाती है और फिर एक और अज्ञात वस्तु तक पहुंचती है। वहीं कुछ लोग अनुमान लगा रहे हैं कि बाल्टिक सागर में खोये गए पानी के नीचे एक शहर के अवशेष हो सकते हैं। जबकि कुछ के अनुसार, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक विदेशी यूएफओ बेड के सदस्य की एक क्रूज समुद्र तल पर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी या हो सकती है, वहीं ऐसा हो सकता है कि इससे किसी प्रकार की पनडुब्बी रोधी उपकरण बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

### इसके करीब आने से बंद हो जाते हैं उपकरण

इसके बावजूद कि यह एक बड़ी चट्टान के समान लग रहा है, कुछ वैज्ञानिकों ने इसे प्राकृतिक सामग्रियों का नहीं बताया और कहा कि यह वास्तव में धातु से बना होने के कारण यह किसी के द्वारा निर्मित हो सकती हैं। ओशन एक्स के गोताखोर स्टीफ़न होगरबॉर्न के अनुसार, यहां का सबसे रहस्यमयी बात यह है कि इसके करीब आने से सभी बिजली और सैटेलाइट से चलने वाले उपकरण बंद हो जाते हैं। स्टॉकहोम विश्वविद्यालय के भूविज्ञानी वोल्कर ब्रुचर्ट ने अध्ययन किया और खुलासा किया कि यह अधिकांश ग्रेनाइट हैं और नाइस और बलुआ पत्थर का बना हैं।इसमें कुछ भी रहस्यमय नहीं है, यह ज्वालामुखीय चट्टान हो सकता है, मेरी परिकल्पना है कि यह वस्तु, यह संरचना हिम युग के दौरान हजारों की संख्या में बनी थी।

### रहस्यमय संरचना को लोगों ने बताया यूएफओ

एक बड़ी चट्टान की तरह दिखने वाली इस रहस्यमय संरचना को लेकर कई अटकलें लगाई गईं. कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि यह अटलांटा के खोए हुए शहर के अवशेष हो सकते हैं, तो कुछ ने कहा कि ये किसी दुर्घटनाग्रस्त यूएफओ के अवशेष होंगे. वहीं, कुछ वैज्ञानिकों ने कहा है कि यह प्राकृतिक चीजों से नहीं बना है बल्कि यह धातु से बना है. ओशन एक्स के गोताखोर स्टीफन होगरबॉर्न ने बताया कि 'जब हम उस वस्तु के ऊपर थे तो वहां मौजूद किसी भी बिजली की चीज और सैटेलाइट फोन ने भी काम करना बंद कर दिया. फिर जब हम लगभग 200 मीटर दूर चले गए, तो यह फिर से चालू हो गया'.

### अब पता चली सच्चाई

स्टॉकहोम में मैरिटाइम म्यूजियम के मरीन आर्कियोलॉजिस्ट गोरान एकबर्ग ने कहा, 'इसके प्राकृतिक, भूवैज्ञानिक संरचना से इंकार नहीं किया जा सकता है. मैं मानता हूं कि यह खोज अजीब लगती है, क्योंकि यह पूरी तरह से गोलाकार है, लेकिन प्रकृति ने इससे भी अजीब चीजें पैदा की हैं'. उनका मानना है कि बाल्टिक सागर में मौजूद ये रहस्यमय चीज हिम युग के दौरान समुद्र के उस क्षेत्र में हुई हिमनद गतिविधियों की प्रक्रिया के अवशेष हैं.

## राकेश गंगवाल और उनके परिवार ने इंडिगो में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंटरग्लोब एविएशन के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने मंगलवार को एयरलाइन में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी ब्लॉक डील के जरिये करीब 11,385 करोड़ रुपये (1.33 अरब अमेरिकी डॉलर) में बेच दी। सूत्रों ने बताया कि गंगवाल के अलावा, चिन्करपू फैमिली ट्रस्ट, जिसके ट्रस्टी शोभा गंगवाल और डेलावेयर की जेपी मॉर्गन ट्रस्ट कंपनी हैं, ने भी देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लेन-देन में भाग लिया है। उन्होंने बताया कि निवेश बैंकिंग फर्म गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी और जेपी मॉर्गन इंडिया हिस्सेदारी बिक्री के लिए प्लेसमेंट एजेंट हैं। नवीनतम लेनदेन से पहले, गंगवाल और पारिवारिक ट्रस्ट के पास इंडिगो में कुल मिलाकर लगभग 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। पीटीआई की ओर से देखी गई टर्म शीट के अनुसार, नवीनतम ब्लॉक डील के तहत, 5,175 रुपये प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस पर 2.2 करोड़ इक्विटी शेयर बेचे गए। शेयरों की कुल संख्या प्रारंभिक 13.2 मिलियन शेयरों (1.32 करोड़ शेयर) से बढ़ाई गई है। जिनका मूल्य लगभग

803 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 6,831 करोड़ रुपये) था। यह उल्लेख पहले टर्म शीट में किया गया था। सोमवार को बंद भाव 5,420 रुपये प्रति शेयर की तुलना में फ्लोर प्राइस 4.5 प्रतिशत कम है। सूत्रों ने बताया कि 2.2 करोड़ शेयरों के बराबर कंपनी में करीब 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है और न्यूनतम मूल्य के आधार पर पेशकश का आकार करीब 1.33 अरब डॉलर या करीब 11,385 करोड़ रुपये है। बीएसई और एनएसई पर कई चरणों में की जाने वाली शेयर बिक्री पूरी तरह से गौण प्रकृति की है। सौदे की संरचना के भाग के रूप में, विक्रेताओं और उनके निकटतम संबंधियों पर 150 दिन की लॉक-अप अवधि लागू होगी, एक अपवाद को छोड़कर – वे किसी निश्चित मूल्य निर्धारण और लॉक-अप शर्तों के अधीन, किसी एकल निवेशक या निवेशक समूह को बातचीत के माध्यम से कम से कम 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के शेयर हस्तांतरित कर सकते हैं। अगस्त 2024 में राकेश गंगवाल के पारिवारिक ट्रस्ट ने एयरलाइन में 5.24 प्रतिशत हिस्सेदारी 9,549 करोड़ रुपये में बेची थी। इससे पहले गंगवाल ने मार्च में इंडिगो के शेयर बेचे थे। शेयर बिक्री गंगवाल द्वारा फरवरी 2022 में सह-संस्थापक राहुल भाटिया के साथ कथित कॉर्पोरेट प्रशासन के मुद्दों पर तीखे विवाद के बाद अपनी शेयरधारिता को कम करने के निर्णय का हिस्सा है। फरवरी 2022 से गंगवाल और उनकी पत्नी शोभा गंगवाल इंडिगो में अपने शेयर बेच रहे हैं। सितंबर 2022 में राकेश गंगवाल और शोभा गंगवाल ने 2.74 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,005 करोड़ रुपये में बेची।

## निर्यात से जुड़े नए दिशा-निर्देश किए गए जारी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यातोन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों की ओर से किए

गए निर्यात के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों में छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत लाभ बहाल करने की घोषणा की है। ये लाभ 1 जून 2025 से किए जाने वाले सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है।

### एमएसएमई में मझोले उद्योग पिछड़े, सिर्फ 0.3 प्रतिशत का योगदान

# नीति आयोग ने गिनाईं 7 बड़ी चुनौतियां

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश की जीडीपी में करीब 29 फीसदी, निर्यात में 40 फीसदी और रोजगार में 60 फीसदी से अधिक योगदान देने वाला सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र संरचनात्मक विषमताओं से जूझ रहा है। पंजीकृत एमएसएमई में सूक्ष्म उद्यमों की सबसे ज्यादा 97 फीसदी और लघु उद्यमों की 2.7 फीसदी हिस्सेदारी है।एमएसएमई के कुल निर्यात में 40 फीसदी का योगदान देने वाले मझोले उद्यमों का हिस्सा महज 0.3 फीसदी है, जो स्पष्ट रूप से संरचनात्मक विषमता का संकेत है।

नीति आयोग ने सोमवार को 'मझोले उद्यमों के लिए नीति तैयार करना' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा, देश का विकास इंजन बनने के लिएमझोले उद्यमों को सात चुनौतियां पार करनी होंगी। ये चुनौतियां हैं...सरकारी योजनाओं के बारे में कम जानकारी, प्रोद्योगिकी अपग्रेडेशन की कमी, कुशल श्रमबल का अभाव, अनुपालन, नवाचार में बाधा, फंडिंग और जमीन-बुनियादी ढांचा। रिपोर्ट में इन उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुए उनकी पूरी क्षमता उगाजर करने के लिए लक्षित हस्तक्षेप पर जोर दिया गया है।

**उपलब्ध मदद के बाद भी उपयोग में पिछड़ने की सात वजहें-** सरकारी योजनाओं की कम जानकारी- मझोले उद्योगों को एमएसएमई मंत्रालय की 18 योजनाओं में से 4-5 की ही जानकारी है।इसमें भी सिर्फ 10 फीसदी ने ही कुछ योजनाओं का लाभ उठाया है।10 फीसदी उद्यमों ने ही निवेश मित्र, एनसीडी इंडिया और जेम जैसे पोर्टल का इस्तेमाल किया है।

**कुशल श्रमबल-** कौशल विकास योजनाओं का लाभ नहीं उठाना कुशल श्रमबल की कमी का बड़ा कारणहै।88 फीसदी उद्यम कौशल विकास या प्रशिक्षण योजना का लाभ नहीं उठा रहे हैं।31 फीसदी प्रशिक्षणकार्यक्रमों का अपने लिए प्रासंगिक नहीं मानते हैं।

**फंडिंग-** सस्ता कर्ज नहीं मिलना, पूंजी बाजारों पर सीमित पहुंच और गारंटी की कमी मझोले उद्योगों के लिएफंडिंग की राह में बाधक हैं।बैंक मध्यम उद्योगों को कर्ज देने के लिए बड़ी कंपनियों की तुलना में चार फीसदी अधिक ब्याज वसूलते हैं।

**प्रोद्योगिकी अपग्रेडेशन का अभाव-** 60 फीसदी मझोले उद्यम अब भी पुरानी मशीनरी का इस्तेमाल करते हैं, जिससे उत्पादकता और गुणवत्ता प्रभावित होती है।अधिक लागत नईतकनीक अपनाने की उनकी राह में बड़ी बाधा है।

**नवाचार में बाधा-** मझोले उद्यमों की वृद्धि और प्रतिस्पर्धा के लिए नवाचार महत्वपूर्ण है।फिर भी, इसके लिएउन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है।78 फीसदी उद्यमों को लगता है कि नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त उपायों की जरूरत है। शोध एवं विकास के लिएसमर्पित फंड गेम चेंजर साबित हो सकता है।

**अनुपालन का बोझ-** मझोले उद्योग का मानना है कि उनके लिए अनुपालन जरूरतें एमएसई से अधिक हैं। उन्हें श्रम, स्वास्थ्य, सुरक्षा निरीक्षकों के निरीक्षणों और ऑडिट से गुजरना पड़ता है।

जमीन-बुनियादी ढांचा – सस्ती भूमि और बुनियादी ढांचे तक पहुंच उद्योगों के लिए बड़ा मुद्दा है। पिछले दशक में सिर्फ महाराष्ट्र में ही औद्योगिक भूमि की लागत 150 फीसदी बढ़ी है।

### आयोग ने की मंत्रालय से सिफारिश

आयोग ने एमएसएमई मंत्रालय में एक समर्पित शोध एवं विकास प्रकोष्ठ स्थापित करने सिफारिश की है। यह प्रकोष्ठ राष्ट्रीय महत्व की क्लस्टर आधारित परियोजनाओं के लिए आत्मनिर्भर भारत कोष का लाभ उठाएगा। अनुपालन को सुगम बनाने और उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधाओं पर भी ध्यान देने को कहा गया है।

## वोल्वो कार्स लागत घटाने के लिए 3000 नौकरियों में करेगी कटौती; सीईओ बोले- फैसला कठिन, पर महत्वपूर्ण

**नई दिल्ली, एजेंसी।** स्वीडन स्थित वोल्वो कार्स लागत में कटौती कार्यक्रम के तहत 3,000 पदों को समाप्त करने का फैसला किया है। कंपनी ने मोटर वाहन उद्योग में व्यापारिक तनाव और इसके परिणामस्वरूप पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता से चुनौतियों को देखते हुए यह फैसला किया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि लगभग 1,200 नौकरियों में कटौती स्वीडन के कर्मचारियों की होगी। वहीं, वर्तमान में परामर्शदाताओं की आरे से भरे गए 1,000 अन्य पदों को भी समाप्त किया जाएगा। इनमें से अधिकतर छंटनी स्वीडन में होगी।

**सीईओ बोले- हम एक मजबूत और अधिक लचीली वोल्वो कार्स बना रहे-** बाकी नौकरियां अन्य वैश्विक बाजारों में खत्म होंगी। जिन नौकरियों में कटौती की जा रही है, उनमें से अधिकांश दफ्तरों वाले पद हैं। वोल्वो कार्स के अध्यक्ष और सीईओ हाकन सैमुएलसन ने कहा, आज घोषित किए गए निर्णय कठिन हैं, लेकिन वे महत्वपूर्ण कदम हैं क्योंकि हम एक मजबूत और अधिक लचीली वोल्वो कार्स का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ऑटोमोटिव उद्योग एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। इससे निपटने के लिए, हमें अपने नकदी प्रवाह को बेहतर बनाना होगा और संरचनात्मक रूप से अपनी लागत कम करनी होगी। चीन के फर्म गीली के स्वामित्व वाली इस कंपनी में 42,600 पूर्णकालिक कर्मचारी हैं।

**हाल के वर्षों में बढ़ी है कार निर्माता कंपनियों की चुनौतियां-** हाल के वर्षों में दुनियाभर के कार निर्माता कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसके प्रमुख कारणों में कच्चे माल की बढ़ती लागत, यूरोपीय कार बाजार में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आयातित कारों और स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाना शामिल है।

# 8,355 करोड़ में एक सूट... इतने में तो दूर हो जाएगी पाकिस्तान की गरीबी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में जाने की तैयारी कर रहे हैं। शुक्ला को तीन विदेशी साथियों के साथ प्री-लॉन्च क्वारंटाइन में भेज दिया गया है। उनका मिशन 8 जून को अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होगा। इसमें एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट का यूज किया जाएगा। शुभांशु शुक्ला आईएसएस में जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री होंगे। अंतरिक्षयात्रियों के लिए खास तरह के सूट बनाए जाते हैं जो काफी महंगे होते हैं। जानिए कितनी है इसकी कीमत...

नासा के स्पेससूट की कीमत 10 मिलियन डॉलर से 22 मिलियन डॉलर तक हो सकती है। यह कीमत सूट के मॉडल और उसमें मौजूद खूबियों पर निर्भर करती है। ये अंतरिक्ष के खतरनाक माहौल में अंतरिक्षयात्रियों को बचाते हैं। नासा अब ×श्वरू सूट बना रहा है। इस एक सूट की कीमत लगभग 1 अरब डॉलर यानी 8,355 करोड़ रुपये है। यह बहुत महंगा है क्योंकि इसमें नई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह सूट अंतरिक्ष यात्रियों को लंबे मिशन पर सुरक्षित रखेगा। साल 1974 में नासा के अपोलो मिशन में इस्तेमाल हुए सूट की कीमत 15 से 22 मिलियन डॉलर थी। आज के

हिसाब से देखें तो इनकी कीमत 83 से 122 मिलियन डॉलर बैठती है।

**सूट इतने महंगे क्यों होते हैं-** इस सूट का खासियत यह होती है कि यह बहुत गर्म और ठंडे मौसम में अंतरिक्षयात्री को बचाता है। यह -150 से. गिड्री से +120 से. गिड्री के तापमान में भी काम कर सकता है। साथ ही यह अंतरिक्षयात्रियों को रेडिएशन और छोटे-छोटे पत्थरों से भी बचाता है। सूट में ऑक्सीजन, तापमान को कंट्रोल करने और कार्बन डाइऑक्साइड को बाहर निकालने का सिस्टम भी होता है। इन सब चीजों के लिए खास तरह के मटीरियल और तकनीक की जरूरत होती है। इसलिए ये सूट महंगे होते हैं। ये स्पेस सूट बहुत ही खास होता है। यह स्पेस सूट अपने आप में ही एक छोटी स्पेस शिप का काम करता है। इसलिए हर अंतरिक्षयात्री इसे पहनकर ही स्पेस में जाता है। इसके अंदर कंप्यूटर, एयर कंडीशनिंग, ऑक्सीजन, पीने पानी और एक इनबिल्ट टॉयलेट की व्यवस्था भी होती है। ये सभी सुविधाएं अंतरिक्ष यात्रियों के बेहद काम आती हैं। इन्हीं की वजह से ये स्पेस सूट इतना ज्यादा महंगा होता है। इन सुविधाओं की वजह से ही अंतरिक्ष यात्री बिना किसी परेशानी के अपने मिशन को पूरा कर पाते हैं।

**बैकअप की व्यवस्था-** स्पेस सूट में बैकअप की भी व्यवस्था होती है। स्पेस सूट का बैकपैक अंतरिक्षयात्री को ऑक्सीजन गैस प्रदान करने का काम करता है। यह कार्बनडाइऑक्साइड को वापस एक फैन की मदद से बाहर की ओर खींचता है। किसी आपात स्थिति में स्पेस सूट का बैकअप बहुत काम आता है। स्पेस सूट अंतरिक्ष यात्रियों को कई तरह के खतरों से बचाता है। अंतरिक्ष में स्पेस सूट सूर्य की हानिकारक किरणों के साथ वहां के वातावरण से सुरक्षा प्रदान करता है। स्पेस में बहुत ज्यादा ठंड होती है तो कहीं-कहीं सीधी धूप लगने पर काफी गर्मी होती है।

## कंपनी के 'मालिक' बेच रहे हैं 15.02 प्रतिशत हिस्सा, छोटे निवेशक नाखुश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड के प्रमोटर्स कंपनी में अपनी हिस्सेदारी घटा रहे है। इस कंपनी के प्रमोटर्स 15.02 प्रतिशत हिस्सेदारी घटा रहे हैं। प्रमोटर्स की तरफ से ऑफर फार सेल के जरिए शेयर बेचा जा रहा है। नॉन रिटेल निवेशक आज इस ऑफर फार सेल्स पर दांव लगा पाएंगे।

वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए यह ओएफएस कल यानी 28 मई को खुलेगा। बता दें, इस ऑफर फार सेल के लिए फ्लोर प्राइस 38 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। प्रमोटर्स के इस फैसले से निवेशक खुश नजर नहीं आ रहे हैं। आज यानी मंगलवार को कंपनी के शेयरों में लोअर सर्किट लगा है। 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड के शेयर 40.72 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है।

### कौन बेच रहा है कितना शेयर

सैजिलिटी ने 346,132,843 शेयर बेचने का प्रस्ताव दिया है। जोकि कंपनी के 7.39 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। यदि ओवरसब्सक्रिप्शन विकल्प प्रयोग किया जाता है। यह कंपनी 15.02 प्रतिशत हिस्सा के बराबर है।

**क्या है टारगेट प्राइस-** ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने 16 मई को जारी किए गए नोट्स में इस स्टॉक को बाय रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने 60 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। पहले ब्रोकरेज हाउस ने 56 रुपये सेट किया है।

### पिछले साल आया था आईपीओ

यह आईपीओ 5 नवंबर 2024 को ओपन हुआ था। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 30 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आईपीओ का साइज 2106.60 करोड़ रुपये का है। 3 दिन के सब्सक्रिप्शन के दौरान यह आईपीओ 3.2 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। रिटेल कैटगरी में यह आईपीओ 4.16 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था।

# 5150 इलेक्ट्रिक बसों की सप्लाई नहीं कर पाई कंपनी!

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज काफी गिर गए हैं। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के शेयर में आज शुरुआती कारोबार के दौरान ही 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई और यह 1180 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गया। शेयरों में इस गिरावट के पीछे एक डील कैंसिल होने की खबर है। दरअसल, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने अधिकारियों को समय पर डिलीवरी न करने के कारण कंपनी को दिए गए टेंडर ऑर्डर को रद्द करने का निर्देश दिया है।

**क्या है डिटेल-** सरनाईक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ओलेक्ट्रा का नाम लिए बिना लिखा कि कंपनी 5,150 लीज्ड बसों की सप्लाई में विफल रही है और उन्होंने अधिकारियों को उक्त समझौते को रद्द करने के लिए कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यह निर्णय सोमवार शाम को महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान लिया गया। मंत्री ने आगे लिखा कि ओलेक्ट्रा को 22 मई तक 1,000 बसों की आपूर्ति के लिए एक संशोधित कार्यक्रम दिया गया था, लेकिन एक भी बस की सप्लाई नहीं की गई, जिससे कंपनी द्वारा बसों की भविष्य में आपूर्ति पर संदेह पैदा हो गया है। मंत्री ने एक्स पर लिखा, इसलिए, यह निर्णय लिया गया कि कंपनी के साथ निविदा समझौता रद्द कर दिया जाना चाहिए। हालांकि, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने ऑर्डर रद्द करने के संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

**कंपनी के शेयरों के हाल-** बता दें कि कंपनी को एमएसआरटीसी से 5,150 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति के लिए आशय पत्र दिया गया था। ऑर्डर का मूल्य लगभग 10,000 करोड़ था और अनुबंध अवधि 12 वर्ष थी। एवे को ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक से बसें खरीदनी थीं और फिर उन्हें अगले 24 महीनों (जुलाई 2025 तक) में एमएसआरटीसी को सौंपना था, जबकि ओलेक्ट्रा पूरे कॉन्ट्रैक्ट अवधि के दौरान रखरखाव सेवाएं प्रदान करेगी। घोषणा के बाद उस दिन शेयर में 20 प्रतिशत की उछाल आई थी। जुलाई 2023 और फरवरी 2024 के बीच, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयर दोगुना से अधिक हो गया, जिससे प्रति शेयर 2,200 से अधिक का सर्वकालिक उच्च स्तर बन गया।

# भारत में गड़बड़ी कर रहीं चीनी कंपनियां ओप्पो और रियलमी, ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा

### सरकार ले सकती है कड़ा एक्शन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत में चीनी स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों ओप्पो और रियलमी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। आरओसी में जमा किए गए दस्तावेजों के अनुसार, इन कंपनियों के ऑडिटरों ने उनकी किताबों, काम करने के तरीकों और अधूरे रेकॉर्ड को लेकर कई सवाल उठाए हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ऑडिटर की रिपोर्ट और टिप्पणियों का निवेशकों, कर्जदाताओं और सरकार पर गहरा असर पड़ सकता है। खासकर ऐसे समय में जब ये चीनी कंपनियां भारत में पिछले चार-पांच सालों से सरकार की कड़ी निगरानी में हैं। सरकार ने इन पर कस्टम ड्यूटी और इनकम टैक्स की चोरी के साथ-साथ मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। अभी इन मामलों की जांच चल रही है और अदालत में मुकदमे भी चल रहे हैं। ओप्पो मोबाइल इंडिया और रियलमी मोबाइल टेलीकम्युनिकेशंस इंडिया, दोनों ही कंपनियां हांगकांग स्थित कंपनियों के जरिए अपने चीनी

मालिकों की पूरी तरह से स्वामित्व वाली कंपनियां हैं।

**ओप्पो की नेटवर्थ हुई नेगेटिव-** ओप्पो भारत में तीसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन ब्रांड है। इसके ऑडिटर ने आरओसी रिपोर्ट में कहा है कि कंपनी को पिछले सालों में भारी नुकसान हुआ है, जिसके कारण उसकी नेटवर्थ नेगेटिव हो गई है। इसका मतलब है कि कंपनी के पास जितनी संपत्ति है, उससे ज्यादा कर्ज है। ऑडिटर ने यह भी कहा कि कंपनी का कर्ज और इक्विटी का अनुपात ठीक नहीं है, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति और कर्ज चुकाने की क्षमता पर सवाल उठते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, एफवाय24 में ओप्पो इंडिया की नेटवर्थ नेगेटिव 3,551 करोड़ रुपये है।

**कंपनी के भविष्य पर संदेह-** ऑडिटर ने रिपोर्ट में यह भी कहा है कि कंपनी कई कानूनी मामलों में फंसी हुई है और सरकार की जांच भी चल रही है। इनका क्या नतीजा होगा, यह कहना मुश्किल है और इसका कंपनी की वित्तीय स्थिति और कामकाज पर बुरा असर पड़ सकता है। ऑडिटर ने आगे कहा कि इन हालातों को देखते हुए कंपनी के भविष्य पर संदेह होता है। यानी कंपनी शायद आगे भी अपना कारोबार जारी रख पाए या नहीं, इस पर सवाल है। हालांकि ओप्पो इंडिया ने रिपोर्ट में कहा है कि एफवाय24 में कंपनी को मुनाफा हुआ है और वह आगे भी मुनाफा कमाने और अपना कारोबार चलाने में सक्षम होगी।

### ओप्पो पर कितना कर्ज

एफवाय24 में ओप्पो इंडिया पर 2,082 करोड़ रुपये का कर्ज था। इसमें से 1,668 करोड़ रुपये का कर्ज उसकी पैरेंट कंपनी से और 414 करोड़ रुपये का कर्ज एचएसबीसी बैंक से लिया गया था। इसके अलावा, कंपनी पर 2,085 करोड़ रुपये का चालू कर्ज भी था।

हालांकि, ओप्पो इंडिया ने रिपोर्ट में कहा है कि एफवाय24 में कंपनी को मुनाफा हुआ है और वह आगे भी मुनाफा कमाने और अपना कारोबार चलाने में सक्षम होगी। कंपनी ने यह भी कहा है कि उसे भरोसा है कि वह वर्किंग कैपिटल मैनेजमेंट और बैंकों या अपनी पैरेंट कंपनी से शॉर्ट-टर्म फंड लेकर किसी भी तरह की कैश फ्लो की समस्या को दूर कर लेगी।

### रियलमी की क्या स्थिति

रियलमी भारत में पांचवां सबसे बड़ा मोबाइल फोन ब्रांड है। इसके ऑडिटर ने कंपनी के काम करने के तरीकों और रेकॉर्ड रखने में कमियां बताई हैं। ऑडिटर को कुछ खातों की सटीकता और एफवाय24 के लाभ और हानि खातों की पूरी जानकारी पर भी संदेह है।
इन सभी बातों को देखते हुए, ओप्पो और रियलमी के लिए आगे की राह आसान नहीं होने वाली है। सरकार की कड़ी निगरानी और ऑडिटरों की आपत्तियों के कारण इन कंपनियों को अपनी वित्तीय स्थिति और कामकाज में सुधार करना होगा।

## नवरत्न कंपनी को आंध्र प्रदेश पुलिस ने दिया 25,12,94,570 का काम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** नवरत्न कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को 25 करोड़ रुपये का काम आंध्र प्रदेश पुलिस ने दिया है। आंध्र प्रदेश पुलिस सिक्योरिटी और सर्विलांस इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत बनाना चाह रही है। जिसमें अब रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की सहायता ली जाएगी। बीएसई में मंगलवार को कंपनी के शेयर 383.05 रुपये के लेवल पर खुला था। सरकारी कंपनी के शेयरों का इंट्रा-डे हाई 393.20 रुपये आज रहा है। बता दें, कंपनी को यह वर्क ऑर्डर ऐसे समय में मिला है जब चौथी तिमाही के दौरान रेलटेल कॉरपोरेशन का प्रदर्शन शानदार रहा है।
**25,12,94,570 रुपये का मिला काम-** रेगुलेटरी को दी जानकारी में 27 मई को रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बताया कि आंध्र प्रदेश के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस की तरफ से काम मिला है।

## एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप

# नीरज चोपड़ा की अनुपस्थिति में भारत का ये दिग्गज खिलाड़ी पाकिस्तान के अरशद नदीम को देगा चुनौती

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दक्षिण कोरिया में मंगलवार से शुरू हुई एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के उभरते हुए सितारे सचिन यादव और अन्य एथलीट अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के लिए तैयार हैं। इस प्रतियोगिता में भारत की नजरें न केवल पदक पर हैं, बल्कि विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर भी टिकी हैं। इस बार, स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की अनुपस्थिति में 25 वर्षीय साचिन यादव भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे।सचिन यादव, जिनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.39 मीटर है, अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ी, पाकिस्तान के अरशद नदीम के खिलाफ उतरेंगे। अरशद ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि, साचिन का कहना है कि वह अपने प्रतिद्वंद्वियों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। मैं केवल अपनी ट्रेनिंग और प्रदर्शन पर ध्यान दे रहा हूँ। मेरा लक्ष्य 85.50 मीटर की विश्व चैंपियनशिप क्वालीफिकेशन दूरी को पार करना है, सचिन ने बताया। सचिन के साथ-साथ भारत के यश वीर सिंह भी भाला फेंक में अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। यश का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 82.13 मीटर और सीजन का सर्वश्रेष्ठ 80.85 मीटर है। हालांकि, उन्हें पोडियम पर जगह बनाने के लिए असाधारण प्रदर्शन करना होगा। श्रीलंका के सुमेधा रणसिंघे (85.78 मीटर) और रुमेश थरंगा पथिरगे (85.41 मीटर) जैसे खिलाड़ी भी इस स्पर्धा में कड़ी चुनौती पेश करेंगे।

## फ्रेंच ओपन

# डेनियल अल्टमायर ने पहले दौर में टेलर फ्रिट्ज को हराया

**पेरिस, एजेंसी।** जर्मनी के डेनियल अल्टमाइर ने फ्रेंच ओपन का पहला बड़ा उलटफेर कर दिया। उन्होंने पहले दौर में चौथी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज को हराया। विश्व के 66वें नंबर के खिलाड़ी डेनियल अल्टमायर ने फ्रिट्ज को चार सेटों में 7-5, 3-6, 6-3, 6-1 से हराया। कोर्ट में अपने तेज शॉट्स के लिए जाने जाने वाले अल्टमायर ने दो घंटे, 41 मिनट के मुकाबले में साहस के साथ खेला। उनके खेल में आक्रामकता, नियंत्रण और बुद्धिमत्ता का मिश्रण था जिसने फ्रिट्ज जैसे दिग्गज को भी धराशाई कर दिया। मैच के बाद अल्टमायर ने कहा, यह बहुत खास था, मैं पिछले कुछ हफ्तों से आत्मविश्वास हासिल करने और इस तरह के मैचों के लिए तैयार होने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहा हूं। मुझे लगता है कि मैं किसी का भी सामना करने के लिए तैयार हूं। 26 वर्षीय जर्मन खिलाड़ी ने पेरिस के क्ले कोर्ट पर अपनी क्षमता पहले भी दिखाई थी। वह 2020 में चौथे राउंड तक पहुंचे थे। सोमवार की जीत रोलां गैरो में उनके करियर की तीसरी बड़ी जीत थी। वहीं, 2020 में माटेओ बेरेटिनी को और 2023 में जैनिक सिनर को हराने के बाद शीर्ष 10 प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों के खिलाफ उनकी कुल पांचवीं जीत थी। मैच का सबसे अहम समय चौथे सेट में अल्टमायर का दबदबा था, जहां उन्होंने दो ब्रेक सर्व के साथ बढ़त हासिल की। एक विशेष रूप से आश्चर्यजनक रैली विजेता के इनसाइड-आउट फोरहैंड के साथ समाप्त हुई। यहीं फ्रिट्ज चूक गए।

# सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल में रचा इतिहास

## 25 या उससे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने एक सीजन में सबसे ज्यादा बार 25 या उससे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्या ने 2025 के सीजन में 14 बार 25+ रन बनाए, जो आईपीएल इतिहास में किसी भी बल्लेबाज का सर्वोच्च प्रदर्शन है। इससे पहले यह रिकॉर्ड केन विलियमसन (2018) और शुभमन गिल (2023) के नाम था, जिन्होंने 13-13 बार यह कारनामा किया था। सूर्या की इस उपलब्धि में उनकी 171.68 की स्ट्राइक रेट और 640 रनों का योगदान शामिल है, जो मुंबई के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन भी है। जयपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ 57 रनों की पारी ने उनके रिकॉर्ड को और चमकाया। सूर्या की निरंतरता ने मुंबई को प्लेऑफ तक पहुंचाया और प्रशंसकों का दिल जीता। पहली पारी खत्म होने के बाद सूर्यकुमार यादव ने पिच पर बात करते हुए कहा कि यह चुनौतीपूर्ण थी। पेसरों, स्पिनरों के साथ यह थोड़ा चिपचिपा लग रहा था। मुझे लगता है कि हार्दिक और नमन ने जिस तरह से शुरुआत से बल्लेबाजी की, उससे हम 10-15 रन कम रह गए। तेज गति और अच्छी सीम अप डिलीवरी बल्लेबाजों के लिए एक चुनौती होगी। इस विकेट के लिए हमारे पास अच्छा स्कोर है, यह एक चुनौती होगी। मेरा पसंदीदा शॉट स्वीप और स्क्वायर लेग पर फ्लिक रहे हैं।

# संन्यास का मन बना चुके हैं धोनी!

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग 2025चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अच्छा नहीं रहा, लेकिन महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली टीम ने गुजरात टाइटंसको हराकर सफर का अंत किया। मैच के बाद महेंद्र सिंह धोनी से सवाल हुआ कि क्या वह अगले साल भी खेलते दिखेंगे? इस बार धोनी ने साफ-साफ नहीं कहा कि वह रिटायर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अभी रिटायर नहीं हो रहे हैं, लेकिन यह भी साफ नहीं किया कि अगले साल वह दिखेंगे। धोनी ने गुजरात के खिलाफ मैच के बाद कहा, ÷यह अच्छा है। मैं यह नहीं कहूंगा कि आज हाउसफुल था, लेकिन अच्छी भीड़ थी। यह एक बहुत बड़ा स्टेडियम है। हमारा सीजन अच्छा नहीं रहा,लेकिन जीत के साथ खत्म करना अच्छा था। गेंदबाजी विभाग और बल्लेबाजी विभाग में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन में से एक था। हमने कैच लेने में अच्छे नहीं रहे, लेकिन यह एक ऐसा मैच था जिसमें हमारी फील्डिंग और कैचिंग अच्छी थी। अगले साल खेलने के सवाल पर धोनी ने कहा, मेरे पास निर्णय लेने के लिए 4-5 महीने हैं, यह तय करने की कोई जल्दी नहीं है कि क्या करने की जरूरत है। हर साल शरीर को फिट रखने के लिए अधिक प्रयास करना पड़ता है। आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है, यह शीर्ष स्तर का क्रिकेट है। यह पेशेवर क्रिकेट है।धोनी ने आगे कहा, हमेशा प्रदर्शन मायने नहीं रखता। यदि क्रिकेटर अपने प्रदर्शन के कारण संन्यास लेना शुरू कर दे तो उनमें से कुछ 22 साल की उम्र में संन्यास ले लेंगे। यह देखना महत्वपूर्ण है कि आपमें कितनी भूख है और आप कितने फिट हैं।

# रोहित शर्मा–विराट कोहली के बाद अब इस भारतीय खिलाड़ी ने कर दिया संन्यास का ऐलान, लिखा भावुक पोस्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए आईपीएल 2025 के बाद इंग्लैंड रवाना होगी, जिसके लिए बीसीसीआई ने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है. विराट कोहली और रोहित शर्मा इस दौरे से पहले टेस्ट से रिटायरमेंट ले चुके हैं. शुभमन गिल की कप्तानी में एक युवा टीम इंग्लैंड जाएगी. इस बीच एक और भारतीय क्रिकेटर ने अपने रिटायरमेंट का ऐलान डोमेस्टिक क्रिकेट में गुजरात के लिए खेलने वाले प्रियांक पांचाल ने 35 साल की उम्र में फर्स्ट क्लास क्रिकेट को अलविदा कह दिया. उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 8 हजार से अधिक रन बनाए. सलामी बल्लेबाज प्रियांक ने डोमेस्टिक क्रिकेट में 250 से अधिक मैच खेले. साल 2021 में प्रियांक को भारतीय टीम में चुना गया था. साउथ अफ्रीका दौरे पर उन्हें रोहित शर्मा के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल किया गया था लेकिन उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिल सका था.उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर फर्स्ट क्लास क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा करते हुए लिखा, बड़े होते हुए, हर कोई अपने पिता को देखता है, उन्हें आदर्श मानता है, प्रेरित होता है, और उन्हें प्रभावित करने की कोशिश करता है, मैं भी इससे अलग नहीं था.

# गिल प्लेइंग 11 में भी फिट नहीं बैठते उसे कप्तान कैसे बनाया जा सकता है

## बीसीसीआई पर भड़के वीरेंद्र सहवाग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए पिछले हफ्ते टीम की घोषणा की गई। शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गई जबकि ऋषभ पंत को उप-कप्तानी मिली। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद कई अटकलों के बीच जसप्रीत बुमराह को विकल्प के रूप में देखा जा रहा था और गिल की घोषणा ने कुछ लोगों को चौंका दिया जिसमें एक नाम पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग का भी है। सहवाग ने बीसीसीआई के इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि शुभमन गिल प्लेइंग 11 में भी फिट नहीं बैठते।

सहवाग ने कहा, वह दूसरा सबसे अच्छा विकल्प था। लेकिन जो प्लेइंग 11 में भी फिट नहीं बैठता, उसे कप्तान कैसे बनाया जा सकता है? इसलिए मुझे लगता है कि यहां तर्क यह था कि उन्होंने देखा कि दूसरा सबसे अच्छा विकल्प कौन था, और वह गिल थे और ऐसा ही हुआ। दूसरी ओर सहवाग बुमराह को अतिरिक्त जिम्मेदारी न देने के लिए चयनकर्ताओं से सहमत थे। हालांकि वह तिवारी से असहमत थे और उन्होंने गिल को तीसरा सबसे अच्छा विकल्प बताया, न कि दूसरा। उन्होंने कहा, एक सीरीज के लिए बुमराह ठीक हैं। लेकिन एक दीर्घकालिक विकल्प के रूप में आपको यह पूछने की जरूरत है कि अगर भारत एक साल में 10 टेस्ट खेलता है, तो क्या वह उन सभी मैचों में खेल पाएगा? या वह कितने मैच खेल सकता है?

कप्तान चुनने में यह एक प्रमुख कारक है। इसलिए मुझे लगता है कि यह सही निर्णय था क्योंकि उन्हें लगा कि वे बुमराह पर इतना दबाव और भार नहीं डाल सकते। तिवारी ने कहा कि गिल दूसरे सर्वश्रेष्ठ हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वह ऋषभ पंत हैं, और गिल तीसरे सर्वश्रेष्ठ हैं।

सहवाग ने इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में क्रांति लाने और विराट कोहली के बाद आधुनिक समय के दर्शकों के लिए इसे मनोरंजक बनाने के लिए पंत की प्रशंसा की। सहवाग ने यह भी व्यक्त किया कि अगर पंत अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटते हैं तो उन्हें भविष्य में संभावित कप्तान के रूप में पेश किया जा सकता है।

# क्लोजिंग सेरेमनी ऑपरेशन सिंदूर के नाम, भारतीय सेना के लिए बीसीसीआई कर रहा स्पेशल इवेंट

आईपीएल 2025 की क्लोजिंग सेरेमनी भारतीय सशस्त्र बलों के लिए समर्तित रहेगी. इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर के वीरों को सम्मान किया जाएगा. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने घोषणा की है कि आगामी आईपीएल 2025 की क्लोजिंग सेरेमनी को भारतीय सशस्त्र बलों के सम्मान में समर्पित किया जाएगा.

यह सेरेमनी 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगी. जहां आईपीएल का फाइनल खेला जाएगा इस पहल का उद्देश्य ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ भारतीय सेना की सफल कार्रवाई को सम्मान देना है.

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया- हम बीसीसीआई की ओर से हमारे वीर सैनिकों की बहादुरी, हिम्मत और निःस्वार्थ सेवा को सलाम करते हैं. ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमारे जवानों ने जो बहादुरी दिखाई है, वो देश को सुरक्षित रखने के साथ-साथ हम सभी को प्रेरित भी करती है. इसी सम्मान में हमने फैसला किया है किआईपीएल 2025 के समापन समारोह को सेना को समर्पित करेंगे और हमारे सैनिकों को सम्मानित करेंग.

# हमने अभी तक कुछ हासिल नहीं किया है - पंजाब किंग्स के मुख्य कोच पोंटिंग

**जयपुर, एजेंसी।** पंजाब किंग्स की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का मानना है कि टीम ने अभी तक कुछ हासिल नहीं किया है और एक दशक से अधिक समय में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना अभी आधा-अधूरा काम है। पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराकर प्लेऑफ में शीर्ष दो में अपना स्थान पक्का कर लिया है जिससे उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलेंगे।

पोंटिंग ने जियोहॉटस्टार से कहा, 'मुझे लगता है कि यह स्पष्ट हो गया है कि यह वास्तव में एक प्रतिभाशाली टीम है जो सही दिशा में आगे बढ़ रही है। हां, यह अब तक की एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन वास्तव में यदि आप अतीत पर गौर करें तो हमने अभी तक कुछ भी हासिल नहीं किया है। यह एक बात है जो मैं खिलाड़ियों से उस समय से कह रहा हूं जब हमने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया था। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, 'मेरा लक्ष्य शुरू से शीर्ष दो में रहना था और अब हम वहां पहुंच गए हैं। यह एक ऐसी टीम है जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी एक दूसरे की सफलता का भरपूर आनंद ले रहा है। पोंटिंग ने कप्तान श्रेयस अय्यर की जमकर तारीफ की। पिछली बार जब पोंटिंग-अय्यर की जोड़ी दिल्ली कैपिटल्स के लिए कोच और कप्तान थी, तब उन्होंने कोविड-19 के समय में टीम को अपने पहले फाइनल में

पहुंचाया था। पोंटिंग ने कहा, 'मैं उनके (अय्यर) साथ दोबारा काम करने के लिए काफी उत्सुक था। यह बिल्कुल स्पष्ट था कि नीलामी में मैं उन पर कितना पैसा खर्च करने को तैयार था। उनके कप्तान रहते हुए हमने दिल्ली को फाइनल में पहुंचाया था। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें एक व्यक्ति और एक खिलाड़ी के रूप में लंबे समय से जानता हूं। वह एक बेहद कुशल इंसान हैं। यदि आप खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से बात करें, तो मुझे लगता है कि उनमें से प्रत्येक श्रेयस की बहुत प्रशंसा करेगा, क्योंकि उसने खिलाड़ियों के साथ काफी समय बिताया है। उन्होंने जरूरत पड़ने पर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और उनकी पीठ थपथपाई जो एक अच्छे और मजबूत कप्तान का लक्षण है।

# नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट की रोमांचक शुरुआत, कार्लसन की सटीकता के आगे गुकेश को मिली हार

**स्टावेंजर (नॉर्वे)**, एजेंसी। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट की शुरुआत बेहद शानदार रही। पहले ही दिन खेले गए मुकाबले बहुत रोमांचक थे। यह टूर्नामेंट इस साल का सबसे प्रतीक्षित शतरंज मुकाबला माना जा रहा है। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश डोम्मराजू के बीच मुकाबला बेहद कड़ा रहा। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने आखिरी चरण में अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाया। समय की कमी के कारण गुकेश से एक चूक हो गई, और कार्लसन ने खेल को अपने पक्ष में सटीक रूप से समाप्त किया। एक और दिलचस्प मुकाबला अमेरिका के दो दिग्गजों, हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारुआना के बीच हुआ। नाकामुरा ने खेल के दौरान ड्रॉ (बराबरी) का प्रस्ताव दिया था, लेकिन कारुआना ने उसे ठुकरा दिया। अंत में नाकामुरा ने काले मोहरों से खेलते हुए यह मैच जीत लिया। वेई यी और अर्जुन एरिगैसी का मुकाबला सबसे पहले समाप्त हुआ, जो ड्रॉ रहा। इसके बाद 'आर्मागेडन' नामक दमदार गेम हुआ,

जिसमें अर्जुन ने वेई यी के दबाव को अच्छे से झेला और जीत दर्ज की। महिला वर्ग में भी जबरदस्त मुकाबले हुए। भारत की हम्पी कोनेरू ने वैशाली रमेशबाबू को हराकर दिन की इकलौती निर्णायक जीत दर्ज की। हम्पी ने शांत और सटीक खेल दिखाते हुए अंतिम चरण में वैशाली की गलती का फायदा उठाया। बाकी दो मुकाबले - अन्ना मुझिचुक बनाम सरसादात खादेमालशारिह और लेई टिंगजी बनाम जू वेनजुन बराबरी पर खत्म हुए। बाद में हुए 'आर्मागेडन' गेम्स में अन्ना और लेई टिंगजी ने अपने-अपने मैच जीतकर दिन का समापन जीत के साथ किया।

इस साल के नार्वे शतरंज लाइनअप में बड़े नाम शामिल हैं - विश्व चैम्पियन गुकेश डोम्मराजू, विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन, फैबियानो कारुआना, हिकारू नाकामुरा, अर्जुन एरिगैसी और वेई यी। महिला वर्ग में विश्व चैम्पियन जू वेनजुन, लेई टिंगजी, हम्पी कोनेरू, अन्ना मुझिचुक, वैशाली रमेशबाबू और सरसादत खादेमालशारिह शामिल हैं।

# Shilpa Shinde की तरह मुंहफट होती हैं इस राशि की लड़कियां दुश्मनों का कर देती हैं जीना हराम

**अपनी** इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि टीवी अदाकारा शिल्पा शिंदे की राशि क्या है. शिल्पा शिंदे की राशि जानकर आप जान जाएंगे कि उनको बात बात पर इतनी जल्दी गुस्सा क्यों आ जाता है.

शिल्पा शिंदे टीवी की उन अदाकाराओं में से एक हैं जो कि आए दिन किसी न किसी वजह से विवादों में बनी रहती हैं. शिल्पा शिंदे जब जब टीवी की दुनिया में कदम रखती हैं तब तब बवाल हो जाता है. बिग बॉस के घर में तो शिल्पा शिंदे ने अपने दुश्मन विकास गुप्ता का जीना ही हराम कर दिया था. बिग बॉस से पहले शिल्पा शिंदे ने सीरियल भाभी जी घर पर है को लेकर खूब सुर्खियां बटोरी थीं. बीते कई सालों से शिल्पा शिंदे का नाता विवादों से रहा है. क्या आपने कभी सोचा है कि शिल्पा शिंदे का व्यवहार ऐसा क्यों होता है. क्यों शिल्पा शिंदे बिना कुछ सोचे समझे कुछ भी बोल जाती हैं. इस राज का जवाब मिलता है एस्ट्रोलॉजी में... शिल्पा शिंदे एक ऐसी राशि से नाता रखती हैं जो कि बहुत अनप्रडिक्टेबल है.

शिल्पा शिंदे कब क्या कर जाएं ये शायद वो खुद भी नहीं जानतीं. बता दें कि शिल्पा शिंदे की राशि कन्या है... कन्या राशि की जातक होने की वजह से शिल्पा शिंदे का दिमाग बहुत की कैलकुलेटिव है. शिल्पा शिंदे बिना सोचे समझे कोई फैसला नहीं करती हैं. ये राशि शिल्पा शिंदे को असल जिंदगी में बहुत प्रैक्टिकल बनाती है. शायद यही वजह है जो शादी जैसे फैसले को लेकर शिल्पा शिंदे ने पीछे हटना ही जरूरी समझा. प्यार के मामले में भी शिल्पा शिंदे ने अपने दिमाग का इस्तेमाल किया.

इसके अलावा पसंद के मामले में शिल्पा शिंदे बहुत चूजी हैं. शिल्पा शिंदे हर किसी शख्स और चीज को पसंद नहीं कर सकतीं. बिग बॉस के घर में तो ये सबने देख ही लिया था. खैर, कन्या राशि शिल्पा शिंदे को वर्कोहॉलिक और प्रोफेशनलिस्ट बनाती है. इस राशि की वजह से शिल्पा शिंदे एक ओवरथिंकर भी हैं. एक ओवरथिंकर तिल का ताड़ कब बना दे ये कोई नहीं जानता. इस राशि के जातक समझदार होने के साथ साथ थोड़े जिद्दी भी होते हैं. कन्या राशि शिल्पा शिंदे को शर्मीला स्वभाव देती है.

*जॉन अब्राहम ने बताया क्यों नहीं करते ओटीटी की फिल्में या सीरीज*

# 'मैं बड़े पर्दे के लिए बना हूं'

**मौजूदा** वक्त में ओटीटी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए हर बॉलीवुड स्टार अब ओटीटी पर डेब्यू कर रहा है। इस लिस्ट में अजय देवगन और शाहिद कपूर सरीखे स्टार्स भी शामिल हैं। हालांकि, अभिनेता जॉन अब्राहम खुद को इस लिस्ट से फिलहाल दूर रखना चाहते हैं। वो ये नहीं मानते कि उन्हें अभी ओटीटी डेब्यू करने की जरूरत है। उनका मानना है कि वो सिनेमाघरों के लिए ही बने हैं।

## इसलिए ओटीटी से दूर हैं जॉन

हालिया बातचीत में जॉन अब्राहम ने ओटीटी के बढ़ते प्रभाव और बॉलीवुड स्टार्स के ओटीटी डेब्यू को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने साझा किया कि आखिर वो क्यों ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरे दिमाग में, मुझे लगता है कि मैं बड़े पर्दे के लिए बना हूं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उतरने के लिए बड़े स्तर पर सेटअप और एक डेडिकेटेड टीम की जरूरत होती है। फिर भी क्रिएटर अक्सर प्रोजेक्ट्स का अधिकार या मालिकाना हक नहीं रख पाते।

## फिलहाल वेब सीरीज करने का इरादा नहीं

अभिनेता ने आगे कहा, कमाई का पैसा आमतौर पर प्रोजेक्ट की लागतों से ऑफसेट होताहै। जिससे प्रोजेक्ट कम सफल या सार्थक हो जाता है। ओटीटी से जुड़े अधिकतर लोग इस बात से सहमत होंगे। यही कारण है कि मैं अभी वेब सीरीज नहीं करना चाहता। हालांकि, इसमें कोई दोराय नहीं कि अगर बढ़िया कहानी मिलती है, जो मुझे वाकई में पसंद आएगी, तो मैं वेब सीरीज जरूर बनाऊंगा।

# सनी लियोनी ने हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग की पूरी

**बॉलीवुड** एक्ट्रेस सनी लियोनी ने भी अब हॉलीवुड की राह पकड़ ली है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी डेब्यू हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग पूरी की है। शूटिंग से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी वायरल हुईं, जिसमें सनी लियोनी के किरदार की भी झलक मिल रही है।

सनी लियोनी साल 2012 में बॉलीवुड फिल्म 'जिस्म 2' में बोल्ड सीन्स देकर चर्चा में आईं। इसके बाद वह कई हिंदी और दक्षिण भारतीय फिल्मों में दिखीं। सनी लियोनी ने कुछ फिल्मों में एक्टिंग की तो किसी में आइटम डांस करके लाइमलाइट में बनी रही हैं।

जल्द ही वह हॉलीवुड में भी डेब्यू कर रही हैं। हाल ही में सनी लियोनी ने अपनी हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग खत्म की है। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

सोशल मीडिया पर सनी लियोनी हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें वायरल हो रही हैं, उनमें वह एक आर्मी ऑफिसर के रोल में दिख रही हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में भी बताया गया है कि वह एक अमेरिकी सैनिक का रोल वह फिल्म में निभाएंगी, जो संयुक्त राष्ट्र शांति से जुड़ी है। फिल्म में सनी लियोनी का किरदार काफी संजीदा बताया गया है क्योंकि यह एक युद्ध पर आधारित फिल्म है।

## एक्शन करेंगी सनी लियोनी

अपनी हॉलीवुड फिल्म में सनी लियोनी एक्शन करती दिखेंगी। सोशल मीडिया पर सनी लियोनी की हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग की जो तस्वीरें वायरल हैं, उसमें एक्शन की झलक मिल रही है। सनी लियोनी के हाथों में गन नजर आ रही है, एक सीन में वह कंट्रोल रूम में नजर आ रही हैं।

## बॉलीवुड-साउथ की फिल्मों में भी आएंगी नजर

सनी लियोनी सिर्फ हॉलीवुड नहीं कर रही हैं, वह हिंदी और साउथ की फिल्मों में भी जल्द नजर आएंगी। इस साल वह 'बैडएस रवि कुमार' में कैमियो करती दिखीं। जल्द ही दो मलयालम फिल्म 'रंगीला' और 'शेरो' में नजर आएंगी। इसके अलावा 'द बैटल ऑफ भीमा कोरेगांव' में वह एक स्पेशल आइटम नंबर करेंगी।

# दीपिका के फिल्म छोड़ने पर भड़के संदीप वांगा?

## क्रिप्टिक पोस्ट में बोले- बिल्ली खंबा नोचे

दीपिका पादुकोण के 'स्पिरिट' फिल्म से बाहर होने पर ऐसा लगता है संदीप रेड्डी वांगा काफी नाराज हैं। जानिए अपने क्रिप्टिक पोस्ट में उन्होंने क्या कुछ लिखा है। मशहूर निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म से

दीपिका पादुकोण के बाहर होने के बाद अब तृप्ति डिमरी को बतौर लीड एक्ट्रेस शामिल किया गया है। लेकिन दीपिका पादुकोण के फीस और काम के घंटों को लेकर फिल्म छोड़ने का विवाद अब गहराता जा रहा है। क्योंकि अपने बेबाक बयानों के लिए मशहूर संदीप रेड्डी वांगा दीपिका पादुकोण के इस फैसले से नाखुश हैं। निर्देशक ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टिक पोस्ट किया है, जिसे दीपिका पादुकोण से जोड़कर देखा जा रहा है। 'कबीर सिंह' और 'एनीमल' फिल्मों का निर्देशन करने वाले संदीप रेड्डी वांगा ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट किया है। जो अब सुर्खियां बटोर रहा है। इस पोस्ट में संदीप ने लिखा है, ÷जब मैं किसी एक्टर को कहानी सुनाता हूं, तो मैं उस पर 100त्न भरोसा करता हूं। हमारे बीच एक अनकहा एनडीए (नॉन डिस्क्लोज एग्रीमेंट) होता है।

# तलाक के बाद पूरी तरह से बदल गई धनश्री की जिंदगी

**कोरियोग्राफर**, अभिनेत्री और यूट्यूबर धनश्री वर्मा पिछले दिनों क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से अपने तलाक को लेकर काफी चर्चाओं में रही थीं। इस दौरान उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था। अब धनश्री ने चहल से तलाक के बाद अपनी जिंदगी और ट्रोलिंग को लेकर बात की है। हालिया बातचीत में धनश्री ने तलाक के बाद अपने जीवन में आए बदलाव पर बात करते हुए कहा कि तलाक के बाद वह पूरी तरह से बदल गई हैं। साथ ही उन्हें ट्रोलिंग से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उन्होंने खुद को मजबूत बनाया है। धनश्री ने कहा, ट्रोलिंग मुझे बिल्कुल भी परेशान नहीं करती है क्योंकि मैंने खुद को अंदर से मजबूत कर लिया है। मैंने खुद को इस हद तक सुरक्षित रखा है कि बाहरी शोर मुझे परेशान नहीं करता। मैं हमेशा से एक मेहनती व्यक्ति रही हूं। अब मैंने अपनी लाइफस्टाइल को पूरी तरह से बदल दिया है और आंतरिक शक्ति, अनुशासन, व्यायाम और अच्छे खाने पर ध्यान केंद्रित किया है। खुद को ऐसे लोगों के साथ रखा है जो मुझे प्यार करते हैं और मेरा सम्मान करते हैं। अपने मुश्किल वक्त को लेकर धनश्री ने आगे कहा, इस मुश्किल दौर में मैंने अपनी भावनाओं को अपने हुनर यानी डांस में ढालने का प्रयास किया है। मुझे उम्मीद है कि मैंने और लोगों को ताकत को अपना हथियार बनाने के लिए प्रेरित किया है। मैंने जो सबसे बड़ी चीज सीखी है, वह है आत्मनिर्भरता का महत्व और मेरे माता-पिता ने एक मजबूत बेटी की परवरिश की है।

# ताहा शाह बदुशा को कान्स में सम्मान

## हीरामंडी और पारो के लिए वर्ष के प्रभावशाली अभिनेता का खिताब मिला

डायनेमिक अभिनेता ताहा शाह बदुशा ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में एक बड़ी जीत के साथ अंतरराष्टीय मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाई है। जहाँ उन्हें संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित ऐतिहासिक महाकाव्य हीरामंडी और गजेंद्र अहिरे द्वारा निर्देशित दुल्हन की गुलामी की एक मार्मिक कहानी पारो में उनके दमदार अभिनय के लिए इन्फ्लुएंशियल ऐक्टर ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसमें तृप्ति भोईर ने उनके ऑपोजिट अभिनय किया है, जिसके साथ ताहा ने राशिद का किरदार

निभाया है। एक ऐसा पति जो इस शोषणकारी व्यवस्था में महिलाओं की पीड़ा को समझता है और उसके संघर्षों के प्रति सहानुभूति रखता है। उनकी यह भूमिका फिल्म की कहानी में गहराई और संवेदनशीलता लेकर आती है। कान्स फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होने के बाद पारो को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में भी दिखाया जाएगा, जिससे इसकी वैश्विक पहुंच एवं प्रभाव और भी बढ़ेगा। ताहा की इस जीत ने सिनेमा की परिवर्तनकारी शक्ति पर महत्वपूर्ण चर्चाओं को जन्म दिया है। प्रशंसक और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग उनके सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण की जमकर सराहना कर रहे हैं।

अपनी इस उपलब्धि के बाद ताहा ने एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए लिखाऽ्इस वैश्विक सम्मान के लिए आभारी हूं, धन्यवाद WIBA अवॉर्ड्स! विश्व स्तर पर ताहा शाह की मौजूदगी ने उन्हें आलोचकों की प्रशंसा और दर्शकों का प्यार दोनों ही दिलवाया है। लेकिन यह उनका समर्पण है कि वे अपने मंच का इस्तेमाल बड़े उद्देश्यों के लिए करते हैं जो उन्हें दूसरों से अलग करता है।

# फातिमा सना शेख ने इसलिए की ओटीटी की तारीफ, कहा- एक कलाकार तनाव मुक्त रहता है

बॉलीवुड अभिनेत्री फातिमा सना शेख आखिरी बार साल 2023 में फिल्म सैम बहादुर में नजर आई थीं। वह अगले साल बहुत व्यस्त रहने वाली हैं। उनके पास कई फिल्में हैं। फातिमा सना शेख जल्द ही आप जैसा कोई, गुस्ताख इश्क और मेट्रो... इन दिनों जैसी कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। फिल्मों के अलावा सना वेब सीरीज न्याय में नजर आएंगी।

फातिमा सना शेख से जब पूछा गया कि उन्होंने न्याय शो से ओटटी में कदम क्यों रखा? इस पर उन्होंने कहा मुझे कहानी बहुत पसंद आई। इसमें मेरा किरदार दिलचस्प था और मैं पहली बार एक पुलिस की भूमिका निभाने वाली थी। इसलिए मैं इसके लिए उत्साहित हूं। इस कहानी का एक मकसद है। यह कहानी ऐसी है जो किसी चीज के बारे में बात करती है। इसलिए मुझे एक ऐसे शो का हिस्सा बनकर बहुत मजा आया जो सिर्फ एक विषय से कहीं बड़ा है। इन दिनों फिल्मों और सीरीज में कई बड़े अभिनेता काम कर रहे हैं। कुछ बड़े पर्दे पर तो कुछ ओटीटी के लिए काम कर रहे हैं। इस पर फातिमा ने कहा रेखा धुंधली हो गई है और आज हर कोई सिर्फ अच्छे प्रोजेक्ट बनाना चाहता है। अच्छे प्रोजेक्ट को लोगों तक पहुंचाना चाहता है। इस समय माध्यम ज्यादा मायने नहीं रखता। सिनेमा का आकर्षण है। ओटीटी पर इसकी कमी महसूस होती है, लेकिन वेब पर बहुत सारी बेहतरीन चीजें हैं। यहां बॉक्स ऑफिस का कोई दबाव नहीं है। लोग वही बना रहे हैं जो वे बनाना चाहते हैं और इसमें एक आजादी है।

-साभार-एजेंसी